हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना गुरुवार | 04 जुलाई 2024 | वर्ष : 02 अंक :53 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

मणिपुर के हालात सुधारने की कोशिश कर रही केंद्र सरकार,

राज्यसभा में बोले पीएम मोदी, कश्मीर पर भी कही बड़ी बात

प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर के अधिकतर हिस्सों में आम दिनों की तरह स्कूल, कॉलेज और दफ्तर खुल रहे है, राज्य में परीक्षाएं सामान्य तरीके से हुई है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में इस समय बाढ़ की स्थिति गंभीर है और आज ही एनडीआरएफ के दो दल वहां भेजे गए है।

एजेंसी

नई दिल्ली:विपक्ष मणिपुर की स्थिति को लेकर लगातार सरकार पर हमलावर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा के जवाब में कहा कि मणिपुर की स्थिति सामान्य करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वहां 11 हजार प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 500 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा हमें स्वीकार करना होगा कि मणिपुर में लगातार हिंसा की घटनाएं कम होती जा रही हैं और शांति की आशा संभव हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर के अधिकतर हिस्सों में आम दिनों की तरह स्कूल, कॉलेज और दफ्तर खुल रहे हैं, राज्य में परीक्षाएं सामान्य तरीके से हुई हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर में इस समय बाढ़ की स्थिति गंभीर है और आज ही एनडीआरएफ के दो दल वहां भेजे गए हैं। मोदी ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी तत्व मणिपुर की हिंसा को लेकर आग में घी डालने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें मैं आगाह करता हूं कि वे हरकतें बंद करें।

'विकास का नया अध्याय गढ़ेगा भारत', मोदी बोले- पिछले दस साल तो एपेटाइजर रहे, हमेन कोर्स तो अब शुरू हुआ है

नई दिल्ली:राज्यसभा में अपने संबोधन के दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ लोगों को ऑटो पायलट पर सरकार चलाने की आदत रही है, लेकिन हम परिश्रम में विश्वास रखते हैं। हम आने वाले सालों में विकास कार्यों की गति और विस्तार बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दस साल तो हमारे लिए एपेटाइजर रहे, हमेन कोर्स तो अब शुरू हुआ है। मोदी ने कहा कि हम भारत में विकास का नया अध्याय गढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एमएसपी समेत किसानों को लाभ पहुंचाने की दिशा में हमने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

विपक्ष पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने नॉर्थ ईस्ट को उसके हाल पर छोड़ दिया था। उन्होंने इस क्षेत्र की कभी परवाह नहीं की क्योंकि वहां उनके लिए किसी राजनीतिक प्रेरणा और लाभ की 'कमी' नहीं थी। लेकिन आज नॉर्थ ईस्ट पर पूरा ध्यान और प्राथमिकता दी जा रही है। हम नॉर्थ ईस्ट को देश के विकास का एक मजबूत और सशक्त 'इंजन' बना रहे हैं। मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई एक प्रकार से अंतिम चरण में है, आतंक के बचे हुए नेटवर्क को हम सख्ती से नेस्तनाबूद करने के लिए पूरी व्यूह रचना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मोदी ने कहा कि आतंकी घटनाओं में 10 साल में गिरावट आई है। आतंक और अलगाव खत्म हो रहा और इस लड़ाई में जम्मू-कश्मीर के नागरिक नेतृत्व कर रहे हैं। आज वहां टूरिज्म नए रिकॉर्ड बना रहा है, निवेश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बीते अनेक दशकों में बंद, हड़ताल, आतंकी धमकियां, इधर-उधर बम धमाकों की कोशिशें एक प्रकार से लोकतंत्र पर ग्रहण बनी हुई थी। इस बार लोगों ने संविधान पर अटूट विश्वास रखते हैं।

ब्रीफ न्यूज़

राहुल, पवार ने इंडिया गठबंधन को मजबूत करने के संबंध में चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और महाराष्ट्र के कुछ अन्य विपक्षी नेताओं से मुलाकात की और इंडिया गठबंधन को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। बैठक में संसद भवन परिसर में लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन को मजबूत करने के तरीकों और राज्य की राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की गई। महाराष्ट्र में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन को मजबूत करने के तरीकों और राज्य की राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा की गई। महाराष्ट्र में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है।भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की हिंदुओं पर की गई कथित विवादास्पद टिप्पणी की निंदा करते हुए मंगलवार को मध्य प्रदेश में प्रदर्शन किया।

Modi 3.0 की शपथ के बाद से गुलजार हो रहा शेयर बाजार, ढट मोदी बोले- दुनिया में पैदा हुआ उत्साह

एजेंसी

नई दिल्ली:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में विश्वास की राजनीति को चुनते हुए धोखे और प्रचार की राजनीति को खारिज कर दिया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने जवाब के दौरान प्रधानमंत्री ने राज्यसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें इन चुनावों में इस देश के लोगों की बुद्धिमत्ता और समझदारी पर गर्व है। उन्होंने दुष्प्रचार को हराया। उन्होंने प्रदर्शन को प्राथमिकता दी। उन्होंने धोखे की राजनीति को खारिज कर दिया और विश्वास की राजनीति पर जीत की मुहर लगा दी। शेयर बाजारों पर विचार करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि चुनाव परिणामों ने न केवल घरेलू पूंजी बाजारों को बढ़ावा दिया है, बल्कि दुनिया में उत्साह भी पैदा किया है। ऐसा तब हुआ जब निवेशकों ने मजबूत विश्वास और आर्थिक आशावाद के बीच बीएसई सेंसेक्स ने आज के सत्र में 80,000 की रिकॉर्ड ऊंचाई को छू लिया, जो तीन महीने से भी कम समय में 75,000 से बढ़ गया। 9 जून को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ समारोह के बाद रैली में महत्वपूर्ण गति आई जिसके बाद अगले ही दिन सेंसेक्स 77,000 अंक पर पहुंच गया सेंसेक्स का ऊपर की ओर बढ़ना 9 अप्रैल को शुरू हुआ जब बेंचमार्क इंडेक्स ने पहली बार 75,000 का आंकड़ा छुआ। इसके बाद 27 मई को यह लगातार चढ़ते हुए 76,000 अंक पर पहुंच गया। 10 जून को, 76,000 पर पहुंचने के एक महीने से भी कम समय के बाद, सेंसेक्स 77,000 अंक को पार करते हुए एक और ऊंचाई पर पहुंच गया। 25 जून को केवल 15 दिनों में, सूचकांक 78,000 अंक को पार कर गया और दो दिनों में 79,000 अंक तक पहुंच गया।

हाथरस में 121 से ज्यादा की मौत, फिर भी FIR 'भोले बाबा' का नाम नहीं, एफआईआर में कई बड़े खुलासे

एजेंसी

उत्तर प्रदेशःउत्तर प्रदेश पुलिस ने बुधवार, 3 जुलाई को हाथरस में धार्मिक मण्डली के आयोजकों के खिलाफ पहली सूचना रिपोर्ट दर्ज की, जहाँ भगदड़ के बाद कम से कम 121 लोगों की मौत हो गई। हालाँकि, एफआईआर में बाबा नारायण हरि, जिन्हें साकार विश्व हरि भोले बाबा के नाम से भी जाना जाता है, का नाम आरोपी के रूप में नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार देर रात सिकंदर राव पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में 'मुख्य सेवादार' (मुख्य आयोजक) देवप्रकाश मधुकर और अन्य आयोजकों का नाम लिया गया है।जानकारी के मुताबिक एफआईआर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा), 238 (सबूतों को गायब करना), के तहत दर्ज की गई है।

राज्य विभाजन संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए नायडू के बैठक के प्रस्ताव का स्वागत: रेड्डी

एजेंसी

आंध्र प्रदेश : आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री चार साल से अधिक समय बाद विभाजन के लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए यहां छह जुलाई को बैठक करने वाले है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को राज्य के विभाजन से जुड़े लंबित मुद्दों का हल करने के लिए आमने-सामने की बैठक करने के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के प्रस्ताव का स्वागत किया और उन्हें छह जुलाई को बातचीत के लिए आमंत्रित किया।नायडू को संबोधित एक पत्र में रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह दो तेलुगु भाषी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच एक बैठक के लिए नायडू के विचारों से पूरी तरह सहमत हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें तेलंगाना के सभी लोगों और उनकी सरकार की ओर से नायडू को हैदराबाद में महात्मा ज्योति राव फुले भवन में छह जुलाई की दोपहर बातचीत के लिए आमंत्रित करके खुशी हो रही है।

नीतीश ने हाथरस में सत्संग के दौरान भगदड़ मचने हुई लोगों की मौत पर संवेदना व्यक्त की

एजेंसी

पटना:बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तर प्रदेश के हाथरस में धार्मिक सत्संग के दौरान मची भगदड़ में बड़ी संख्या में हुई लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार नीतीश कुमार ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। उन्होंने दुख की इस घड़ी में मृतकों के शोक संतृप्त परिजनों को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है मुख्यमंत्री ने घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। तिरुवनंतपुरम से प्राप्त समाचार के अनुसार केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुएह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई दुखद भगदड़ से बहुत दुखी हूं, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हो गई। .. पीड़ित परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना है।चेन्नई से प्राप्त समाचार के अनुसार तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने हाथरस की घटना पर दुख जताया। राजभवन के आधिकारिक एक्स हैंडल पर रवि ने कहा, हाथरस में दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ में लोगों की मौत से बहुत दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

Corona के बाद Zika virus का बढ़ रहा खतरा, स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

नई दिल्ली:महाराष्ट्र में जीका वायरस के मामले सामने आने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को सभी राज्यों को एक एडवाइजरी जारी की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे गर्भवती महिलाओं में संक्रमण की जांच करके और जीका के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाली गर्भवती माताओं के भ्रूण के विकास की निगरानी करके निरंतर निगरानी बनाए रखें। इसमें कहा गया है कि राज्यों से जीका वायरस संक्रमण के लिए गर्भवती महिलाओं की जांच और जीका के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाली गर्भवती माताओं के भ्रूण के विकास की निगरानी के माध्यम से निरंतर निगरानी बनाए रखने का आग्रह किया गया। स्वास्थ्य सुविधाओं/अस्पतालों के परिसर को एडीज मच्छर मुक्त रखने के लिए निगरानी करने और कार्रवाई करने के लिए एक नोडल अधिकारी की पहचान की जाएगी। एडवाइजरी के मुताबिक राज्य आवासीय क्षेत्रों, कार्यस्थलों, स्कूलों, निर्माण स्थलों, संस्थानों और स्वास्थ्य सुविधाओं में कीटविज्ञान निगरानी को मजबूत करेंगे और वेक्टर नियंत्रण गतिविधियों को तेज करेंगे। इससे पहले नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी के निदेशक डॉ. नवीन कुमार ने नागरिकों से पुणे में जीका के मामलों से नहीं घबराने पर जोर दिया है।

बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने अयोध्या में उतारी पगड़ी, सरयू में डुबकी लगाकर तोड़ा प्रण!

एजेंसी

पटना:बिहार के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेता सम्राट चौधरी ने आखिरकार 22 महीने बाद अयोध्या में अपनी पगड़ी उतार दी। बुधवार की सुबह, उन्होंने सरयू नदी में डुबकी लगाई और प्रतीकात्मक रूप से अपनी पगड़ी भगवान श्री राम को समर्पित की, जिसे उन्होंने पिछले 22 महीनों से पहना था। इसके बाद, चौधरी के समर्थकों ने उत्साहपूर्वक "जय श्री राम" का नारा लगाना शुरू कर दिया। उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि उप मुख्यमंत्री ने श्रद्धापूर्वक अपनी पगड़ी भगवान श्री राम को समर्पित की है। चौधरी ने अयोध्या के हनुमान गढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 2022 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को छोड़कर महागठबंधन में शामिल होने के बाद, चौधरी ने पगड़ी पहनना शुरू कर दिया और कसम खाई कि वह पगड़ी को नीतीश को "गद्दी से हटाने" के बाद इसे उतार देंगे। चौधरी ने कहा कि यह सच है कि मैंने तब तक पगड़ी पहनने का वादा किया था जब तक कि मैं नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दे देता। लेकिन अब जब वह ईंडी-गठबंधन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापस आ गए हैं,।

हाथरस में घायलों का हाल जानने के बाद योगी ने कहा- किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा

एजेंसी

उत्तर प्रदेशःउत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज हाथरस पहुँच कर भगदड़ वाली घटना के स्थल का जायजा लिया और अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने हाथरस पहुँचते ही वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत कार्यों की समीक्षा भी की। हम आपको बता दें कि मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (आगरा) और अलीगढ़ मंडल आयुक्त की एक टीम गठित की है। टीम को जांच रिपोर्ट 24 घंटे के भीतर सौंपनी है। मुख्यमंत्री ने इस घटना के बाद कहा था कि हमारी सरकार इस घटना की तह में जाकर साजिशकर्ताओं और जिम्मेदारों को उचित सजा देने का काम करेगी। राज्य सरकार इस पूरी घटना की जांच करा रही है। हम इसकी तह में जाएंगे और देखेंगे कि यह हादसा है या साजिश। उन्होंने कहा था कि सरकार इस मामले में पहले से संवेदनशील है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।हम आपको बता दें कि मंगलवार को हुई भगदड़ की घटना में अब तक 121 लोगों की मौत की खबर है। इस बीच, हाथरस जिले के सिकंदराराऊ इलाके में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ के मामले में पुलिस ने ह्यमुख्य सेवादारह्न और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पोरा पुलिस चौकी के प्रभारी उप निरीक्षक बृजेश पांडे की तहरीर पर सिकंदराराऊ थाने में मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर और अन्य सेवादारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा), 238 (साक्ष्यों को मिटाना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

भ्रष्टाचार के बहाने विपक्ष पर मोदी का सीधा वार, AAP और Congress पर साधा निशाना, पूछा- सबूत सच्चे थे या झूठे?

संवाददाता

नई दिल्ली:राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा के जवाब में पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार के बहाने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा है। मोदी ने कहा कि विपक्ष के पास अप्राप्य दोहरे मानदंड हैं। एक तरफ तो दिल्ली में एक मंच पर बैठकर जांच एजेंसियों पर दोष मढ़ते हैं। दूसरी ओर, वे भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए रैलियां निकालते हैं। विपक्ष 'न्याय' की दुहाई देता है, लेकिन खुद पूरी तरह अन्याय और भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। मोदी ने कहा कि केंद्र की जांच एजेंसियों पर आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियों का सरकार दुरुपयोग कर रही है, ऐसा कहा ?गया है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि शराब घोटाला करे अअद, भ्रष्टाचार करे अअद, बच्चों के क्लासरूम बनाने में घोटाला करे अअद, पानी तक में घोटाला करे अअद... अअद को शिकायत करे कांग्रेस, अअद को कोर्ट तक घसीट कर ले जाए कांग्रेस और कार्रवाई हो तो गाली दें मोदी को। उन्होंने काह कि अब आपस में अअद और कांग्रेस साथी बन गए हैं। हिम्मत है तो अअद वाले कांग्रेस पार्टी से जवाब मांगे। कांग्रेस देश को बताए कि कांग्रेस ने प्रेस वार्ता करके अअद के घोटालों के इतने सारे सबूत देश के सामने रखे थे, वो सबूत सच्चे थे या झूठे थे ?प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई हमारे लिए मिशन है। ये हमारे लिए चुनाव में हार-जीत का विषय नहीं है। हमने 2014 में जब सरकार बनाई तब हमने कहा था कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए काम करेगी। हमारी सरकार भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करेगी, कालेधन पर वार करेगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हम गरीब कल्याण की योजनाएं चला रहे हैं। हमने कालेधन के खिलाफ कानून बनाया। हमने डीबीटी शुरू किया। हमने डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग किया। लीकेज दूर किया और आज एक नया पैसा लीक नहीं होता है। जब आम आदमी तक योजनाएं पहुंचती हैं, तब उसका लोकतंत्र में भरोसा बढ़ता है और इसी का परिणाम है कि तीसरी बार यहां बैठा हूं।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति एवं जल जीवन हरियाली अभियान से संबंधित जिला परामर्शदातृ समिति की बैठक

संवाददाता
शकील हैदर

सारण, छपरा, 3 जुलाई, 2024 माननीय मंत्री विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग सह प्रभारी मंत्री सारण जिला श्री सुमित कुमार की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति एवं जल जीवन हरियाली अभियान से संबंधित जिला परामर्शदातृ समिति की बैठक आहुत की गई।

सर्व प्रथम जिलाधिकारी ने सारण जिला के लिये आगामी एक वर्ष के लिये निर्धारित विकास से संबंधित कार्यों के प्राथमिकता/आवश्यकता के बारे में जानकारी दी।नल जल, सड़क निर्माण, सभी पंचायतों में खेल मैदान एवं स्पोर्ट्स क्लब के गठन की प्राथमिकता के बारे में जानकारी दी गई। छपरा में वर्तमान एयरपोर्ट के जीर्णोद्धार की योजना पर चर्चा की गई। नगर निगम क्षेत्र में मलिन बस्तियों के विकास एवं वेंडिंग जोन के विकास की आवश्यकता के बारे में बताया गया। बताया गया कि जिला में औद्योगिक विकास हेतु बियाडा के लिये 25-50 एकड़ जमीन चिन्हित करने हेतु पहल की जायेगी। जिला में विशेष भूमि सर्वेक्षण के कार्य जून 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पशु चिकित्सा के तहत डोर स्टेप सर्विस हेतु पहल की जायेगी। नगर निगम क्षेत्र के संदर्भ में बताया गया कि लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम की कार्य योजना को पूरा करने की आवश्यकता बताई गई। नगर निगम की महत्वपूर्ण 15 सड़कों को पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव विभाग को भेजा गया है। बिशनपुरा से ब्रह्मपुरा तक सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव विभाग को भेजा गया है। खैरा-बिंद टोलिया सड़क के विकास की आवश्यकता बताई गई, इससे छपरा रेलवे स्टेशन को दूसरी तरफ से भी सुगमता से जोड़ा जा सकेगा। इसी तरफ बस स्टैंड के निर्माण हेतु जिला परिषद की ओर से पहल की जा रही है। छपरा शहर से जल निकासी की स्थाई व्यवस्था हेतु नगर निगम एवं आस पास के पंचायतों के साथ बैठक कर कार्ययोजना तैयार कर अग्रेतर कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया गया। विगत दिसंबर माह में आहुत बैठक में उठाये गये मामलों के अनुपालन पर एक एक कर चर्चा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निदेश दिया गया। दाखिल खारिज के मामलों के निष्पादन की अंचलवार नियमित रूप से समीक्षा सुनिश्चित करने को कहा गया। सभी विद्यालयों के जमीन के अभिलेखों को एक महीने के अंदर संधारित करने का निदेश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया। इस संबंध में सभी अंचलाधिकारियों को भी आवश्यक कार्रवाई का निदेश दिया गया। समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि कुछ भूमिहीन विद्यालयों के लिये लोग जमीन दान करने के लिए इच्छुक हैं। जिलाधिकारी ने ऐसे सभी मामलों में प्राथमिकता देते हुए विधिवत जमीन का निबंधन सुनिश्चित कराने का निदेश शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को दिया। ग्रामीण सोलर लाइट के रख रखाव पर विशेष बल देने की आवश्यकता सदस्यों द्वारा बताई गई। नल जल योजना के संदर्भ में मरम्मती कार्य की तत्परता से कराने का निदेश कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को दिया गया। विधायक श्री कृष्ण कुमार सिंह ने विद्यालयों में आधार भूत संरचनाओं का कार्य प्राक्कलन के अनुरूप नहीं होने की शिकायत की। इस संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे मामलों की जिला स्तर से जाँच कराई जायेगी। विद्यालय विकास कोष एवं छात्र कोष की राशि का दुरुपयोग किये जाने की शिकायत के संदर्भ में दोनों कोष की राशि को संबंधित बैंक खाता में जमा कर विधिवत व्यय की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निदेश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया। इस संबंध में उन्हें सभी विद्यालयों की समीक्षा सुनिश्चित करने को कहा गया। गृह पंचायत से भिन्न नजदीकी विद्यालय में नामांकन के इच्छुक विद्यार्थियों के आवेदनों पर जिला शिक्षा पदाधिकारी को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्हें स्पष्ट रूप से कहा गया कि किसी भी परिस्थिति में किसी भी छात्र की पढ़ाई बाधित नहीं होनी चाहिए। एक सदस्य द्वारा बताया गया कि एक मामले में एक छात्र के ट्रांसफर सर्टिफिकेट पर जिला शिक्षा पदाधिकारी का ससमय प्रतिहस्ताक्षर नहीं होने के कारण उसका नामांकन नहीं हो सका। इस मामले की जाँच का निदेश सहायक समाहर्ता को दिया गया।

ब्रीफ न्यूज

एक पेड़ मां के नाम!

संवाददाता

पटना:विगत दिनों विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री @narendramodi जी ने एक पेड़ मां के नाम" के मुहिम की शुरूआत कर प्रकृति संरक्षण पर बल दिया था। आज राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी ने भी इस मुहिम में सम्मलित होकर अपने आवास पर अपनी मां के साथ पौधारोपण किया।

डीएम रिची पांडेय की अध्यक्षता में तकनीकी विभागों के अभियंताओं के साथ बैठक आहूत की गई।

संवाददाता

बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा स्वास्थ्य विभाग, पुल निर्माण,पथ निर्माण,बुडको, ब्रेडा,आर डब्लू डी, एन एच, पी एच ई डी,भवन प्रमंडल, विद्युत, एल ई ओ तथा अन्य विभागों की समीक्षा की गई।बैठक में निर्देश दिया गया कि सभी संबंधित विभाग कार्य की गुणवत्ता हर हाल में मेंटेन रखें साथ ही कार्य तय विशिष्टियों के अनुरूप हो। विभिन्न विभागों द्वारा सड़क एवं ब्रिज निर्माण से संबंधित योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। बैठक में उक्त विभागों से संबंधित परियोजनाओं हेतु भूमि की उपलब्धता, भूअर्जन कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि भूअर्जन के कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन शीघ्र हो सके। जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी तकनीकी विभाग सरकार की विकासात्मक योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर पूरी गंभीरता के साथ कार्य करें ताकि इसका लाभ आम लोगों को मिल सके उन्होंने कहा कि कार्य में कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो योजनाएं लंबित हैं उसका ससमय क्रियान्वयन करें। बैठक में डीआरडीए डायरेक्टर निशिकांत के साथ सभी तकनीकी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

ट्रक और बाइक के भिड़ंत मे बाइक सवार 26 वर्षीय युवक की मौत।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 3 जुलाई बुधवार।सिवान छपरा मुख्य मार्ग, एनएच 531 पर दुरौंधा थाना क्षेत्र के धनौती में सड़क दुघर्टना मे मौत हो गई।मृतक की पहचान महाराजगंज बाजार सिहौता निवासी संजय कुमार के 26 वर्षीय पुत्र विधान कुमार के रूप मे हुई है। बता दे की विधान कुमार किसी निजी काम से सिवान जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिसा से आ रही बेकाबू ट्रक ने रौंद दिया जिसे युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वही ट्रक चालक को दुरौंधा पुलीस गिरफ्तार कर करवाई कर रही है और लाश को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम करने हेतु सदर अस्पताल सिवान भेज दिया है।

आदर्श मध्य विद्यालय रतनपुरा की शिक्षिका राबेआ खातून का विदाई सह सम्मान समारोह किया गया

संवाददाता

आदर्श मध्य विद्यालय रतनपुरा की शिक्षिका राबेआ खातून का विदाई सह सम्मान समारोह किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रधानाध्यापक सुरेंद्र कुमार सिंह ने किया ,संचालन अजीत सिंह ने किया।
इस अवसर पर प्रदेश जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष नजमुल होदा जी ,जदयू महिला जिला अध्यक्ष कुसुम देवी, सेंट्रल बैंक मैनेजर से सेवानिवृत्ति शमी उज्जमान जी,अजीत सिंह ,शीला कुमारी, आनंद जी, विद्यालय के शिक्षक संतोष सिंह ,अरविंद कुमार सिंह ,संतोष ठाकुर ,अमरदीप, मनोरंजन कुमार , शहनाज खातून, विमला कुमारी, वीणा देवी,सितारा जबी,स्वरूपम कुमारी, पुष्पांजलि कुमारी ,हिना परवीन, सबीना आदि ने अपने बातों को रखें और बोले कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता है ।जीवन भर सेवा देते रहता है।

सेवानिवृत शिक्षक को सम्मान पूर्वक दी गई बिदाई

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 3 जुलाई बुधवार। दुरौंधा प्रखण्ड अंतर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालय सवान विग्रह मे कार्यरत शिक्षक श्री केशव कुमार गिरि 30 जून को सेवानिवृत हुए। जिसके उपलक्ष मे आज उच्च माध्यमिक विद्यालय सवान विग्रह के सभी सम्मानित शिक्षक गण विदाई सह सम्मानित समारोह विधालय के वरीय शिक्षक श्री दूधनाथ साह के अध्यक्षता मे आयोजित कर शिक्षक श्री केशव कुमार गिरि को शारधा सुमन अर्पित कर विदाई दी जिसमे विद्यालय के अध्यक्ष श्री उपेन्द्र सिंह, सचिव शायदा बीबी, सदस्य वीरेन्द्र प्रसाद, व मुख्य अतिथि शिक्षक, श्री हरिहर नाथ पणित, श्री किताबुद्दीन अंसारी, श्री तारकेश्वर गुप्ता रहे। उक्त सभी लोगो ने श्री केशव कुमार गिरि के विद्यालय मे किए गए कार्य और उनके व्यक्तित्व पर बारी बारी से प्रकाश डाला। और बताया श्री केशव कुमार गिरि एक अच्छे स्वभाव, के व्यक्ति है इनकी कमी हम लोगो के बीच हमेशा महसूस होती रहेगी। इनकी कमी की भरपाई कभी नहीं हो सकती है।

विद्यालय सवान विग्रह मे कार्यरत शिक्षक श्री केशव कुमार गिरि 30 जून को सेवानिवृत हुए। जिसके उपलक्ष मे आज उच्च माध्यमिक विद्यालय सवान विग्रह के सभी सम्मानित शिक्षक गण विदाई सह सम्मानित समारोह विधालय के वरीय शिक्षक श्री दूधनाथ साह के अध्यक्षता मे आयोजित कर शिक्षक श्री केशव कुमार गिरि को शारधा सुमन अर्पित कर विदाई दी। जिसमे विद्यालय के अध्यक्ष श्री उपेन्द्र सिंह, सचिव शायदा बीबी, सदस्य वीरेन्द्र प्रसाद, व मुख्य अतिथि शिक्षक, श्री हरिहर नाथ पणित, श्री किताबुद्दीन अंसारी, श्री तारकेश्वर गुप्ता रहे।

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पद त्याग करना चाहिए, पगड़ी नहीं: राजेश राठौड़

संवाददाता

पटना. बुधवार, 3 जुलाई, 2024 बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के द्वारा अयोध्या में श्रीराम के दर्शन के उपरांत अपने बाल और पगड़ी को अर्पित करने पर कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि माननीय उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अधूरे संकल्प के साथ अपनी पगड़ी और बाल नहीं उतारनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री के साथ वें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व में भी हैं तो इस पगड़ी और बाल का मतलब यह है कि आगामी विधान सभा चुनाव में भी भाजपा बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पिछलग्गू बनी रहेगी और उनके सामने अपने कार्यकताओं का मान सम्मान और प्रतिज्ञा सब उतार कर यूं ही अर्पित करती रहेगी।कांग्रेस के

मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा है कि उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को उनके संकल्प के लिए जितनी वाहवाही उनके दल के नेता और कार्यकर्ता दिए थे वो आज खुद को ठगा महसूस कर रहे है कि आखिर जब उनके शीर्ष नेता ही यूं आत्म समर्पण की भूमिका में रहेंगे तो उनके हालात को कौन देखेगा।उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मां के श्राद्ध में प्रतिज्ञा लिया था कि वें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सत्ता से हटाकर पगड़ी उतारेंगे लेकिन आज उन्होंने मां के श्राद्ध की प्रतिज्ञा, पिता का सम्मान, सम्राट अशोक की गरिमा और बिहार भाजपा के कार्यकताओं को बिना अपनी प्रतिज्ञा पूरी किए पगड़ी उतार कर अपमानित करने का काम किया है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने न केवल उनकी पगड़ी उतरवाई बल्कि अपना डिप्टी बनाकर उन्हें स्टेपनी भी बनाया और पगड़ी के साथ बाल दाढ़ी उतरवाकर पूरे बिहार में घुमाने का काम करेंगे। यह भाजपा की नैतिक हार है।बिहार में भाजपा ने यह साबित कर दिया कि उसे अपने कार्यकताओं के सम्मान का कोई ख्याल नहीं है केवल सत्ता और पद के लिए वो अपने अध्यक्ष तक के पगड़ी को उतरवा दे रही है

टास्क टीम/वाराणसी मंडल और रारेपु छपरा द्वारा 03 अंतर्जनपदीय अपराधियों की गिरफ्तारी व चोरित सामान की बरामदगी तथा नए भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता कानून के तहत कार्यवाही

संवाददाता

पटना:सादर अवगत कराना है कि वमसुआ/वाराणसी महोदय के निर्देशानुसार ससुआ/छपरा महोदय द्वारा गठित टास्क टीम और रारेपु छपरा स्टाफ द्वारा प्रभारी निरीक्षक/रेसुबल पोस्ट छपरा के निर्देशन में दिनांक 02.07.24 को निगरानी के दौरान 03 व्यक्तियों को छपरा रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म संख्या 01 पश्चिमी तरफ पुराने मालगोदम के सामने से समय लगभग 16.20 बजे चोरी किए गए 01 श्क्वरड, 01 पीं, 01 डढडड, 01 रेंश्वर्ल्ल, 01 खक्क मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि पकड़े गए अपराधियों द्वारा बरामद मोबाइल को रेलयात्रियों चोरी किया गया था। पकड़े गए (1) मनोज तिवारी द्वारा दिनांक 21/22.06.24 की रात्रि में वळर हॉल में सोई महिला यात्री और (2) सुनील बांसफोर द्वारा दिनांक 01/02.07.24 की रात्रि में प्लेटफार्म नंबर 01 पर सोए हुए यात्री से पूर्व में छपरा जंक्शन स्टेशन पर चोरी करने की घटना का उळ्ळश ड्ढ्ढरी साथ प्रेषित है, जिसके आधार पर अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। मौके की कार्यवाही के पश्चात पकड़े गए तीनों अभियुक्तों को अग्रिम कार्यवाही हेतु जीआरपी छपरा को सुपुर्द किया गया, जहां नए भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया।

??अपराध का तरीका- सिवान - छपरा- बलिया रेलखंड, रेलवे स्टेशन और गाड़ियों में रेलयात्रियों के कीमती सामानों, गहने, मोबाइल आदि की चोरी करना।

??गिरफ्तार अभियुक्तगण का नामपता विवरण- (1) प्रिंस पटेल उर्फ श्रवण कुमार पुत्र स्व कन्हैया पटेल, निवासी वार्ड नं 03 चैन पट्टियां रुस्तम बेरी मोहल्ला, थाना टाउन, जिला बेतिया, उम्र 20 वर्ष

(2) मनोज तिवारी पुत्र प्रभुनाथ तिवारी, निवासी मंगोलापुर मठिया, थाना जलालपुर, जिला सारण, उम्र 33 वर्ष

(3) सुनील बांसफोर पुत्र सोना बांसफोर, निवासी वार्ड नं 05 बिजुली हाता, थाना मुफस्सिल, जिला सिवान, उम्र 22 वर्ष

भाजयुमो ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया

संवाददाता

पटना:भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यकताओं ने इनकम टैक्स गोलंबर पर राहुल गांधी द्वारा संसद भवन में हिंदू समाज और सनातन धर्म के खिलाफ दिए गए अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। इस मौके पर भाजयुमो प्रदेश महामंत्री सीमांत शेखर ने बताया कि लोकतंत्र के मंदिर में बहुसंख्यक समाज के खिलाफ किए गए अपमानजनक टिप्पणी बेहद निंदनीय है। हिंदू समाज सर्वधर्म समभाव को मानती है परंतु कांग्रेस द्वारा लगातार हिंदू समाज के विरोध दिए जा रहे अपमानजनक टिप्पणी से हिंदू समाज बहुत आहत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन्होंने समूचे देश के हिन्दू समाज का अपमान किया है। उनके वक्तव्य की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। यह केवल हिन्दू समाज का अपमान नहीं, तो समूचे

भारत की संस्कृति और सनातन धर्म का भी अपमान है।हिंदू समाज के खिलाफ दिए गए अमर्यादित टिप्पणी के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए।

भाजयुमो प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवम सिंह ने कहा कि धर्म और जाति के नाम पर देश को बाँटने वाली कांग्रेस का निशाना शुरू से ही हिंदू धर्म रहा है। चुनाव के दौरान हिंदू होने का नाटक करने वाले राहुल की हिंदू विरोधी सच्चाई देश के सामने है। एक्सीडेंटल हिंदू' राहुल गांधी को हिंदू होने पर शर्म है। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए उनका सदन में यह कहना कि 'हिंदू हिंसा करते हैं'।

नव नियुक्त सर्वेक्षण कर्मियों को मंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र दिया गया

सेवा भावना से अपने दायित्वों का पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ निर्वहन करें- प्रभारी मंत्री

संवाददाता
कफील एकबाल

पटना:मोतिहारी 3 जुलाई राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग तथा भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय बिहार सरकार द्वारा नवनियुक्त सर्वेक्षण कर्मियों के नियोजन पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया । उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री बिहार श्री नीतीश कुमार द्वारा राजधानी पटना में किया गया और वर्चुअल माध्यम में से बिहार के सभी जिलों में कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। पूर्वी चंपारण जिला में जिला के प्रभारी मंत्री द्वारा जिला के लिए चयनित अभ्यर्थियों को नियोजन पत्र का वितरण किया गया । पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में नियोजन पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जिला के अंतर्गत कुल 356 अभ्यर्थियों के नियोजन पत्र का वितरण हुआ । इसमें विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी के21, विशेष सर्वेक्षण कानूनगो के 42, विशेष सर्वेक्षण अमीन के 248 तथा विशेष सर्वेक्षण लिपिक के 45 अभ्यर्थी शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर माननीय शिक्षा मंत्री बिहार सरकार सह प्रभारी मंत्री पूर्वी चंपारण जिला श्री सुनील कुमार, माननीय विधायक श्रीमती शालिनी मिश्र एवं श्री पवन जयसवाल के द्वारा नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया।

इस अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री के द्वारा नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी अभ्यर्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।

इस अवसर पर माननीय मंत्री ने कहा कि सभी अभ्यर्थी अपनी क्षमता और ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पूरी निष्ठा के साथ सर्वेक्षण के कार्यों को संपादित करेंगे एवं दिए गए अवधि में सभी कार्यों को पूरी निष्ठा एवं निष्पक्षता के साथ पूर्ण करेंगे।

माननीय मंत्री ने कहा कि बिहार में भूमि विवाद के मामले काफी बढ़ गए थे इसको लेकर भूमि का सर्वेक्षण करना जरूरी हो गया था।

संघर्षशील व्यक्तित्व कामरेड गंभीरा प्रसाद साह का 48 वा शहादत दिवस एवं जनसभा आयोजित

संवाददाता
कफील एकबाल

पटना:मोतिहारी 3 जुलाई छौड़ादानो आदापुर के संघर्षशील व्यक्तित्व गंभीरा साह का शहादत दिवस बडे ही गर्मजोशी एवं संकल्पो के साथ मनाया गया।भाकपा माले द्वारा आयोजित समारोह मे माले नेताओ ने घोषणा की किदेश के संविधान, लोकतंत्र व आरक्षण के लिए लड़ाई जारी रहेगी,बदलाव की लड़ाई के नायक गम्भीरा प्रसाद हमारी स्मृति में बने रहेंगे !आज छौड़ादानो अंचल अंतर्गत महुआवा/गम्भीरा चौक पर भाकपा माले के कार्यकर्ताओ - समर्थकों और गणमान्य लोगों ने शहीद कॉमरेड गमभीरा प्रसाद का 48 वा शहादत दिवस मनाया! रूपलाल शर्मा के अध्यक्षा में जनसभा की गई !जनसभा में शामिल मजदूरों-किसानों-नौजवानों को संबोधित करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव प्रभुदेव यादव ने कहा- शहीद गम्भीरा प्रसाद के शहादत का सम्मान करते हैं !देश जनता के लिए अनकी सामाजिक बदलाव की

अरमानो को मंजिल तक पहुंचाने और लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण बचाने का संकल्प लेते हैं !केंद्र के मोदी सरकार द्वारा देश को पुलिस राज में तब्दील करने की साजिश के खिलाफ संसद सत्र के दौरान माले के सांसद लोहा ले रहे है उनका स्वागत करते हैं, मोदी सरकार की जनविरोधी नये कानूनो के खिलाफ चम्पारण में माले कार्यकर्ता सड़को पर संघर्षों में अगली पंक्ति रहेंगे !महंगाई और बेरोजगारी से लोग त्राहिमाम हैं, इसके लिए गैर जिम्मेवार मोदी सरकार की कड़ी निन्दा करते हैं !गांव -गांव में गरीब जनता की दुख' दर्द को सुनने और सामंती सांप्रदायिक उन्मादी ताकतों के खिलाफ विरोध जारी रखने का आह्वान करते हैं !

सम्बोधित करने वालो में-भाकपा माले के नेता उपेंद्र सहनी, जीतलाल सहनी, दिनेश्वर सिंह, मनोज कुमार सिंह, मनोज मिश्र, अतिउल्लाह मियां, राजकुमार शर्मा, मुनीराम, सिन्धू देवी, गम्भीरा प्रसाद के भाई नन्दलाल प्रसाद, पूर्व मुखिया देवेंद्र यादव और बीआईपी के अंचल सचिव शामिल थे !

प्रभु श्रीराम के चरणों में मुरेठा समर्पित कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार में भाजपा एवं एनडीए की जीत के लिये किया प्रार्थना

संवाददाता

- सरयू में स्नान के उपरांत पैदल जाकर हनुमान गढ़ी और रामगढ़ी में किया श्री हनुमान व प्रभु श्रीराम का दर्शन
- नवनिर्मित भव्य मंदिर में प्रभु श्रीराम का पूजन–दर्शन कर बिहार की खुशहाली के लिए की प्रार्थना

पटना, 03.07.2024 भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को प्रभु श्रीराम के चरणों में अपने संकल्पित मुरेठा को समर्पित कर बिहार की खुशहाली व समृद्धि की प्रार्थना की। इस मौके पर श्री चौधरी ने आगमी विधान सभा चुनाव में भाजपा एवं एनडीए को जनता का आशीर्वाद हासिल कर शानदार जीत दिलाने के लिए किया प्रार्थना।श्री चौधरी ने सुबह मुंडन करा कर पवित्र सरयू में स्नान के उपरांत सरयू तट से पैदल ही हनुमानगढ़ी और रामगढ़ी जा कर श्री हनुमानजी व प्रभु श्रीराम का दर्शन किया।उसके बाद सामान्य द्वार से नवनिर्मित भव्य श्रीराम मंदिर जा कर उन्होंने अपने मुरेठा को प्रभु श्रीराम के चरणों में अर्पित कर दिया।विगत 22 महीने से श्री चौधरी ने अपने सिर पर मुरेठा बांध कर बिहार को जंगलराज वाले लुटेरों को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया हुआ था।इसी साल की 28 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे और महागठबंधन से नाता तोड़ने के बाद श्री चौधरी का संकल्प पूरा हुआ। उसी दौरान उन्होंने घोषणा की थी कि वे अयोध्या धाम जाकर प्रभु श्रीराम के चरणों में अपने मुरेठा का समर्पित करेंगे मंगलवार को श्री चौधरी सड़क मार्ग से अपने अनेक सहयोगी मंत्रियों, विधायकों, नेताओं व पार्टी के पदाधिकारियों, हजारों कार्यकर्ताओं के साथ अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किए थे।उनके साथ करीब चार सौ गाड़ियों का काफिला था।मुरेठा समर्पित करने के बाद श्री चौधरी ने भगवान श्री राम से प्रार्थना किया कि आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में वे जनता का आशीर्वाद हासिल कर भाजपा को शानदार जीत दिलायेंगे।प्रभु श्रीराम से उन्होंने 14 करोड़ बिहारवासियों की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की। श्री चौधरी ने कहा कि आज नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन की सरकार चल रही है। न्याय के साथ विकास की राह पर सरकार आगे बढ़ रहा है। बिहार में सुशासन व कानून का राज स्थापित रखना सरकार का मूल ध्येय है। सरकार अपने तमाम वायदों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तत्पर है।

नए आपराधिक कानून लागू: 01/07/2024 से आईपीसी, सीआरपीसी, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली जाएगी आपराधिक कानूने सीआरपीसी

संवाददाता
राजनामा ईन्डो गल्फ

- भारतीय साक्ष्य अधिनियम आईपीसी न्यायिक अधिकारी कानून कानून लागू करने वाली एजेंसियां ?? कानूनी दिग्गज कानूनी पेशेवर कानूनी प्रणाली नए आपराधिक कानून संसद,
- देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने वाले एक कदम के तहत, तीन नए आपराधिक कानून , 01 जुलाई से लागू हो गए हैं। पिछले दिसंबर में संसद में पारित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) क्रमश: भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860, आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान लेंगे।
- तीन नए आपराधिक कानूनों में समकालीन समय और प्रचलित तकनीकों के अनुरूप कई नए प्रावधान शामिल किए गए हैं। तीनों नए कानूनों को 21 दिसंबर, 2023 को संसद की मंजूरी मिली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर, 2023 को अपनी स्वीकृति दी और उसी दिन आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित किया गया।
- अधिसूचना के अनुसार, तीनों कानून सजा के बजाय न्याय पर ध्यान केंद्रित करेंगे और इनका उद्देश्य त्वरित न्याय प्रदान करना, न्यायिक और न्यायालय प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना तथा 'सभी के लिए न्याय तक पहुंच' पर जोर देना है।
- भारतीय न्याय संहिता में 358 धाराएँ होंगी (आईपीसी में 511 धाराओं के बजाय)। विधेयक में कुल 20 नए अपराध जोड़े गए हैं, और उनमें से 33 के लिए कारावास की सजा बढ़ा दी गई है।
- 83 अपराधों में जुर्माने की राशि बढ़ा दी गई है और 23 अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा की शुरूआत की गई है। छह अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा का दंड पेश किया गया है और 19 धाराओं को विधेयक से हटा दिया गया है।
- भारतीय न्याय संहिता ने यौन अपराधों से निपटने के लिए 'महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध' शीर्षक से एक नया अध्याय शुरू किया है। नाबालिग महिला के साथ सामूहिक बलात्कार से संबंधित प्रावधान यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (ढडउरड) के अनुरूप हो जाएंगे, और 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के मामले में आजीवन कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है।
- संहिता में सामूहिक बलात्कार के सभी मामलों में 20 साल की कैद या आजीवन कारावास का प्रावधान है और 18 वर्ष से कम उम्र की महिला के साथ सामूहिक बलात्कार को अपराध की नई श्रेणी में रखा गया है। संहिता में धोखाधड़ी से यौन संबंध बनाने या बिना शादी करने के वास्तविक इरादे के शादी का वादा करने वाले व्यक्तियों के लिए लक्षित दंड का प्रावधान है।
- भारतीय न्याय संहिता में पहली बार आतंकवाद को परिभाषित किया गया है तथा इसे दंडनीय अपराध बनाया गया है।
- नए प्रावधानों में सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियाँ, अलगाववादी गतिविधियाँ या भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरा पैदा करने वाली कोई भी गतिविधि शामिल है। छोटे संगठित अपराधों को भी अपराध माना गया है, जिसके लिए सात साल तक की सजा हो सकती है।
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएँ होंगी (सीआरपीसी की 484 धाराओं के स्थान पर)। विधेयक में कुल 177 प्रावधानों में बदलाव किया गया है, तथा इसमें नौ नई धाराएँ और 39 नई उप-धाराएँ जोड़ी गई हैं। मसौदा अधिनियम में 44 नए प्रावधान और स्पष्टीकरण जोड़े गए हैं। 35 धाराओं में समय-सीमाएँ जोड़ी गई हैं और 35 स्थानों पर ऑडियो-वीडियो प्रावधान जोड़ा गया है। संहिता में कुल 14 धाराओं को निरस्त और हटाया गया है।
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की 35 धाराओं में समयसीमा जोड़ी गई है, जिससे न्याय की गति को तेज किया जा सकेगा। विधेयक में आपराधिक कार्यवाही शुरू करने, गिरफ्तारी, जांच, आरोप पत्र, मजिस्ट्रेट के समक्ष कार्यवाही, संज्ञान, आरोप, दलील सौदेबाजी, सहायक लोक अभियोजक की नियुक्ति, मुकदमा, जमानत, निर्णय और सजा तथा दया याचिका के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है।
- भारतीय साक्षरता अधिनियम में मूल 167 प्रावधानों के स्थान पर 170 प्रावधान होंगे तथा कुल 24 प्रावधानों में परिवर्तन किया गया है। दो नये प्रावधान तथा छ: उप-प्रावधान जोड़े गए हैं तथा अधिनियम में छ: प्रावधानों को निरस्त या हटा दिया गया है।
- नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन से 'तारीख पे तारीख' युग का अंत हो जाएगा और तीन साल में न्याय दिया जाएगा, जैसा कि पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बताया था।
- आपराधिक न्याय प्रणाली के तीनों कानूनों में सुधार की यह प्रक्रिया 2019 में शुरू की गई थी और इस संबंध में विभिन्न हितधारकों से 3,200 सुझाव प्राप्त हुए थे।
- 29 जून को तीन नए कानूनों पर बोलते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ब्रिटिश काल के तीन कानून जो भारतीय न्यायिक प्रणाली को नियंत्रित कर रहे थे, उन्हें त्वरित न्याय देने की अवधारणा पर बदल दिया गया है।
- पुलिस की जवाबदेही में इजाफा
- 1, सर्च और जप्ती में वीडियो ग्राफी अनिवार्य,
- 2, गिरफ्तार व्यक्तियों की सूचना देना अनिवार्य,
- 3, 3 वर्ष से कम करवास /60 वर्ष से अधिक उम्र में पुलिस अधिकारी की पूर्व अनुमति अनिवार्य,
- 4, गिरफ्तार व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना होगा,
- 5, 20 से अधिक ऐसी धाराएं हैं जिसे पुलिस की जवाब देही सुनिश्चित होगी,
- 6, पहली बार पार्लियामेंट्री इंक्वारी का प्रावधान करा गया,
- राजद्रोह को हटाना और देशद्रोह की व्याख्या

1, गुलामी की सभी निशानियों का समाप्त करना,
- 2, अंग्रेजों का राजद्रोह कानून राज्यों (देश) के लिए नहीं बल्कि शासन के लिए था,
- 3, राजद्रोह जड़ से समाप्त,
- 4, लेकिन, देश विरोधी हरकतों के लिए कठोर सजा,

5, भारत की संप्रभुता और अखंडता अकेली के खिलाफ कार्य पर 7 साल तक या आजीवन कारावास,

विक्टिम सैंट्रिक कानून

1,विक्टिम–सैंट्रिक कानून के तीन प्रमुख फीचर्स,
1,विक्टिम को अपनी बात रखने का मौका,
2, इंफॉर्मेशन का अधिकार और
3,नुकसान के लिए छतिपूर्ति का अधिकार,
1,जीरो J१ दर्ज करने को किया संस्थागत,
2, अब J१ कहीं भी दर्ज कर सकते हैं,
3, विक्टिम को J१ की एक प्रती नि०शुल्क प्राप्त करने का अधिकार,
4, 90 दिनों के भीतर जांच ने प्रगति की जानकारी,

- मॉब लिंचिंग

1, पहली बार मॉब लिंचिंग को परिभाषित किया गया,
2, नस्ल /जाति /समुदाय ,लिंग ,जन्म स्थान, भाषा भाषा आदि से प्रेरित हत्या /गंभीर चोट मॉब लिंचिंग,
3, सात वर्ष की कैद का प्रावधान,
4, स्थाई विकलांगता 10 वर्ष की सजा आजीवन खरवास,

- फॉरेनसिक को बढ़ाव

1, फॉरेनसिक अनिवार्य साथ वर्ष या अधिक की सजा वाले सभी अपराध,
2, इंवेस्टिगेशन में साइंटिफिक पद्धति को बढ़ावा,
3, कनवेंकशन रेट में 90 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य,
4, सभी राज्यों /संघ राज्यों में फॉरेंसिक अनिवार्य,
5, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर पांच वर्ष में तैयार होगा,
6, मैन पावर के लिए राज्यों में ऋब शुरू करना,
7, फॉरेनसिक के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए जगह जगह लैब बनाना,

- तकलीफ का उपयोग

1, विश्व की सबसे आधुनिक नयाय प्राणली बनानी हैं,
2, 50 साल तक आने वाली सभी आधुनिक तकनीकी इसमें समाहित हो सकेगी,
3, उद्देस४३।१९३ब्रल्ल : पुलिस इन्वेस्टीगेशन से लेकर कोर्ट तक की प्रकिया,
4, ए-
5, जीरो J१,ए– J१ चार्जशीट डिजिटल होगी,
6, 90 दिनों में मिलेगी पीड़ित को जानकारी,
7, फॉरेंसिक अनिवॉर 7 वर्ष या अधिक की सजा वाले मामले में,
8, गवाहों की रिकॉर्डिंग जांच पड़ताल में गवाहों की रिकॉर्डिंग को अनुमति,
9, वीडियो ग्राफी अनिवार्य - पुलिस सर्च की पूरी प्रक्रिया के वीडियोग्राफी,
10, ए– बयान : बलात्कार पीड़िता के लिए ए– बयान,
11, कोर्ट में ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग प्रस्तुत की जाएगी,
12, ए– पेशी : गवाहों ,आरोपियों, विशेषज्ञों और पीड़ित को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पेशी,

- महिलाओं और बच्चों के अपराध

1, प्राथमिकता :महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराध (पहले खजाने की लूट थी)
2,इठर में महिलाओं व बच्चों के प्रती अपराध पर नया अध्याय,
3, महिलाओं व बच्चों के अपराध से संबंधित 35 धाराएं हैं जिनमें लगभग 13 नए प्रावधान है और बाकी मे कुछ संशोधन,
4, गैंगरेप :– 20 साल की सजा आजीवन कारावास,
5, नाबालिक के साथ सामूहिक बलात्कार :– मौत की सजा आजीवन कारावास,
6, झूठा वादा पहचान छिपाकर यौन संबंध बनाना अब अपराध है,
7, पीड़िता का बयान उसके आवास पर महिला अधिकारी के सामने ही रिकॉर्ड,
8,पीड़िता के अभिभावक की उपस्तिथि में होगा बयान दर्ज,

- नए अपराधिक कानून दंड नहीं ,नयाये केंद्रित,

1,सामुदायिक सजा :– छोटे अपराध में,
2, भारतीय नयाय दर्शन के अनुरूप,
3, ?5000 से कम मूल्य की चोरी पर कम्युनिटी सर्विसज का प्रावधान,
4,6 अपराधों में कम्युनिटी सर्विसेज को समाहित किया गया,

- समय पर न्याय

1, समय सीमा निर्धारित हमारा प्रयास रहेगा कि 3 साल में मिल जाए न्याय,
2, तारिख पर तारीख से मिलेगी मुक्ति,
3, 35 सेक्शनो टाइमलाइन जोड़ी गई,
4, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से शिकायत देने पर 3 दिन में शिकायत दर्ज,
5, यौन उत्पीड़न में जांच रिपोर्ट 7 दिन के भीतर भेजनी होगी,
6, पहली सुनवाई के साथ दिनों के भीतर आरोप तय होंगे,
7, घोषित अपराधियों के खिलाफ अनु उपस्तिथि की स्तिथि में 90 दिनों के भीतर मुकदमा,
8, अपराधिक मामलों में मुकदमे की सहमति के 45 दिनों के अंदर निर्णय देना होगा,

- नए आपराधिक कानून लागू: 01/07/2024 से आईपीसी, सीआरपीसी, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली जाएगी
- आपराधिक कानूने सीआरपीसी

- भारतीय साक्ष्य अधिनियम आईपीसी न्यायिक अधिकारी कानून कानून लागू करने वाली एजेंसियां ?? कानूनी दिग्गज कानूनी पेशेवर कानूनी प्रणाली नए आपराधिक कानून संसद,
- देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने वाले एक कदम के तहत, तीन नए आपराधिक कानून , 01 जुलाई से लागू हो गए हैं। पिछले दिसंबर में संसद में पारित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) क्रमश: भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860, आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान लेंगे।

समस्तीपुर में 11 दिन पहले मिला था अधजला शव

लड़का नशे में माता-पिता के साथ करता था मारपीट

समस्तीपुर। में 21 जून शुक्रवार को एक युवक का अधजला शव मिला था। युवक की हत्या किए जाने के बाद पहचान छुपाने के लिए उसके शव को जलाया गया था। अब इस मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए पिता, भाई और चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। घटना मोहनपुर थाना क्षेत्र के गंगा के कछार की है। शव मोहनपुर जलालपुर के सुबेन्द्र राय के बेटे कंचन कुमार उर्फ राजेश की है। कंचन की हत्या उसके भाई मिथलेश, पिता सुबेन्दर राय और चाचा सुरेंद्र राय ने मिलकर की थी। शव की पहचान नहीं हो इसलिए

उसे गंगा के कछार में फेंक कर आग भी लगा दिया था। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने मृतक कंचन के भाई मिथिलेश कुमार और उसके चाचा सुरेंद्र राव को गिरफ्तार कर लिया है। अब दोनों को जेल भेजा जा रहा है। वहीं, मृतक के पिता घर छोड़ फरार है। बताया गया है कि कंचन नशे का आदी था। अक्सर नशे की हालत में घर आकर अपने मां-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट किया करता था। इससे परेशान होकर लोगों ने उसकी हत्या की। पटोरी के DSP बाँके मेधावी ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन किया। इसमें जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 21 जून को मोहनपुर थाना क्षेत्र के गंगा दियारे के चपरा गांव स्थित गंगा नदी के कछार में अध जला शव मिला था। पहले इस शव की पहचान वैशाली के गंगा ब्रिज थाना के आमोद राय के बेटे सनी कुमार के रूप में की गई। आमोद उक्त शव को लेकर अंतिम संस्कार के लिए चले भी गए। हालांकि, बाद में गंगा ब्रिज थाना पुलिस ने सनी कुमार को जीवित बरामद किया। इसके बाद इस मामले में नए सिरे से जांच शुरू की गई। मानवीय और तकनीकी आधार पर इस मामले में जांच शुरू की गई। DSP ने आगे बताया कि जांच के दौरान यह बात सामने आई की शव मोहनपुर थाना क्षेत्र के ही जलालपुर गांव के सुबेन्दर राय के बेटे कंचन कुमार का है। जब इस मामले में कंचन के भाई मिथिलेश कुमार और उसके चाचा सुरेंद्र राय को पकड़ कर थाना लाया गया। पूछताछ शुरू की गई तो मिथिलेश ने स्वीकार किया कि उसका भाई कंचन नशे का आदी था। अक्सर नशे की हालत में घर लौटता था। मां-पिता के अलावा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट कर घायल कर देता था। यह सिलसिला कई सालों से चल रहा था। इससे परेशान होकर उसने अपने पिता और चाचा के सहयोग से रस्सी से गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। शव की पहचान न हो इसके लिए वह बाइक पर ले जाकर उसे गंगा के कछार में फेंक दिया और उसमें आग लगा दी।

पटना में विजय सिन्हा बोले- शहाबुद्दीन का चेला मारा गया अपराधियों को उनकी भाषा में जवाब देंगे

पटना। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने बिहार में बढ़ते अपराध पर तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी जो भाषा समझेंगे उसी भाषा में अब कार्रवाई होगी। सीएम नीतीश के नेतृत्व में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आज शहाबुद्दीन गैंग के गुर्गे सुमित का एनकाउंटर किया गया है। एसटीएफ ने सुमित का एनकाउंटर किया है। मुजफ्फरपुर के बैंक लुटेरों का भी एनकाउंटर किया गया है। यूपी में एनकाउंटर मॉडल बाद में आया। बिहार में एनकाउंटर मॉडल 2005 से है। यूपी में राम है तो बिहार में जानकी है। विजय सिन्हा ने राहुल गांधी के बयान पर जमकर हमला बोला। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सोने की चम्मच लेकर पैदा लेने वाले आज झूठ बोल रहे हैं। संसद में अपने पहले भाषण में झूठ और गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है। ऐसे लोगों को पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। साथ ही राहुल के मटन खाने पर भी सवाल कर कहा कि सावन में मटन खाकर क्या संदेश देना चाहते हैं आगे उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदू और सनातन का अपमान किया है, राहुल गांधी राम को मानने वालों को हिंसक बता रहे हैं, गांधी का भी अंतिम शब्द ही राम था। वो राम पर सवाल खड़ा करने वालों के साथ खड़े हैं, पहले नेहरू ने हिंदू के साथ खिलवाड़ किया, इंदिरा और राजीव गांधी ने भी हिंदुओं का अपमान किया, इनके मन से इटालियन संस्कृति जा नहीं रही है। राहुल गांधी के चरित्र का दोहरापन दिखता है। उन्होंने इस्लाम के चित्र को दिखावा है।

जौनपुर में शहाबुद्दीन गैंग का शूटर एनकाउंटर में ढेर

जौनपुर। में यूपी STF ने 1 लाख के इनामी बदमाश सुमित सिंह उर्फ मोनू चवन्नी (35) को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। मंगलवार सुबह 4 बजे चवन्नी 2 साथियों के साथ बोलेरो से जा रहा था। इनपुट के आधार पर STF ने उसे रोका, तो उसने कार दौड़ा दी। STF ने पीछा किया तो फायरिंग करने लगा। जवाबी फायरिंग में STF ने उसके मुंह पर गोली मार दी। STF उसे जिला अस्पताल ले गई। जहां उसकी मौत हो गई। चवन्नी के 2 साथी मौके से भाग गए। STF ने शूटर से अड-47, 9-MM पिस्टल, बोलेरो और कारतूस बरामद किए। मऊ का चवन्नी सिंह भाजपा नेता की हत्या में वांटेड था। वह बिहार के शहाबुद्दीन गैंग का शूटर था। उस पर यूपी-बिहार में 24 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसमें 10 केस हत्या के हैं। SP अजय पाल शर्मा ने बताया- STF और पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन में बदमाश को ढेर किया। हमें सूचना मिली थी कि चवन्नी शाहगंज की तरफ से आ रहा है। इनपुट के आधार पर टीम बदलापुर के पास गोली नदी के पुल पर पहुंची। थोड़ी देर में चवन्नी बोलेरो से आया। उसे रोकने की कोशिश की गई, लेकिन वह भागने लगा। टीम ने उसका पीछा किया। चवन्नी कार में बैठकर ही अड-47 से ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगा। जवाब में STF ने फायरिंग की। उसे गोली लग गई। यह देखकर उसके दोनों साथियों ने बोलेरो खड़ी की और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। STF चवन्नी को जिला अस्पताल ले आई। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिहार के सिवान में 23 नवंबर 2014 को भाजपा सांसद के प्रतिनिधि श्रीकांत भारती की हत्या में वांटेड था। STF के मुताबिक, चवन्नी सिंह सुपारी किलर था। इसलिया इलाके का रहने वाला था। पुलिस मुठभेड़ में सुमित सिंह के मारे जाने की सूचना जब घरवालों को मिली तो परिवार गमगीन हो गया।

भागलपुर में हाथ बांधा म्यूजिक बजाकर मारा 20 का रेस्क्यू

भागलपुर। में एक अवैध नशामुक्ति केंद्र में नशे की लत छुड़ाने के नाम पर एक युवक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। बताया गया है कि नशामुक्ति केंद्र के संचालक और उसके कर्मियों ने युवक की पीठ की तरफ हाथ बांध दिया और मुंह में कपड़ा डालकर तेज म्यूजिक बजाकर जमकर पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई। पिटाई के बाद आरोपियों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया और मौके से फरार हो गए। वहीं, युवक की मौत के बाद उसके परिजनों ने जमकर हंगामा किया और नशामुक्ति केंद्र के संचालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पूरा मामला शहर के मिरजानहाट रोड, बुढ़िया काली मंदिर के पास का है। मृतक की पहचान मधेपुरा जिला के गोलपहरा निवासी अमरेश कुमार (36) के रूप में हुई है। अमरेश की मौत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने नशामुक्ति केंद्र से 20 लोगों का रेस्क्यू किया है। रेस्क्यू किए लोगों ने बताया कि उनलोगों को वहां डंटर से पीटा जाता था और चिल्लाने की आवाज बाहर आए, इसलिए तेज आवाज में म्यूजिक बजाया जाता था। मिली जानकारी के मुताबिक, केंद्र में नशा छुड़ाने के लिए लोगों को पिटाई की जाती थी। पिटाई के डर से लोग यहां रहना नहीं चाहते थे। इसलिए, लोगों को वहां बंधक बनाकर रखा जाता था। रेस्क्यू किए गए दयालपुर निवासी अखिलेश कुमार ने बताया कि मैं दो महीने से इस केंद्र में हूं। संचालक और इंचार्ज मरीजों की हंटर से पिटाई करते हैं। दस दिन पहले मेरी भी पिटाई हुई थी। जिसका जख्म अभी भी मेरे पैरों में है। जेल से भी बदतर यहां हालात हैं। अखिलेश ने मरीजों की पिटाई से पहले संचालक तेज आवाज में म्यूजिक बजा देता था। ताकि चिल्लाने की आवाज बाहर नपहुंचे। सुमित का छोटे भाई छोट ने उसे बहुत मारा। उनलोगों ने पहले अमरेश का हाथ बांधा। फिर मुंह में कपड़ा ठूंस कर तेज आवाज में म्यूजिक बजा दिया।

बहन के बेटे को लाइनर बनाया भाई के बेटे से मर्डर कराया अय्याशी से थी परेशान

पटना। में 25 जून को चलती ट्रेन में हुई हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। ससुर को मारने के लिए बहू ने ही बहन के बेटे को लाइनर बनाया और भाई के बेटे से मर्डर कराया था। ससुर जमीन बेचकर शराब पार्टी करता था। दोस्तों को पैसे दिया करता था। बहू ने पुलिस को बताया कि वो उसकी अय्याशी से परेशान हो चुकी थी। इसके बाद उसने ससुर के मर्डर के लिए उसने बड़ी प्लानिंग की। पटना-गया रूट पर नीमा हॉल्ट के पास 25 जून को मसौढ़ी के दहिभत्ता के रहने वाले जय प्रकाश सिंह उर्फ भोला सिंह की हत्या हुई थी। बहू रंभा कुमारी ने एक साजिश के तहत अपने रिश्तेदार से करवा दी थी। इसके लिए उसने अपने भाई के बेटे प्रिंस और बहन के लड़के जय प्रकाश शर्मा को अपने साथ मिलाया। प्रिंस ने ही जय प्रकाश सिंह को चलती ट्रेन में गोली मारी। उसके बाद पिस्तौल को ट्रेन से बाहर नदी में फेंक दिया। मर्डर के बाद वो उसी ट्रेन में दूसरी बोगी में भाग गया। मसौढ़ी पहुंचने के बाद वो वहां से अपने घर सगुना चला गया। रंभा का मायका सगुना ही है। एसडीपीओ नभ वैभव के मुताबिक पुलिस की जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उसमें जयप्रकाश सिंह के पास करीब सात से आठ बीघा जमीन की बात सामने आई है। उसमें से जय प्रकाश सिंह धीरे-धीरे जमीन को बेच मौज-मस्ती करते थे और बेटे व बहू को उसमें से कुछ नहीं देते थे। सारी बात कही। पुलिस की माने तो उसी दिन श्याम किशोर शर्मा और प्रिंस कुमार बाइक से दहिभत्ता पहुंचे और जय प्रकाश सिंह पर फायरिंग की।

औरंगाबाद में 400 विंटल मछलियां की तैयार लॉकडाउन में शुरू किया था व्यवसाय

औरंगाबाद। के मदनपुर प्रखंड के राजागड़ी गांव निवासी देवराज चौधरी ने मछली पालन की शुरूआत कोरोना काल में की थी। अब वह सालाना 15-20 लाख रुपए कमा रहे हैं। लॉकडाउन में देवराज ने 10 कट्ठा जमीन खरीद कर मछली पालन करने का बिजनेस डाला। देखते ही देखते अब उनके पास दर्जन भर जलकर हैं, उनकी पहचान आज एक बड़े मछली व्यवसायी के रूप में की जाती है, जिनके कार्यों को सराहना के लिए भारत सरकार ने 15 अगस्त 2023 को दिल्ली के लाल किले पर आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। इनके अलावा देश के विभिन्न राज्यों से 50 मछुआरों को भी बुलाया गया था। देवराज ने बताया कि मछली पालन परंपरागत पेशा होने के कारण बीते कई सालों से जुड़ाव है, लेकिन बीते सालों में कोई खास दिलचस्पी नहीं थी। कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान उन्होंने अपने पैतृक गांव में 10 कट्ठा जमीन ली और सरकारी योजना के तहत तालाब खुदवाया। मछली पालन की शुरूआत की, जिसमें उन्हें सफलता मिलती गई और व्यवसाय बढ़ता गया।

संक्षिप्त डायरी

बेगूसराय के केशव ने 40 हजार की नौकरी छोड़कर शुरू किया काम सालाना टर्नओवर 50 लाख

बेगूसराय। की गणक बीटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड मसाला कंपनी इन दिनों खूब चर्चा में है। कंपनी मसाले बनाती है। इसके पीछे की कहानी बड़ी दिलचस्प है। 25 साल के केशव भारद्वाज 2021 में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में प्रोजेक्ट इंचार्ज की नौकरी करते थे। वहां उन्हें 40 हजार रुपए सैलरी मिलती थी। केशव बताते हैं कि वे एक दिन घर आए तो मां ने मार्केट से आए मसाले को लेकर कंप्लेन की। उनकी मां ने कहा कि मसाला अच्छा नहीं है, सही क्वालिटी नहीं है। इसके बाद केशव ने मसाला फैक्ट्री लगाने का फैसला लिया। केशव के मसालों को बेगूसराय से लेकर पूरे बिहार में लोग पसंद कर रहे हैं। उसका गणक मसाला घर के किचन से लेकर बड़े-बड़े होटलों के किचन तक पहुंच रहा है। गणक ना सिर्फ सब्जी मसाला बनाता है, बल्कि इसके पाव भाजी और छोले मसाले की भी खूब डिमांड है। उनकी कंपनी का सालाना 50 लाख का टर्नओवर है केशव का जन्म 29 नवंबर 1999 को हुआ। उनके पिता का नाम मनोज कुमार सिंह है। घर में उनसे बड़ा एक भाई है। केशव भारद्वाज ने 2020 में ग्रेजुएशन किया। उसके बाद एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में प्रोजेक्ट इंचार्ज की नौकरी शुरू कर दी। बांका में आईओसीएल बॉटलिंग प्लांट में काम करना शुरू किया। जहां 40000 रुपए महीने सैलरी के अलावा अन्य सुविधा भी मिलती थी, लेकिन एक साल में ही मन उससे भर गया। गांव आया तो घर में मां चर्चा करती थी कि मसाला अच्छा नहीं है, सही क्वालिटी नहीं है। इसके बाद उसने मसाला की फैक्ट्री लगाने का निर्णय ले लिया। कंपनी खोलने से पहले केशव ने बड़े भाई राजेश और किसान पिता मनोज कुमार सिंह से सलाह ली। इन लोगों ने करीब 12 लाख रुपए की मदद की। इसके बाद उद्योग विभाग से संपर्क करके पीएमएफएमई योजना से 18 लाख रुपए का लोन लिया। 2022 में गणक ब्रांड नाम से गणक बीटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की शुरूआत कर दी। जिला मुख्यालय के पिपरा में किराए के मकान में मशीन खरीदकर प्लांट सेट कर दिया। फैक्ट्री चलाने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फूड टेक्नोलॉजी (NIFTEM-T) से प्रशिक्षण लिया। उसके बाद स्टाफ को खुद प्रशिक्षित करके मिर्च, धनिया, हल्दी, कश्मीरी मिर्च, मीट मसाला, चिकन मसाला, मिक्स मसाला, पाव भाजी मसाला और चाट मसाला बनाना शुरू कर दिया। केशव ने घर के अलावा विभिन्न होटलों में अपना ब्रांड दिखाया। जिसके बाद वहां भी अच्छी डिमांड हो रही है। ऑफलाइन बेचने के अलावा ईडिया मार्ट सहित विभिन्न ए-कॉमर्शियल साइट के माध्यम से ऑनलाइन भी मसाला बेच रहे हैं। इस काम की काफी चर्चाएं हो रही है। उद्देश्य एक ही है घरेलू उत्पाद और शुद्ध उत्पाद। केशव का कहना है कि मैं कुछ ऐसा करना चाहता था, जिससे दूसरों को भी रोजगार मिल सके। घर में मां चरावर चर्चा करती थी कि मसाला अच्छा नहीं है, सही क्वालिटी नहीं है। इसके बाद मैंने गणक मसाला कंपनी की शुरूआत की। लोग हमबिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट और बिहार में रोजगार की बात करते हैं, लेकिन बड़े-बड़े कंपनियों का ही प्रोडक्ट यूज करते हैं। नाम बड़ा होता है, लेकिन गुणवत्ता क्या होता है, सबको पता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर मैंने उत्पाद की शुरूआत की, जो बिहार में, बिहार के लोगों के लिए बने और रोजगार मिले। जितने भी प्रकार के मसाले हैं, सब हम तैयार कर रहे हैं। केवल बताते हैं कि यहां के किसान बड़े पैमाने पर मिर्च और हल्दी की खेती करते हैं। हम मिर्च और हल्दी बेगूसराय जिला के किसानों से ही खरीदते हैं। जबकि लाल मिर्च, काली मिर्च, इलायची, दालचीनी केरल से मंगवाते हैं। कश्मीरी मिर्च के लिए कश्मीर के कारोबारी से संपर्क करते हैं। गुजरात से हल्दी और मिक्स मसाला का आइटम मंगवाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता रहती है कि बिहार के किसानों से उत्पाद लेना। वहां हम हल्दी और मिर्च लेते हैं। हमारी प्राथमिकता स्टाफ और किसानों को अधिक बचत देना भी है। मैं जितना कमा रहा हूं, उससे अच्छा पैसा प्रोजेक्ट में कमा रहा था, लेकिन बड़ा नौकर बनने से अच्छा है, छोटा मालिक बन जाना। केशव ने कहा कि खुद रोजगार करके दर सारे लोगों को रोजगार दिया जा सकता है। नौकरी की तलाश में समय व्यर्थ करने से बेहतर है। अपना खुद का रोजगार करना, लोगों को काम देना, जिससे हमारा बिहार आगे बढ़ेगा। हमारा बिहार आगे बढ़ेगा, तभी देश आगे बढ़ेगा।

पूर्णिया में वाहनों को ओवरटेक करने में मारा फल दुकान जा रहा था शख्स

पूर्णिया। में सोमवार की रात सड़क हादसे में फल दुकानदार की मौत हो गई। लकड़ी लदा मैजिक अचानक अनियंत्रित हो गया जिसके बाद मैजिक ने सड़क किनारे से गुजर रहे फल विक्रेता को कुचल दिया। घटना के बाद फल दुकान पर मौजूद घरवाले व स्थानीय मौके पर जुटे। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें GMCH पूर्णिया में एडमिट कराया गया। इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। इधर भागने के क्रम में लोगों ने मैजिक समेत चालक को धर दबोचा और फिर सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को सौंप दिया। घटना मरंगा थाना क्षेत्र के नेवालाल चौक स्थित मृतक के फल दुकान के पास की है। मृतक की पहचान सहायक खजांची थाना क्षेत्र के छठ पोखर मांझी कॉलोनी निवासी वकील पोद्दार के बेटे सिंटू कुमार (35) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि सिंटू कुमार अपने फल की दुकान पर ही आ रहा था तभी नेवालाल चौक स्थित ट्रैफिक लाइट से ग्रीन सिग्नल मिला। ग्रीन सिग्नल जलते ही सभी वहां अपने गंतव्य की ओर बढ़ने लगे। इसी क्रम में मालवाहक मैजिक ने अन्य वाहनों को ओवरटेक करते हुए अपना नियंत्रण को दिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची मरंगा थाना की पुलिस को लोगों ने सौंप दिया। पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है और थाना ले आई है। वहीं मैजिक वाहन को जप्त कर थाना लाया गया है।

भागलपुर में गड़ियां बहीं नवादा-हाजीपुर में डूबा अस्पताल पटना समेत 15 जिलों में बारिश

बिहार। के 15 से ज्यादा जिलों में अच्छी बारिश हुई। पटना, कटिहार, किशनगंज, जमुई, सीवान, गोपालगंज, समस्तीपुर, नालंदा, बेगूसराय, सीतामढ़ी, आरा, भागलपुर और जहानाबाद समेत कई जगहों सुबह से बारिश हो रही है। बारिश की वजह से कई जिलों में नदियां उफान पर हैं। नेपाल में भारी बारिश से सीतामढ़ी में बागमती नदी उफान पर है। निचले इलाकों में पानी भर गया है। कई गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मुजफ्फरपुर में तेज बारिश से गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। मधुबनी में कमला नदी उफान पर है। भागलपुर में बारिश की वजह से घुटने भर पानी जमा हो गया है। वहां गाड़ियां पानी में डूब गई। मुंगेर में लगातार बारिश की वजह से रेलवे ट्रैक के पास की मिट्टी धंस गई। वहीं बेतिया (जीएमसीएच), नवादा और हाजीपुर में सदर अस्पताल में पानी भर गया। बिहार में अब तक 174.8 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 87.8 एमएम ही बारिश हुई है। मंडल की आकाशीय बिजली से मौत हो गई है। बिहार में सामान्य से 52 फीसदी कम बारिश हुई। जून में बिहार में 163.3 एमएम बारिश होनी चाहिए थी, पर 78.9 एमएम ही हुई। हालांकि जुलाई में ऐसा नहीं होगा।

एक्सिस बैंक में नहीं था हूटर बच सकते थे 28 लाख

शेखपुरा। के बरबीघा में एक्सिस बैंक लूट मामले में ब्रांच की बड़ी लापरवाही सामने आई है। मुंगेर प्रक्षेत्र के डीआईजी संजय कुमार बैंक की जांच करने पहुंचे। उनके अनुसार बैंक के सिक्यूरिटी सिस्टम में लैप्स था। डीआईजी संजय कुमार ने बताया कि ब्रांच का हूटर सिस्टम काम नहीं कर रहा था। हूटर होता तो कोई भी कर्मी उसे बजाकर बाहर के लोगों को अलर्ट कर सकता था। पूछताछ में इन्होंने बताया है कि हूटर के लिए बैंक के एडमिनिस्ट्रेशन से बात करनी पड़ती है। डीआईजी ने कहा कि मैंने बैंक मैनेजर से कहा है कि अपने मैनेजमेंट से बात कर हूटर सिस्टम सही करवाएं। इस ब्रांच का लोकेशन ऐसे जगह पर है, जहां पर अगर हूटर बजाया जाता तो अंदर से निकलकर कोई अपराधी भाग नहीं सकता था। शेखपुरा के बरबीघा में एक्सिस बैंक लूट मामले में ब्रांच की बड़ी लापरवाही सामने आई है। मुंगेर प्रक्षेत्र के डीआईजी संजय कुमार आज बैंक की जांच करने पहुंचे। उनके अनुसार बैंक के सिक्यूरिटी सिस्टम में लैप्स था। डीआईजी संजय कुमार ने बताया कि ब्रांच का हूटर सिस्टम काम नहीं कर रहा था। हूटर होता तो कोई भी कर्मी उसे बजाकर बाहर के लोगों को अलर्ट कर सकता था। पूछताछ में इन्होंने बताया है कि हूटर के लिए बैंक के एडमिनिस्ट्रेशन से बात करनी पड़ती है। डीआईजी ने कहा कि मैंने बैंक मैनेजर से कहा है कि अपने मैनेजमेंट से बात कर हूटर सिस्टम सही करवाएं। इस ब्रांच का लोकेशन ऐसे जगह पर है, जहां पर अगर हूटर बजाया जाता तो अंदर से निकलकर कोई अपराधी भाग नहीं सकता था। डीआईजी ने बैंक पहुंचकर कर्मियों से पूछताछ भी की। डीआईजी के साथ एसपी बलिराम कुमार चौधरी, एसडीपीओ अरविंद कुमार सिन्हा, बरबीघा थानाध्यक्ष वैभव कुमार भी मौजूद थे। डीआईजी लगभग एक घंटे तक बैंक में रहे। फिर बरबीघा थाना में मामले के जल्द उद्भेदन के लिए पुलिसकर्मियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बाद में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जांच की जा रही है। हमें कुछ क्लू मिले हैं। लेकिन अभी उसकी जानकारी नहीं दे सकते। बरबीघा में बीते 6 माह में दूसरी बार बैंक लूट की घटना पर उन्होंने कहा कि घटनाएं हो रही हैं, लेकिन हमलोग काम कर रहे हैं। बता दें कि पिछले साल भी बरबीघा शहर में दिनदहाड़े आशीर्वाद गोल्ड लोन बैंक में घुसकर अपराधियों ने 6 किलो सोना और 2 लाख कैश लूटे थे। पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए लूट का सोना बरामद किया था और घटना में शामिल बैंक के मैनेजर और सहायक मैनेजर सहित सभी बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। सोमवार (1 जुलाई) की सुबह बदमाशों ने बरबीघा के श्रीकृष्ण चौक के पास स्थित एक्सिस बैंक से करीब 28 लाख की लूट की थी। 25 मिनट तक अपराधी बैंक के अंदर लूटपाट करते रहे। बताया जा रहा है कि 11 बजे बैंक के अंदर एक बदमाश दाखिल हुआ। उसने रेकी की। फोन पर दूसरे को सारी जानकारी दी। इसके बाद उसका साथी आया। दोनों ने बैंक के स्टाफ को बंधक बनाया। मैनेजर के सिर पर बंदूक रखकर लॉकर खुलवाया और करीब 28 लाख रुपए लेकर भाग निकले। बैंक लूट की ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास द्वारा मथुरा चौक बाजार स्थित जामा मस्जिद की मीनारों को उतारे जाने की मांग

मथुरा। जिलाधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से की गई श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह मामले के मुख्य हिंदू पक्ष कार एवं न्यास के अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि जामा मस्जिद की मीनार है बहुत ही जर्जर हालत में है घनी आबादी होने के कारण हमें चिंता है की कहीं कोई हादसा ना हो जाए इसलिए जांच कर मनरो को हटाया जाए जिससे कोई भविष्य में जनहानि ना हो उन्होंने कहा कृष्ण विहार में जो पानी की टंकी गिरी है और जनहानि हुई है उससे हमारी चिंता बढ़ गई है हजारों लोग इस घनी आबादी क्षेत्र से निकलते हैं एवं निवास करते हैं कहीं कोई हादसा हुआ तो बहुत बड़ी जनहानि होगी संत हरिदास बाबा मधुबन वाले, महानगर अध्यक्ष ठा नरेश सिंह , राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक, किसान नेता जयराम शर्मा, ने कहा कि मुगल कालीन यह इमारत रखरखाव के कारण जर्जर हो गई है लगभग 90 फीट ऊंची इस इमारत को सावधानी पूर्वक उतारा जाना चाहिए, जिला अध्यक्ष महिला गुंजन शर्मा, राष्ट्रीय सचिव डा जमुना देवी शर्मा , महानगर महामंत्री राहुल गौतम,ने कहा कि इसे किसी प्रकार का धर्म से जुड़ा मामला न समझा जाए सबसे पहले जनमानस की सुरक्षा का सवाल है हम नागरिक पहले हैं हमारी चिंता जायज है एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर निर्माण की जांच की जानी चाहिए जिससे पता लग सके की जन मानस सुरक्षित है कि नहीं जांच के बाद प्रशासन समाचार पत्रों के माध्यम से सूचना सार्वजनिक करें इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजेश कृष्ण शास्त्री, ठा सूरजमल, हरिओम वर्मा, विकास ठाकुर, कन्हैया लाल शर्मा,

संक्षिप्त डायरी

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा चौथी बार छाता तहसील अध्यक्ष चुने गए सोनू सिंगला

मथुरा । रविवार को नगर पालिका परिषद कार्यालय कोसी कला में एक पत्रकार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा एक नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा कोसीकलां नगर पालिका अध्यक्ष (पत्रकार) धर्मवीर अग्रवाल को प्रदेश संरक्षक बनाए जाने के उपलक्ष में उनका समस्त पत्रकारों द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के अध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल की अध्यक्षता में एवं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मथुरा से जिला अध्यक्ष विनोद अग्रवाल की उपस्थिति में छाता तहसील इकाई से सभी पत्रकार बंधुओ की सर्व सहमति से सोनू सिंगला को चौथी बार छाता तहसील अध्यक्ष चुना गया जिनका सभी पत्रकार बंधुओ ने समर्थन किया। वही ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की छाता से नई कार्यकारिणी में संरक्षक के पद पर भूमेश रोहिल्ला, खेमचंद मंगला। उपाध्यक्ष दीपक बंसल, मानवेंद्र चौधरी। महामंत्री विक्रम सैनी, मनीष अग्रवाल,। सचिव सत्यवीर सिसोदिया,। कोषाध्यक्ष पवन अग्रवाल,। ऑडिटर संतोष कश्यप,। संगठन मंत्री नरेश कुमार। मीडिया प्रभारी गोपीनाथ तिवारी, तरुण सिसोदिया। तथा वरिष्ठ सदस्य के रूप में अनिल कुमार, कमल ठाकुर, सौरभ सिसोदिया, धर्मेंद्र सिसोदिया, कपिल गर्ग, शिवम भारद्वाज, भरत शर्मा, अंकित पालीवाल, पिंटू भार्गव, । एवं प्रदेश प्रतिनिधि सभा सदस्य के रूप में नरेंद्र कुमार, विक्रम सैनी, । जिला प्रतिनिधि सदस्य मानवेंद्र चौधरी, मनीष अग्रवाल, दीपक बंसल आदि को नई एवं अहम जिम्मेदारी दी गई है। समस्त संगठन के पदाधिकारी एवं जिम्मेदार सदस्यों से अपेक्षा है कि संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठ भाव से अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे और संगठन को आगे बढ़ाने हेतु अथक प्रयास करेंगे।

अब 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, एक जुलाई से लागू होगा नया नियम

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों के बीच सरकार ने बड़ा फैसला किया है। अब प्रदेश में एक जुलाई से 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों को दोपहिया और चारपहिया वाहन के लिए पेट्रोल पंप से डीजल या पेट्रोल नहीं मिलेगी।

इसके लिए प्रदेश सरकार ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पेट्रोल पंपों पर इस संबंध में नोटिस भी चस्पा होगा।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डा. शुचिता चतुर्वेदी ने माध्यमिक और बेसिक शिक्षा निदेशक, पुलिस महानिदेशक, खाद्य रसद विभाग के आयुक्त, परिवहन आयुक्त व अपर पुलिस महानिरीक्षक को दिशा निर्देश जारी किया है। गौर हो कि 18 वर्ष से कम आयु के छात्र-छात्राएं यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के सड़कों पर वाहन दौड़ाते अकसर नजर आते हैं। ऐसे में आए दिन सड़क हादसे भी हो रहे हैं। बीते दिनों राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बैठक आयोजित कर नाबालिगों के कारण हो रही दुर्घटनाओं को लेकर चिंता जताई थी। आयोग ने इसे लेकर सभी विभागों के साथ छह जून को बैठक की थी।

उत्तर मध्य रेल्वे में पहली बार आगरा मंडल में आगरा छावनी और मथुरा जं. रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक व्हीकल को चार्ज करने की जल्द मिलेगी सुविधा

मथुरा। वाणिज्य विभाग द्वारा गैर किराया राजस्व के माध्यम से आय अर्जन में नई पहल , ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग के लिए प्रदान किया गया अनुबंध ,रेलवे को होगी 30.80 लाख /- रुपये की आय यात्रियों को बेहतर सेवा देने के लिए संकल्पित आगरा रेल मंडल द्वारा निरंतर सर्वोत्तम प्रयास किए जा रहे हैं जिसके चलते रेल राजस्व में भी वृद्धि हो रही हैं। मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा श्री अमित आनन्द के निर्देशन में उत्तर मध्य रेल्वे में पहली बार आगरा मंडल में आगरा छावनी और मथुरा जं. रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक व्हीकल को चार्ज करने की सुविधा जल्द ही शुरू की जाएगी ` प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए रेल्वे लगातार बड़े प्रयास कर रहा है` रेलवे 'हरित पहल' के जरिए स्वच्छ हवा और वातावरण को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है यह चार्जिंग प्वाइंट्स 24x7 और 365 दिन काम करेगा` इससे ई ड्र मोबिलिटी को भी बढ़ावा मिलेगा` लोग रात में भी अपनी गाड़ी की चार्जिंग करवा सकते हैं`रेलवे द्वारा गैर-किराया राजस्व योजना के तहत चार्जिंग की सुविधा को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है वाणिज्य विभाग द्वारा गैर किराया राजस्व के माध्यम से आय अर्जन में नई पहल की जा रही है जिसमे ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग के लिए अनुबंध प्रदान किया गया है

जिसमें आगरा कैंट के सकुलेंटिंग एरिया में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन से प्रति वर्ष रेलवे 3.75 लाख (03 वर्ष के लिए कुल अनुबंध मूल्य रु. 11,25,000/-) व मथुरा जंक्शन के सकुलेंटिंग एरिया (सभी 3 प्रवेश द्वार) पर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन के प्रति वर्ष रेलवे 6.51 लाख (03 वर्ष के लिए कुल अनुबंध मूल्य रु. 19,54,500/-) इन दोनो अनुबंधों से लगभग 30.80 लाख रू रेल्वे को राजस्व प्राप्त होगा ' आगरा मंडल के 02 रेलवे स्टेशनों पर चार्जिंग स्टेशन बनाए जा रहे हैं ` इसमें आगरा छावनी और मथुरा जं.रेलवे स्टेशन में चार्जिंग की सुविधा जल्द ही शुरू की जाएगी` इस सुविधा के तहत आम जनता के बैटरी वाहनो को उसकी आवश्यकता के अनुसार उचित दरों पर चार्ज किया जा सकेगा,यह न केवल बैटरी वाहन मालिकों को एक सुविधाजनक चार्जिंग समाधान प्रदान करेगा बल्कि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगा। चार्जिंग प्वाइंट्स लगने से सबसे ज्यादा फायदा उन वाहन चालकों को होगा जो अक्सर आगरा छावनी और मथुरा जं. रेलवे स्टेशन के आसपास आते रहते हैं

व्यास पीठ की मर्यादा के लिए आचार संहिता व संविधान बने: पं.अमित

मथुरा । ब्रज मण्डल के विद्वत समाज की अग्रणी संस्था श्रीमद्भागवत कथा आयोजन समिति के संस्थापक पंडित अमित भारद्वाज ने कहा है कि व्यास पीठ की मर्यादा का हनन रोकने, वेद, शास्त्र, पुराण के अनुसार अपना प्रवचन, कथा न वर्णित कर कपोल कल्पित गाथाओं का वर्णन करने वालों, सत्यसनातन धर्म व संस्कृति को मन, वचन, वाणी, आचरण से हानि पहुंचाने वालों , सनातन धर्म के किसी भी आराध्य के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने वालों को, सार्वजनिक मंचों से सनातन की उपेक्षा व अमर्यादित भाषण करने वालों को नियंत्रित करने के लिए एक संविधान, नियमावली व आचार संहिता की वर्तमान में महति आवश्यकता है। यह नियमावली शंकराचार्यों, विभिन्न संप्रदायों के आचार्यों व प्रमुखों एवं विद्वानों के द्वारा आम सहमति से बने। जिसका पालन करना अनिवार्य हो, उल्लंघन करने वाले पर दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान भी हो। इसके लिए समिति विभिन्न धार्मिक संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर इस पहल व क्रियान्वयन करने का प्रस्ताव करेगा।

संविधान बनने से व्यास पीठ की गरिमा को समाप्त करने वालों पर अंकुश लग सकेगा।

ट्रेक्टर ट्राली की टक्कर से किशोर की मौत

मथुरा। कोतवाली वृंदावन की केशवधाम पुलिस चौकी के अंतर्गत रुकमणि विहार इलाके में सोमवार को गिट्टी से भरे ट्रैक्टर ट्राली ने सड़क किनारे खड़े किशोर को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने देर रात कोतवाली में ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाया है। मिली जानकारी के अनुसार समीपवर्ती गांव तेहरा निवासी अमर सिंह का 14 वर्षीय पुत्र सौरभ किसी कार्य से रुक्मणि विहार गया था। तभी हरि कृपा धाम के समीप गिट्टी से भरे अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली ने किशोर को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जाता है कि ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर लगते ही सौरभ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। करीब दो घंटे बाद जब इलाका पुलिस को सूचना मिली। तब शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। लेकिन इससे पहले पुलिस निष्क्रियता का परिजनों ने विरोध किया। देर रात कोतवाली में ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 281,106 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने वित्त लेखा अधिकारी को दिया ज्ञापन

मथुरा। मंगलवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ इकाई राया का एक प्रतिनिधिमंडल जिला मीडिया प्रमुख ब्लॉक अध्यक्ष राया गोवर्धन दास गुप्ता के नेतृत्व में शैलेंद्र कुमार वित्त एवं लेखा अधिकारी मथुरा से शिक्षकों की समस्याओं को लेकर मिलाकर विभिन्न मांगों के सन्दर्भ में ज्ञापन दिया। काफी देर तक चर्चा कर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। शिक्षक नेता ने कहा कि शासन द्वारा वित्त नियंत्रक बेसिक शिक्षा विभाग 30 मई 2024 के पत्र के आधार पर जिले के सभी बेसिक शिक्षा परिषद में कार्यरत शिक्षकों के भविष्य निधि खाते की लेखा पर्ची उपलब्ध कराई जाए, शिक्षक कर्मचारियों को अपनी जी पी एफ की धनराशि का पता नहीं होता है । जब शिक्षक सेवानिवृत होता है तब ही जीएफ का भुगतान की धनराधि का पता चलता हैं। माह का वेतन एक तारीख तक भेजने का आश्वासन दिया था परन्तु फिर भी वेतन नहीं आ रहा है, अन्य जनपदों में एक या दो तारीख को वेतन भुगतान हो जाता है । मथुरा जिले में एक या दो तारीख को वेतन भुगतान कभी नहीं हो पाता है एक तारीख को शिक्षकों का वेतन भुगतान करवाने की मांग की है । शिक्षकों के अन्य भुगतान एरिएयर आपके कार्यालय में काफी समय से लंबित पड़े हुए हैं । उनका भुगतान किया जाएं शिक्षकों के आयकर संबंधी 16 नंबर फॉर्म शिक्षकों को अभी तक प्राप्त नहीं कराए गए हैं उनको शीघ्र शिक्षकों को प्राप्त कराए जाएं शीघ्र शिक्षकों की समस्याओं का निस्तारण कर करने की मांग की है। वित्त एवं लेखा अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने आश्वासन दिया है शिक्षकों की सभी समस्याओं समाधान किया जायेगा।

आखिर किस हादसे की प्रतीक्षा है? जीर्णशीर्ण टंकियां

मथुरा। विगत 29 अप्रैल 2024 सोमवार को जैंत के वाटर वर्क्स अग्निकांड में जीर्णशीर्ण टंकियों को अभी तक ध्वस्त नहीं करवाया है, जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी किसी बड़ी घटना का कारण बन सकती है। ग्रामीणों ने बताया है कि भीषण अग्निकांड में जलकर खंडहरों में तब्दील पानी की टंकियों और जले हुए पेड़ों को ध्वस्त करवाने के लिए कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं। परंतु अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। तेज आंधी में जले हुए पेड़ और टंकियां धराशाई हो सकती हैं जो राहगीरों और पड़ोसियों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। त्रि पंचायत सदस्य ठाकुर बृजेश प्रताप सिंह, अनिल छौंकर, मानवेन्द्र सिंह, संजय धनगर, ओम प्रकाश धनगर, बाबूलाल होलकर, तेजवीर सिंह धनगर, भगवान सिंह धनगर, पाला मिस्त्री आदि ने टंकियों के साथ साथ जले पेड़ों को भी गिरवाने का अनुरोध किया है।

बी.एस.ए कॉलेज के पीछे कृष्ण विहार में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पानी की टंकी

मथुरा। बी.एस.ए कॉलेज के पीछे कृष्ण विहार में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पानी की टंकी के धराशाई होने पर महानगर कांग्रेस कमेटी मथुरा के अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि के नेतृत्व में एक सात सूत्रीय ज्ञापन महामहिम राज्यपाल महोदय को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी मथुरा के माध्यम से दिया गया महानगर अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि ने बताया कि ज्ञापन का उद्देश्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पानी की टंकी का गिरना भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार का स्पष्ट नमूना है और भाजपा सरकार को भी बर्खास्त करने की मांग की। 01 उक्त टंकी विगत 2 वर्ष पूर्व बनी है इतनी अल्पविधि में टंकी किस करण धराशाई हुई उसकी एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाई जाए तथा इसमें लिप्त जल निगम एवं नगर निगम के अधिकारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोरता कानूनी कार्रवाई कराई जाए। 2 उक्त टंकी को बनाने में कि ठेकेदार ने या कार्य किया उसे रिकवरी कराई जाए व उसके विरुद्ध जनहानि के संबंध कानूनी कार्रवाई कराई जाए।03 मृतक आश्रितों को एक-एक करोड़ रूपया बतौर मुआवजा दिया जाए।04 दुर्घटना में हुए प्रत्येक घायल को 10-10 लाख का मुआवजा दिलाया जाए। 05 दुर्घटना में जिन लोगों की संपत्ति व वाहनों का नुकसान हुआ है उसके नुकसान का आकलन कराकर उनका उचित मुआवजा दिलाया जाए।06 वह की बड़े जलाशयों का निर्माण घनी आबादी में न कराया जाए यदि होता भी है तो उसके लिए एक उचित स्थान छोड़ना पड़ता है जिसकी अनदेखी की गई है।07 नगर निगम क्षेत्र में जो भी पूर्व में पानी की टंकियां बनी हुई है या जरजर अवस्था में है उनका निरीक्षण कराकर ठीक कराया जाए या उनको धराशाई कराकर नया बनाया जाए जिससे भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो सके।महामहिम राज्यपाल महोदय से निवेदन है कि उपरोक्त बिंदुओं का संज्ञान लेते हुए सकारात्मक आदेश प्रदान का जिला प्रशासन को त्वरित कार्रवाई करने का आदेश प्रदान करें। ज्ञापन देने वालों में सर्वश्री प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक राजकुमार रावत इंडिया गठबंधन कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश धनगर पूर्व अध्यक्ष मलिक अरोड़ा उमेश शर्मा शालू अग्रवाल पार्षद अख्तर कुरैशी मनोज गौड़ राहुल अरोड़ा जिलानी कादरी विपुल पाठक महेश चतुर्वेदी श्याम दुबे राखी चौहान प्रवीण भास्कर अप्रीतम सक्सेना राकेश दिवाकर पूर्व प्रधान राजा गौतम शैलेंद्र चौधरी गोपाल बंसल कमल शर्मा चौधरी मोहन सिंह अमित राज प्रशांत चौधरी डा.गिरांज प्रसाद दीनदयाल माहौर मुस्लिम कुरैशी अमित पाठक इंद्रजीत गौतम नसरुद्दीन अब्बासी रिंकू चौधरी वरुण अरोड़ा अनवर फारूकी संदेश पाठक रज्जू कुरैशी सौरव दीक्षित आसिफ चौधरी प्रदीप सागर विवेक कुमार राजेश सैनी आदि कांग्रेस जनों ने ज्ञापन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पहले हत्या की और फिर कपूर डाल कर जला डाला, गुरुग्राम की सोसाइटी में 16 साल का जल्लाद

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम सेक्टर-107 स्थित सिग्नेचर सुलेरा सोसाइटी के फ्लैट में एक किशोर ने नौ वर्षीय बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपी 16 वर्षीय नाबालिग ने सबूत मिटाने के लिए फ्लैट में ही बच्ची के शव को आग लगा दी। छानबीन में सामने आया कि आरोपी ने गहने चोरी करने की कोशिश की तो उसे बच्ची ने देख लिया। इसके बाद उसने उसकी चुन्नी से गला घोटकर हत्या कर दी। इसके बाद फ्लैट में पूजा वाले कमरे में शव के ऊपर कपड़े और मंदिर से कपूर डालकर आग लगा दी।

राजेंद्र पार्क थाने में नए कानून के तहत पहला हत्या का भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया। बच्ची की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी किशोर का परिवार पूर्व परिचित है। सोमवार सुबह आठ बजे के लगभग वह अपने दो साल के बेटे को लेकर सोसाइटी में ही उसके फ्लैट पर गई थी। फ्लैट में उनकी नौ वर्षीय बेटी अकेली थी। लगभग दो घंटे के बाद जब वह अपने फ्लैट में पहुंची तो उन्होंने देखा कि घर से धुंआ निकल रहा है। 16 वर्षीय नाबालिग भी फ्लैट में था।

धुआं उठता देख महिला ने शोर मचाया और सोसाइटी की फायर टीम को सूचना दी। टीम ने पूजा वाले कमरे को खोला तो पाया कि बेटी का शव जल रहा था। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। इसी बीच किशोर घर से निकल गया। महिला का कहना है कि किशोर घर से जेवरात चोरी करने के लिए आया था। घर से कुछ जेवर चुराकर ले गए।

कई सालों से परिवारों के बीच दोस्ती : पुलिस जांच में सामने आया है कि पीड़ित परिवार और आरोपी किशोर का परिवार पहले इसी सोसाइटी के एक ही टावर के फ्लैट में रहते थे। उनका आपस में काफी आना-जाना था। बच्ची का परिवार तीन महीने पहले ही अन्य टावर में अपना फ्लैट खरीदकर रहने लगा है।

नहीं उठाया फोन : किशोरी की मां के पास दूध वाले का फोन आया था। दूध वाले ने बताया कि मकान को कोई नहीं खोल रहा। उन्होंने बेटी को आरोपी के घर से फोन किया, लेकिन बात नहीं हो पाई।

क्राइम पेट्रोल देखकर वारदात को अंजाम दिया

पुलिस अधिकारी ने बताया कि थाने में आरोपी किशोर ने पुलिस को गुमराह करना शुरू कर दिया। उसने सबसे पहले बताया कि वह फ्लैट में चोरी करने के लिए आया था। चोरी करते बच्ची ने देख लिया। इस पर उसने चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए शव पर कपड़े और कपूर डालकर आग लगा दी। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने दोबारा बताया कि उसने क्राइम पेट्रोल की सीरीज देखी थी। उससे ही प्रभावित होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। इसके अलावा वह पुलिस को कई अलग-अलग कहानियां बनाकर गुमराह करने का प्रयास कर रहा।

किशोर से कई घंटे पूछताछ, डीसीपी ने मौके पर पहुंचकर जांच की

घनकोट पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों अलावा राजेंद्रा पार्क थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। डीसीपी पश्चिम करन गोयल और एसीपी उद्योग विहार मौके पर पहुंचे गए। पीड़ित परिवार से बातचीत की गई। कई घंटों तक नाबालिग आरोपी से पुलिस अधिकारियों ने सोसाइटी में ही पूछताछ की। उसके बाद पुलिस पूछताछ के लिए थाने में लेकर गई। डीसीपी पश्चिम करन गोयल ने कहा, मामला दर्ज कर लिया गया है। नाबालिग से पूछताछ की जा रही है। किशोरी के शव का पोस्टमार्टम मंगलवार को करवाया जाएगा।

अमरवाड़ा को बचाने की कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के गढ़ के तौर पर पहचाना जाता रहा है। मगर बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इस किले पर फतह हासिल की है। अब भाजपा की नजर अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर है और कांग्रेस को इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखना बड़ी चुनौती बन गया है। छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र के अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 10 जुलाई को उपचुनाव के लिए मतदान होने वाला है। यहां कांग्रेस के विधायक रहे कमलेश शाह द्वारा दल बदल करने के कारण उपचुनाव हो रहा है। भाजपा ने कमलेश शाह को ही उम्मीदवार बनाया है। शाह के समर्थन में पार्टी के तमाम बड़े नेता प्रचार कर चुके हैं और आगामी दिनों में दौरे भी संभावित हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने भी अमरवाड़ा उपचुनाव के लिए खास रणनीति बनाते हुए आंचल दरबार के प्रतिनिधि धीरेन शाह को मैदान में उतारा है। आंचल दरबार एक आस्था का केंद्र है और धीरेन शाह का इस परिवार से नाता है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अब प्रचार की कमान संभालने वाले हैं, वहीं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी फिर से इस क्षेत्र में सक्रिय होने जा रहे हैं। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के पिछले चुनाव पर गौर करें तो लगातार तीन बार से कमलेश शाह चुनाव जीतते आ रहे हैं। इस विधानसभा क्षेत्र को कांग्रेस के गढ़ के तौर पर भी पहचाना जाता है। अब कमलेश शाह बीजेपी के उम्मीदवार के तौर पर मैदान में है।

संक्षिप्त समाचार

तीन दिनों में 51,000 श्रद्धालुओं ने किए बाबा अमरनाथ के दर्शन

जम्मू, एजेंसी। 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक 51,000 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मंगलवार को 6,537 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिले के साथ कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 6,537 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया, ◦इनमें से 2106 श्रद्धालु 105 वाहनों के सुरक्षा काफिले के साथ सुबह 3.05 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए, जबकि 4,431 तीर्थयात्री 156 वाहनों में सवार होकर सुबह 3.50 बजे नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुए।◦ मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आमतौर पर बादल छाए रहने और सुबह के समय हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है।

यात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग या 14 किलोमीटर वाले छोटे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने वाले 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। इस वर्ष की यात्रा के दौरान 7,000 से अधिक 'सेवादार' (स्वयंसेवक) यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही अलकनंदा नदी

बदरीनाथ, एजेंसी। उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में अलकनंदा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। यात्रियों व स्थानीय लोगों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वो नदी किनारे न जाएं। साथ ही तप्तकुंड को भी खाली करा दिया गया है। नदी का जलस्तर बढ़ने से बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के कार्यों के लिए बनाया गया वैकल्पिक मार्ग बह गया है। इससे इस क्षेत्र में रिवर फ्रंट का काम बंद हो गया है। यहां पर कंपनी की कुछ मशीनें भी फंसी होने की भी खबर हैं। डंपर, जेसीबी मशीन और मजदूरों को कार्यस्थल तक पहुंचाने के लिए यह मार्ग बनाया गया था। ऐसे में दूसरी जगह से वैकल्पिक मार्ग तैयार करने की कोशिश की जा रही है, जिससे रिवर फ्रंट का काम फिर से शुरू किया जा सके। उत्तराखंड में मानसूनी बारिश जारी है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़, नैनीताल और बागेश्वर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए कई क्षेत्रों में सभी निजी और सरकारी स्कूलों की छुट्टी के आदेश दिए गए हैं। मौसम विभाग ने लोगों से बहुत जरूरी होने पर ही पहाड़ी मार्गों पर सफर करने की अपील की है।

25 दिन के बच्चे को नींद की दवा देकर बेचा, 40 हजार में दोस्त से किया सौदा

बरेली, एजेंसी। बरेली के अपोलो हॉस्पिटल से पीलीभीत निवासी युवक का 25 दिन का बेटा रविवार रात चोरी हो गया। बच्चे के पिता की तहरीर पर बारादरी पुलिस ने नये कानून के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। 12 घंटे बाद पुलिस ने खरीदने व बेचने वाले को गिरफ्तार कर बच्चे को नवाबगंज से बरामद कर लिया। पीलीभीत में सुनगढ़ी गौटिया निवासी सुशील कुमार ने बताया कि पांच जून को पैदा हुए बेटे को निमोनिया होने पर 28 जून को डोहरा रोड स्थित अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया था।

मराठा आरक्षण के खिलाफ बेतुकी दलीलों पर भड़के हाई कोर्ट जज

खंडपीठ ने जताया अफसोस?

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि उसे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि मराठा समुदाय को आरक्षण देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को चुनौती देने के लिए दाखिल कुछ याचिकाओं में बेतुकी दलीलें दी गई हैं। मुख्य न्यायधीश डी.के. उपाध्याय, न्यायमूर्ति जी.एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की पूर्ण पीठ ने कहा कि यह मुद्दा गंभीर है और राज्य की बड़ी आबादी को प्रभावित करने वाला है। इसलिए याचिकाकर्ताओं को अपनी दलीलें पेश करते समय अधिक सावधानी बरतनी चाहिए थी। महाराष्ट्र राज्य सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ा वर्ग आरक्षण अधिनियम-2024 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने के लिए कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इस अधिनियम में मराठा समुदाय के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 10 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया है। कुछ याचिकाओं में सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुनील शुक्रे की अध्यक्षता में महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना, इसकी कार्यप्रणाली और मराठा समुदाय के लोगों को आरक्षण देने की सिफारिश करने वाली इसकी रिपोर्ट को भी चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय की पीठ ने संबंधित सभी याचिकाओं पर शुक्रवार को अंतिम सुनवाई शुरू की।

सियासी रार के बाद दिल्ली में रेहड़ी वाले पर दर्ज पहली एफआईआर रद्द, खुद अमित शाह को देनी पड़ी सफाई

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में भी सोमवार से तीनों नए आपराधिक कानून लागू हो गए। खास बात यह है कि दिल्ली में नए कानून के तहत दर्ज पहली एफआईआर ही विवादों में घिर गई और सियासी बखेड़ा होने पर उसे रद्द करना पड़ा। कांग्रेस ने उठाए थे सवाल दरअसल, नए कानून लागू होते ही दिल्ली की पहली एफआईआर कमला मार्केट थाने में रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि को दर्ज की गई। इसमें एक रेहड़ी वाले पर सार्वजनिक रास्ते को बाधित करने की धारा लगाई गई थी, लेकिन कुछ ही घंटे बाद इस पर विवाद हो गया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पहली एफआईआर रोज कमाने वाले व्यक्ति पर की गई है। इससे बुरा क्या हो सकता है। ऊपर, पत्रकारों से बातचीत में जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से इसे लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने साफ किया कि नए कानून के तहत ना तो दिल्ली में पहली एफआईआर दर्ज हुई और ना ही किसी रेहड़ी वाले पर ऐसा मामला दर्ज हुआ है। इसके बाद दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि एफआईआर गलती से दर्ज हुई। उसे रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सड़क बाधित करने का आरोप लगाया था : कमला मार्केट थाने में एफआईआर संख्या 267 एसआई कार्तिक मीणा की शिकायत पर दी गई। इसके अनुसार, एसआई कार्तिक मीणा एवं अन्य पुलिस कर्मी देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने गश्त कर रहे थे। वहां पंकज नाम का शख्स रेहड़ी लगाकर सिगरेट-बीड़ी और पान मसाला बेचता हुआ दिखाई दिया। चूंकि रेहड़ी सड़क पर लगी थी इसलिए लोगों को आने जाने में दिक्कत हो रही थी। इसके बाद एसआई ने नए कानून के तहत अनिवार्य प्रक्रिया के तहत मोबाइल फोन पर इंस्टॉल ई-प्रमाणन ऐप से मौके की वीडियो बनाई और रेहड़ी वाले का नाम एवं पता आदि दर्ज किया। इसके बाद थाने में तहरीर दी गई जिस पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई।

मामले के बाद अफसरों ने चुप्पी साधी

एफआईआर दर्ज होने के करीब 12 घंटे बाद ही इसे रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। हालांकि, इसके कारणों के विषय में किसी भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कमला मार्केट थाने में दर्ज यह मामला नए कानूनों के तहत किया गया है। इसके लिए पहले भी प्रावधान थे और यह कोई नया प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इसकी समीक्षा करने के प्रावधान का इस्तेमाल किया और इस एफआईआर को रद्द कर दिया है।

कपल को सड़क पर पीटने के वायरल वीडियो पर अब राजनीति तेज

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में एक कपल को सड़क पर पीटने के वायरल वीडियो पर अब राजनीति तेज हो गई है। इसे लेकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कांग्रेस और वामदलों के नेताओं ने भी टीएमसी पर निशाना साधा है। इस मामले में ममता बनर्जी की पार्टी के घिरने की एक वजह यह भी है कि कपल को पीटने वाला टीएमसी का ही नेता है। खासतौर पर महिला की यूं सड़क पर पिटाई के वीडियो से लोग भड़के हुए हैं। कहा जा रहा है कि जिन दोनों की पिटाई की गई, वे अवैध संबंध में थे। उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपरा में सड़क पर महिला को डंडों से पीटने वाले शख्स की पहचान स्थानीय टीएमसी नेता तजमुल उर्फ जेसीबी के तौर पर हुई है।

महिला और पिटने वाले शख्स के खिलाफ स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों ने पंचायत की थी और फिर उन्हें सजा देने का फैसला हुआ था। पुलिस ने इस मामले में रविवार को केस दर्ज कर लिया और तजमुल को अरेस्ट किया है। इसके अलावा चोपरा के विधायक हमीदुल रहमान का कहना है कि महिला की गतिविधियां असामाजिक थीं। इसके अलावा उसने तजमुल से टीएमसी का कोई ताल्लुक होने से इनकार किया है। हमीदुल रहमान ने कहा कि यह गांव का मामला है और इससे टीएमसी का कोई मतलब नहीं है। तृणमूल के विधायक हमीदुल के बयान पर भी विवाद हो रहा है। उन्होंने इस सजा को मुस्लिम राष्ट्र से जोड़ दिया था। उन्होंने कहा था, हम इस घटना की निंदा करते हैं। लेकिन महिला ने गलत किया था। उसने अपने पति, बेटे और बेटी को छोड़ दिया था और अवैध संबंध में थी। मुस्लिम राष्ट्र के मुताबिक कुछ कोड हैं और न्याय उसके मुताबिक ही होता है। हालांकि हम मानते हैं कि जो कुछ हुआ, वह थोड़ा ज्यादा था। अब इस मामले में कानूनी ऐक्शन लिया जाएगा। इस बयान में मुस्लिम राष्ट्र बताने पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि क्या टीएमसी यह घोषित कर रही है कि पश्चिम बंगाल में शरिया कानून लागू होगा। पुलिस ने इस मामले में स्थानीय टीएमसी नेता और दबंग तजमुल हक को अरेस्ट कर लिया है। उसने पूछताछ में बताया है कि पंचायत के फैसले के बाद यह सजा दी गई थी। इस मामले में इस्लामपुर पुलिस ने केस दर्ज किया है और उसका कहना है कि हम अफवाहों को भी रोकने पर फोकस कर रहे हैं। फिलहाल पीड़ित कपल को पुलिस ने सुरक्षा भी प्रदान कर दी है।

हैदराबाद से पकड़ाए महादेव सट्टा के 7 बुकी, पुलिस की रेड से बचने तीसरी मंजिल से कूदा आरोपी

दुर्ग, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग पुलिस ने एक बार फिर महादेव सट्टा ऐप पैनल का भंडाफोड़ किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने हैदराबाद से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी

ऑनलाइन महादेव सट्टा ऐप का पैनल संचालित कर रहे थे। सात सटोरियों के टीम में एक नाबालिग को भी पकड़ गया है। सभी आरोपी भिलाई के रहने वाले है। दुर्ग क्राइम ब्रांच की टीम ने तेलंगाना के गच्चीबाउली पहुंची, जहां एक मकान में ऑनलाइन महादेव सट्टा ऐप का पैनल संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

भिलाई के कैंप निवासी सुजीत साव के द्वारा पैनल चल रहा था। जब पुलिस ने दबिश दी, तो एक आरोपी तीसरे मंजिल से छलांग लगा दी, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। साथ ही पुलिस अन्य आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर दुर्ग पहुंची है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटाप,मोबाइल फोन, सट्टे का लेखा जेखा, बैंक खाते, एटीएम और अन्य सामान बरामद की है की गई है। पुलिस मामले का जल्द खुलासा करेगी।

असम में बाढ़ से बदतर हुए हालात, चीनी सीमा के इलाकों से संपर्क कटा; बह गए पुल

गुवाहटी, एजेंसी। असम में बाढ़ की स्थिति बदतर होती जा रही है और जलस्तर बढ़ने की वजह से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में स्थित 233 वन शिविरों में से 26 प्रतिशत से अधिक जलमग्न हो गए हैं। वहीं भारत-चीन सीमा पर भी कई इलाकों से सड़क मार्ग का संपर्क कट गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के मुताबिक बाढ़ प्रभावित जिलों की संख्अया 12 से बढ़कर 19 हो गई है। ईंटानगर में भारी बारिश की वजह से 2 से 6 जुलाई तक स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है।

पूर्वी कामेंग जिले में कुरुंग नदी पर बना पुल बाढ़ में बह गया। इसके अलावा कई घर भी बाढ़ की चपेट में आ गए। असम में लगभग 8 हजार लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। वहीं तिनसुकिया जिले में सबसे ज्यादा 35 लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के

मुताबिक काजीरंगा वन्य जीव अभयारण्य का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है और बड़ी संख्या में जानवर ऊंचे स्थान की तलाश में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-715 पार कर पूर्वी कार्बी आंगलोंग जिले के दक्षिणी हिस्से की ओर जा रहे हैं। हालांकि, बाढ़ या सड़क पार करने के दौरान किसी जानवर की मौत की खबर नहीं है।

बाढ़ को लेकर तैयार रिपोर्ट के मुताबिक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में स्थापित 61 वन शिविर डूब गए हैं। जलमग्न वन शिविरों में अगोराटोली रेंज के 22, काजीरंगा के 10, बागोरी के आठ, बूढ़ापहाड़ के पांच और बोकाखाट के छह शिविर शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इनके अलावा राष्ट्रीय उद्यान के बिश्वनाथ वन्यजीव प्रखंड में स्थापित 10 वन शिविर भी जलमग्न हो गए हैं।

इसबीच, गोलाघाट जिला प्रशासन ने रविवार शाम को भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के निषेधाज्ञा लागू कर दिया है ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 715 को पार करने वाले जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह राजमार्ग काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरता है। गोलाघाट के जिलाधिकारी विवेक श्याम पंग्योक ने बताया कि राजमार्ग पर यातायात का भारी दबाव होता है। उन्होंने कहा, ''बाढ़ के दौरान राजमार्ग पर वाहनों से वन्य जीवों को आवंछित जोखिम पैदा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि जानवर अस्थायी रूप से कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के अंतर्गत आने वाले प्राकृतिक ऊंचे इलाकों (पहाड़ियों) पर आश्रय के लिए प्रवास करने के लिए गलियारों का उपयोग करते हैं। सोमवार से लागू निषेधाज्ञा के मुताबिक किसी भी व्यावसायिक वाहन को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा केवल निजी वाहन ही दिन के समय नियंत्रित गति से चल सकेंगे। केवल स्थानीय निजी वाहन को ही रात को राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति होगी।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को असम में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और संकट से निपटने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिया। शर्मा ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र और उसकी सभी सहायक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो से तीन दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे फोन कर स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और सेना पूरी तरह से तैयार रहेगी। शर्मा ने कहा, सभी मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों को स्थिति पर बारीकी से नजर रखने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि ब्रह्मपुत्र और बराक घाटियों सहित 14 जिलों में कुल 2,70,628 लोग बाढ़ की स्थिति से जूझ रहे हैं।

हिंडनबर्ग को अडाणी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों को लेकर नोटिस मिला

- शेयर बाजार नियामक सेबी ने मांगा जवाब

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च को अडाणी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों को लेकर शेयर बाजार नियामक सेबी ने 46 पेज का कारण बताओ नोटिस थमाया है।

दरअसल जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर स्टॉक मैनिपुलेशन से लेकर मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि उसे सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया से कारण बताओ नोटिस मिला है, जिसमें अडानी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर जवाब मांगा गया है। पिछले साल जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट पब्लिश की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि अडाणी समूह ने अपने शेयरों में हेरफेर और धोखाधड़ी की। इन आरोपों के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में 150 बिलियन की गिरावट आई थी। बाजार नियामक सेबी से मिले कारण बताओ नोटिस को लेकर हिंडनबर्ग ने अपनी नाराजगी जाहिर की। अमेरिकी फर्म ने सेबी के इस नोटिस को डराने-धमकाने का प्रयास बताया। हिंडनबर्ग ने एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा कि नियामक ने अस्पष्ट आरोप लगाया था कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में रीडर्स को गुमराह करने वाले गलत बयान शामिल थे।

हिंडनबर्ग ने कहा कि हमें लगता है कि सेबी ने अपनी जिम्मेदारी को नहीं निभाया है, ऐसा लग रहा है कि वह धोखाधड़ी करने वालो से निवेशकों की रक्षा करने के बजाय धोखाधड़ी करने वालों का बचाव करने की कोशिश कर रही है।

वहीं सेबी का कहना है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने स्कैंडल जैसे आरोपों का उपयोग कर जानबूझकर कुछ तथ्यों को सनसनीखेज बनाया।

सेबी ने नोटिस में कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने बिना किसी साक्ष्य के अपनी रिपोर्ट में गलत बयानबाजी की।

अब 4 आसियान देशों के लोग भी कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

नई दिल्ली ।

क्रॉस बॉर्डर रिटेल पेमेंट के समर्थन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) प्रोजेक्ट नेक्सस में शामिल हो गया है। यह यूपीआई जैसे डोमेस्टिक फास्ट पेमेंट सिस्टम (एफपीएस) को सरहद पार बैठे लोगों के बीच पैसों को भुगतान करने में सक्षम बनाएगा। अगले साल से फिलीपींस, मलेशिया और थाईलैंड के फास्ट पेमेंट सिस्टम को यूपीआई से जोड़ दिया जाएगा, जिससे इन देशों के नागरिक यूपीआई से पैसों का डिजिटल ट्रांजैक्शन करने में सक्षम होंगे। इंडोनेशिया भी भविष्य में यूपीआई पेमेंट सिस्टम से जुड़ सकता है। पिछले दिनों समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि मेरे विचार में प्रोजेक्ट नेक्सस का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि इससे सीमा-पार भुगतान बहुत तेज और कम खर्चीला हो जाएगा। यह कम लागत पर सीमा-पार डिजिटल ट्रांजैक्शन को तेज करने के लिए देशों के बीच अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ा देगा।

आरबीआई यूपीआई और कई देशों के एफपीएस के माध्यम से सीमा पार खुदरा भुगतान को सक्षम करने के लिए प्रोजेक्ट नेक्सस में शामिल हो गया है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने विश्व बैंक के आकलन के अनुरूप लागत में कमी की उम्मीद जताई है। इस पहल में बीआईएसआईएच शामिल है और इसका उद्देश्य भुगतान दक्षता और गति को बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय सहयोग करना है, जिससे व्यक्ति-से-व्यक्ति और व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन को लाभ होगा।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने प्रोजेक्ट नेक्सस के लाभों पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड जैसे देशों के फास्ट पेमेंट सिस्टम के साथ यूपीआई को जोड़ना है, जिसमें बाद में इंडोनेशिया भी शामिल होगा. इस पहल का उद्देश्य सीमा पार भुगतान दक्षता में सुधार करना है, जिससे तेज और अधिक लागत प्रभावी ट्रांजैक्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक इंडियन मार्केट से हुई गायब

-अब नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को लाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में हुंडई ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक की बिक्री बंद कर दी है। भारत में हुंडई कोना कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक कार थी। इसकी जगह अपनी एक पॉपुलर एसयूवी का इलेक्ट्रिक वर्जन उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि कंपनी इंडियन मार्केट में क्रेटा इलेक्ट्रिक को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन को कई बार टेस्टिंग करते देखा गया है। इससे उम्मीद है कि कंपनी इसे जल्द ही लॉन्च कर सकती है। क्रेटा ईवी का काफी लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। कंपनी की ये इलेक्ट्रिक कार मास मार्केट के लिए हिट साबित हो सकती है। इंडियन मार्केट में टाटा कर्व और मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार के आने की भी खबरें हैं। ऐसे में हुंडई को अपनी तैयारी मजबूत करनी होगी। मार्केट में लॉन्च होने के बाद क्रेटा ईवी की सबसे बड़ी चुनौती टाटा नेक्सान ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी400 जैसी इलेक्ट्रिक कारें होंगी। इसका मुकाबला मारुति सुजुकी ईवीएक्स से भी हो सकता है।

अगले साल जनवरी में क्रेटा ईवी लॉन्च हो सकती है, और इसकी कीमत कोना इलेक्ट्रिक से कम होगी। क्रेटा ईवी की एक्सपेक्टेड रेंज 350-400 किलोमीटर के आसपास होने की उम्मीद है। हालांकि, हुंडई ने इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।बता दें कि कोना इलेक्ट्रिक को 2019 में लॉन्च किया गया था लेकिन ठीक इसके 5 साल बाद कंपनी ने मॉडल को अपने आधिकारिक वेबसाइट से चुपचाप हटा दिया है। इस कदम को हुंडई की क्रेटा ईवी की तैयारी से जोड़ा जा रहा है, जिसके 2025 की शुरुआत में शोरूम में आने की उम्मीद है।

कोना इलेक्ट्रिक को 25.30 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया था। बाद में कम्पनी इसपर 2 लाख रुपये का डिस्काउंट भी दे रही थी। कोना इलेक्ट्रिक में 100 केडब्ल्यू का इलेक्ट्रिक मोटर लगाया गया है, जो 131 बीएचपी और 395 एनएम का टॉर्क देता है। इसमें 39.2केडब्ल्यूएच की बैटरी लगाई गई है, जिसके फुल चार्ज होने पर 453 किलोमीटर की रेंज मिलती है। कोना इलेक्ट्रिक को भारतीय बाजार में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें से इसकी अधिक कीमत और क्रॉसओवर डिजाइन शामिल था।

सोना 71,700 और चांदी 87,850 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 30 रुपये की तेजी के साथ 71,684 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 17 रुपये की तेजी के साथ 71,671 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 299 रुपये की तेजी के साथ 87,821 रुपये पर खुला। इस समय यह 327 रुपये की तेजी के साथ 87,849 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,341.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,338.90 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,337.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.76 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.61 डॉलर था।

खबर लिखे जाने के समय यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 29.65 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जून में भारत का ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 1.74 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत का ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन जून में सालाना आधार पर 7.7 फीसदी बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। इससे चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल जमा राशि 5.57 लाख करोड़ रुपये हो गई है। अप्रैल 2023 में जीएसटी कलेक्शन 1.87 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। नवीनतम डेटा भारत में जीएसटी की सातवीं वर्षगांठ के साथ मेल खाता है। जीएसटी में लगभग 17 स्थानीय कर एवं उपकर शामिल किए गए और इसे एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था। जीएसटी की लागू करना भारतीय कराधान इतिहास में एक प्रमुख मोड़ था। भारत जैसे विविधतापूर्ण और संघीय राष्ट्र में जहां कई कर कानूनों को एक प्रणाली में जोड़ दिया गया था, इस सर्व-समावेशी प्रणाली को अपनाना विशेष रूप से उल्लेखनीय था। सूत्र ने बताया कि जून में एकत्र कुल सकल जीएसटी राजस्व में से सीजीएसटी 39,586 करोड़ रुपये और एसजीएसटी 33,548 करोड़ रुपये है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि माल और सेवा कर आने से घरेलू उत्पादों और मोबाइल फोन के लिए कर की दरें कम हुई हैं और इससे हर घर को राहत मिली है। नई अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के तौर पर जीएसटी ने सोमवार को अपने सात साल पूरे किए हैं। सातवें

जीएसटी दिवस का विषय सशक्त व्यापार, समग्र विकास है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू सामानों पर कर की दरें कम होने से घरेलू उपकरणों और मोबाइल फोन पर कम जीएसटी के माध्यम से हर घर को खुशी और राहत मिली है।

एलाइड ब्लेंडर्स के शेयर 14 प्रतिशत तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का शेयर 281 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 14 प्रतिशत उछाल के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 13.20 प्रतिशत बढ़कर 318.10 रुपये पर खुला। बाद में यह 14.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 322.40 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 13.87 प्रतिशत की उछाल के साथ 320 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,869.61 करोड़ रुपये रहा। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 23.49 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ में 1,000 करोड़ रुपये तक का नया निर्गम और 500 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। इसका मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने एंकर (बड़े) निवेशकों से 449 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त राशि में 720 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज के भुगतान के लिए किया जाएगा और एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

जून में देश में ईवी वाहनों की बिक्री 14 फीसदी घटी

नई दिल्ली । देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में मई के मुकाबले जून के महीने में 14 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी नीतियों में बदलाव और हाइब्रिड वाहनों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि जैसे कारकों की वजह से ऐसा हो सकता है। अलबत्ता जून 2024 की यह बिक्री पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक रही। तब सब्सिडी में सरकारी बदलावों के कारण बिक्री में गिरावट आई थी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन के आंकड़ों के अनुसार जून 2024 में ईवी की बिक्री मई में की गई 1,23,704 ईवी बिक्री की तुलना में 14 प्रतिशत से भी ज्यादा घटकर 1,06,081 रह गई। यह इस कैलेंडर वर्ष में बिक्री की सबसे कम संख्या है। इस साल अब तक करीब 8,39,545 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए हैं जो कुल बिके 1,25,41,684 वाहनों का करीब 6.69 प्रतिशत है। ईवी के मामले में इस साल और पिछले साल जून सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला महीना रहा है। हालांकि जून 2024 में बड़ा सुधार नजर आया जिसमें 1,23,704 वाहनों का पंजीकरण किया गया जो जून 2023 में पंजीकृत 1,02,645 वाहनों की तुलना में 20.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। पिछले साल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी को लगभग 60,000 रुपए से घटाकर लगभग 22,500 रुपए करने के केंद्र सरकार के फैसले की वजह से ईवी की बिक्री में गिरावट आई थी। इस कदम से ई-दोपहिया वाहनों की औसत कीमत में 20 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हो गया जो आम तौर पर 80,000 से 1,50,000 रुपए के बीच होती है।

मारुति सुजुकी की जून में बिक्री 12 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश की वाहन बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी की जून महीने में कुल थोक बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 1,79,228 यूनिट रही। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि कंपनी की पिछले साल इसी महीने में थोक बिक्री 1,59,418 यूनिट थी। बयान के अनुसार जून में कुल घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री तीन प्रतिशत बढ़कर 1,37,160 यूनिट रही, जून 2023 में यह 1,33,027 यूनिट थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों की बिक्री जून 2023 में 14,054 इकाइयों से घटकर पिछले महीने 9,395 यूनिट रह गई। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कार की बिक्री जून में 64,049 यूनिट रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 64,471 यूनिट थी। बेजा, एर्टिगा, एस-क्रॉस और एक्सएल6 सहित यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 52,373 यूनिट रही, जबकि जून 2023 में यह 43,404 यूनिट थी। ईको की बिक्री पिछले महीने 10,771 यूनिट रही, जबकि पिछले साल जून में यह 9,354 यूनिट थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 2,758 यूनिट रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,992 यूनिट थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसका निर्यात 31,033 यूनिट रहा, जबकि जून 2023 में यह 19,770 यूनिट था।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 34.74 अंक , निफ्टी भी 18.10 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बैंकिंग और टेलीकॉम शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से आई है। , आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला और सेंसेक्स ऑलटाइम हाई पर पहुंचा पर इसके कुछ समय बाद ही मुनाफावसूली बढ़ने से बाजार नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 34.74 अंक करीब 0.04 फीसदी नीचे आकर 79,441.45 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 18.10 अंक तकरीबन 0.07 फीसदी टूटकर 24,123.85 पर पहुंच गया। इंट्रा-डे (एक ही दिन में शेयर खरीदने के मामले) में यह 94.4 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी ऊपर आकर 24,236.35 के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टाइटन के शेयर गिरे जबकि लार्सन एंड टूब्रो, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में टोक्यो, शंघाई और हांगकांग बढ़कर बंद हुए, जबकि सियोल निचले स्तर पर आया। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी

संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 426.03 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

सेंसेक्स 443.46 अंक यानी 0.56 फीसदी की बढ़त के साथ 79,476.19 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी भी 131.35 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ ही 24,141.95 अंक पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुले। निफ्टी50 इंडेक्स 95 अंक बढ़कर 24,236 पर और बीएसई सेंसेक्स 364 अंक चढ़कर 79,840 के स्तर पर पहुंच गया। व्यापक सूचकांकों में मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.58 प्रतिशत बढ़े, जिससे बाजार को सकारात्मक संकेत मिला।

कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा

नई दिल्ली । सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को मंगलवार से 3,250 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार नई दरें दो जुलाई से प्रभावी हो गईं। भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया और उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। कर दरों की समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े पिछले दो सप्ताह की औसत तेल कीमतों के आधार पर की जाती है।

एजेएक्स इंजीनियरिंग ने एआई-संचालित कंक्रीट जीपीटी मंच लांच किया

नई दिल्ली । कंक्रीटिंग उपकरण विनिर्माता कंपनी एजेएक्स इंजीनियरिंग ने कंक्रीट और विनिर्माण उद्योग के लिए एआई-संचालित मंच कंक्रीट जीपीटी पेश किया है। यह कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित मंच अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु, मराठी और कन्नड़ भाषा में काम करता है। कंपनी बयान के अनुसार इसका मकसद विनिर्माण और कंक्रीट विशेषज्ञों को नवीनतम बाजार अंतर्दृष्टि, नवाचारों तथा नियामक संबंधी अद्यतन व विशेषज्ञ-मान्यता प्राप्त तकनीकी जानकारी प्रदान कर उनकी सेवा करना है। एजेएक्स इंजीनियरिंग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमें विश्वास है कि कंक्रीट जीपीटी निरंतर सुधार, सीखने और कौशल उन्नयन की संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करेगा। इससे लोगों को उद्योग की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से लैस किया जा सकेगा।

रिलायंस का मार्केट कैप 100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है: मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली।

देश की अग्रणी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 100 अरब डॉलर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। तेल से लेकर दूरसंचार तक के कारोबार में सक्रिय रिलायंस इंडस्ट्रीज के पिछले तीन दशकों में चलाए गए मौद्रीकरण चक्रों में शेयरधारकों को दो-तीन गुना मूल्य मिला है। इस दौरान हरेक दशक में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 60 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा है। आरआईएल इस सदी के अपने चौथे मौद्रीकरण दौर में है। ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टैनली ने कहा` कि मौद्रीकरण 4.0 अलग है, इसे कारोबार में तेजी, घरेलू मांग और कम प्रतिस्पर्धा से समर्थन मिल रहा है। वर्ष 1997 के बाद से आरआईएल के चौथे मौद्रीकरण दौर में बाजार पूंजीकरण में 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक की वृद्धि होनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक पूंजीकरण में वृद्धि होने की मुख्य वजह रिलायंस की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि, पूर्ण एकीकरण और कंपनी व्यवसाय को नया स्वरूप देने पर हर बार निवेशकों की अपेक्षाओं से अधिक प्रदर्शन करने की इसकी क्षमता रही है। यह मौद्रीकरण 2021-23 में 60 अरब डॉलर के निवेश के बाद हुआ है, जो आरआईएल के लिए 1990 के दशक के बाद सबसे छोटा निवेश चक्र था। मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की आय वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2025-26 के दौरान 12 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ेगी, जिसमें सभी क्षेत्रों से आय में तेजी आएगी। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा ` कि नई ऊर्जा, उच्च दूरसंचार शुल्क, रासायनिक कारोबार के मार्जिन जैसे नए राजस्व धाराओं को वितरित किए जाने के बाद इसने महत्वपूर्ण बाजार पूंजीकरण परिवर्तन देखा है।

मिशन रानीगंज में अक्षय कुमार को देखिए बहादुर जसवंत सिंह गिल के रोल में!

मुंबई : एंड पिक्चर्स पर फिल्म मिशन रानीगंज के चैनल प्रीमियर में देखिए साहस और जज्बे, बहादुरी और हौसले की ये दास्तान 1989 के असली बचाव मिशन पर आधारित है। मिशन रानीगंज दिवंगत जसवंत सिंह गिल को श्रद्धांजलि देती है, जिन्होंने बाद में डूबी एक कोयला खदान में फंसे 65 खनिकों की जान बचाई थी। इस फिल्म खास तौर पर तैयार किए गए बचाव कैप्सूल की मदद से खदान में फंसे मजदूरों की जान बचाते हुए अटूट हौसले और हिम्मत का परिचय दिया। बल्कि यह उन खनिकों और उन्हें बचाने वाले लोगों के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक संघर्षों में भी गहराई तक उतरती है।

अक्षय कुमार कहते हैं, मिशन रानीगंज उस अटूट हौसले और उन गुमनाम नायकों को याद करती है जो लोगों की भलाई के लिए अपना सबकुछ दांव पर लगा देते हैं।

सबके लिए त्वरित न्याय की अवधारणा पर आधारित हैं नये आपराधिक कानून

डॉ. मोहन यादव

पिछले दशक में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है।

भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तन और सुधार एक महत्वपूर्ण विषय है, जो समाज की बदलती आवश्यकताओं और न्याय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए समय-समय पर किया जाता है। हाल ही में, भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे आपराधिक कानूनों को संसद में पारित किया गया। अब एक जुलाई 2024 से पूरे देश में यह लागू हो रहा है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने संसद में कानून को पेश करते हुए कहा कि खत्म होने वाले ये तीनों कानून अंग्रेजी शासन को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे। इनका उद्देश्य दंड देने का था, न कि न्याय देने का। तीन नए कानून की आत्मा भारतीय नागरिकों को संविधान में दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करना, इनका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि न्याय देना होगा। भारतीय आत्मा के साथ बनाए गए इन तीन कानूनों से हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा।

पुराने कानूनों में गुलामी की बू आती थी। ये तीनों पुराने कानून गुलामी की निशानियों से भरे हुए थे क्योंकि इन्हें ब्रिटेन की संसद ने पारित किया था और हमने सिर्फ इन्हें अपनाया था। इन कानूनों में पार्लियामेंट ऑफ यूनाइटेड किंगडम, प्रोविंशियल एक्ट, नोटिफिकेशन बाई द क्राउन रिप्रेजेंटेटिव, लंदन गैजेट, ज्यूरी और बैरिस्टर, लाहौर गवर्नमेंट, कॉमनवेल्थ के प्रस्ताव, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड पार्लियामेंट का जिक्र है। इन कानूनों में हर मैजेस्टी और बाइ द प्रिवी काउंसिल के रेफरेंस दिए गए हैं, कॉपीज एंड एक्सट्रैक्ट्स कंटेंट इन द लंदन गैजेट के आधार पर इन कानूनों को बनाया गया, पजेशन ऑफ द ब्रिटिश क्राउन, कोर्ट ऑफ जस्टिस इन इंग्लैंड और हर मैजेस्टी डोमिनियन्स का भी जिक्र इन कानूनों में कई स्थानों पर है। अच्छी बात यह कि गुलामी की निशानियों को पूरा तरह मिटा दिया गया है। जिसके तहत 475 जगह गुलामी की निशानियों को समाप्त कर दिया गया है। हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत समय लगता है, कई बार न्याय इतनी देर से मिलता है कि न्याय का कोई मतलब ही नहीं रह जाता है, लोगों की श्रद्धा उठ जाती है और अदालत में जाने से डरते हैं।

इन कानूनों को बनाने के पीछे बहुत लंबी प्रक्रिया रही है। इन कानूनों को आज के समय के अनुरूप बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त, 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और देश के सभी कानून विश्वविद्यालयों को पत्र लिखे थे। वर्ष 2020 में सभी, महामहिम राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और सांसदों एवं संघ-शासित प्रदेशों के महामहिम प्रशासकों को पत्र लिखे गए। इसके बाद व्यापक परामर्श के बाद ये नैतिक कानून बनने जा रही है। इसके लिए 18 राज्यों, 6 संघशासित प्रदेशों, सुप्रीम कोर्ट, 16 हाई कोर्ट, 5 न्यायिक अकादमी, 22 विधि विश्वविद्यालय, 142 सांसद, लगभग 270 विधायकों और

जनता ने इन नए कानूनों पर अपने सुझाव दिए हैं। वह प्रक्रिया सरल नहीं थी, काफी मेहनत की गई बीते 4 सालों में। खूब विचार विमर्श किया गया है। इस संदर्भ में हुई 158 बैठकों में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उपस्थित रहे हैं।

इन कानूनों में क्या बदलाव हुआ है, इस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बताया कि आज तक आतंकवाद से परिचित सभी थे लेकिन आतंकवाद की परिभाषा, व्याख्या नहीं थी। अब ऐसा नहीं रहेगा। अब अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियां, अलगाववाद, भारत की एकता, संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देने जैसे अपराधों की पहली बार इस कानून में व्याख्या की गई है। इससे जुड़ी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार भी दिया गया है। जांचकर्ता पुलिस अधिकारी के संज्ञान पर कोर्ट इसका आदेश देगा। गौरतलब है कि अनुपस्थिति में ट्रायल के बारे में केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला किया है। सेशंस कोर्ट के जज द्वारा प्रक्रिया के बाद भगोड़ा घोषित किए गए व्यक्ति की अनुपस्थिति में ट्रायल होगा और उसे सजा भी सुनाई जाएगी, चाहे वो दुनिया में कहीं भी छिपा हो। उसे सजा के खिलाफ अपील करने के लिए भारतीय कानून और अदालत की शरण में आना होगा। अभी तक देखा गया है कि देश भर के पुलिस स्टेशनों में बड़ी संख्या में केस संपत्तियां पड़ी रहती हैं। अब इस ओर भी तेजी लाई जाएगी। यानी अब इनकी वीडियोग्राफी करके सत्यापित प्रति कोर्ट में जमा करके इनका निपटारा किया जा सकेगा।

इन कानूनों में अत्याधुनिकतम तकनीकों को समाहित किया गया है। दस्तावेजों की परिभाषा का विस्तार कर इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड्स, ई-मेल, सर्वर लॉग्स, कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप्स, एसएमएस, वेबसाइट, लोकेशनल साक्ष्य, डिवाइस पर उपलब्ध मेल और मैसेजेस को कानूनी वैधता दी गई है, जिनसे अदालतों में लगने वाले कागजों के अंबार से मुक्ति मिलेगी। इस कानून को डिजिटलाइज किया गया है, यानी एफआईआर से केस डायरी, केस डायरी से चार्जशीट और चार्जशीट से जजमेंट तक की सारी प्रक्रिया को डिजिटलाइज करने का प्रावधान इस कानून में किया गया है। अभी सिर्फ आरोपी की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो सकती है, लेकिन अब पूरा ट्रायल, क्रॉस क्वेश्चनिंग (१ड्ड२२ ०श्चे२३ड्डल्लह्ल) सहित, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभव होगी। शिकायतकर्ता और गवाहों का परीक्षण, जांच-पड़ताल और मुकदमे में साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग और उच्च न्यायालय के मुकदमे और पूरी अपीलीय कार्यवाही भी अब डिजिटली संभव होगी। सर्च और जब्ती के समय वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया है, जो केस का हिस्सा होगी और इससे निर्दोष नागरिकों को फंसाया नहीं जा सकेगा। पुलिस द्वारा ऐसी रिकॉर्डिंग के बिना कोई भी चार्जशीट वैध नहीं होगी।

आजादी के 75 सालों के बाद भी दोष सिद्धि का प्रमाण बहुत कम है। यही कारण है कि मोदी सरकार ने फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा देने का काम किया है। तीन साल के बाद हर साल 33 हजार फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स देश को मिलेंगे। साथ ही श्री अमित शाह ने लक्ष्य रखा है कि दोष सिद्धि के प्रमाण को 90 प्रतिशत से ऊपर लेकर जाना है। इसके लिए एक महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है कि 7 वर्ष या इससे अधिक सजा वाले अपराधों के क्राइम सीन पर फॉरेंसिक टीम की विजिट को अनिवार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से पुलिस के पास एक वैज्ञानिक साक्ष्य होगा जिसके बाद कोर्ट में दोषियों के बरी होने की संभावना बहुत कम हो जाएगी। वर्ष 2027 से पहले देश की सभी अदालतों को कंप्यूटराइज्ड कर दिया जाएगा। इसी प्रकार मोबाइल फॉरेंसिक वैन का भी अनुभव किया जा चुका है। दिल्ली इसका उदाहरण है। दिल्ली में इसका सफल प्रयोग किया गया। इसके तहत 7 वर्ष से अधिक सजा के प्रावधान वाले किसी भी अपराध के स्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैबरोटरी (एफएसएल) की टीम पहुंचती है। इतना ही नहीं मोबाइल एफएसएल को भी लॉन्च किया गया। बता दें कि यह संकल्पना पूर्ण रूप से सफल है। यही वजह है कि अब हर जिले में 3 मोबाइल एफएसएल रहेंगी और अपराध स्थल पर जाएंगी।

यौन हिंसा के मामले में भी पहले के कानून में फेर-बदल किया गया है। इसके अंतर्गत यौन हिंसा के मामले में पीड़ित का बयान अनिवार्य कर दिया गया है और यौन उत्पीड़न के मामले में बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग भी अब अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस को 90 दिनों में शिकायत का स्टेटस और उसके बाद हर 15 दिनों में फरियादी को स्टेटस देना अनिवार्य होगा। पीड़ित को सुने बिना कोई भी सरकार 7 वर्ष या उससे अधिक के कारावास का केस वापस नहीं ले सकेगी, इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी। ऐसा पहली बार हुआ है कि कम्युनिटी सर्विस को सजा के रूप में इस कानून के तहत लाया जा रहा है। छोटे मामलों में समरी ट्रायल का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। अब 3 साल तक की सजा वाले अपराध समरी ट्रायल में शामिल हो जाएंगे। इस अकेले प्रावधान से ही सेशंस कोर्ट्स में 40 प्रतिशत से अधिक केस समाप्त हो जाएंगे। आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिनों की समय सीमा तय कर दी गई है और परिस्थिति देखकर अदालत आगे 90 दिनों की परमिशन और दे सकेंगी। इस प्रकार 180 दिनों के अंदर जांच समाप्त कर ट्रायल के लिए भेज देना होगा। कोर्ट अब आरोपित व्यक्ति को आरोप तय करने का नोटिस 60 दिनों में देने के लिए बाध्य होंगे। बहस पूरी होने के 30 दिनों के अंदर माननीय न्यायाधीश को फैसला देना होगा, इससे सालों तक निर्णय लंबित नहीं रहेगा और फैसला 7 दिनों के अंदर ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा।

पुराने आपराधिक कानूनों को निरस्त करना और नए कानूनों को अपनाना देश की वर्तमान वास्तविकताओं को दर्शाता है। भारतीय लोकाचार और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए इन कानूनों का नाम बदला गया। जैसे कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 - पुरातन ब्रिटिश औपनिवेशिक युग से प्रस्थान का प्रतीक है, जिसमें सजा पर न्याय पर जोर दिया जाता है।

पिछले दशक में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य-सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है। (लखेक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

संपादकीय

एक सार्थक पहल

हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है। चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वे कामकाजी महिलाएं हों या घरेलू। मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से मां का तो सम्मान होगा ही साथ में धरती मां की रक्षा भी होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी के मासिक कार्यक्रम ह्ममन की बातह्न के दौरान ये बातें कही। विश्व पर्यावरण दिवस यानी 5 जून को शुरू किए गए ह्मएक पेड़ मां के नामह्न अभियान की चर्चा के दौरान उन्होंने यह कहा। 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए मोदी ने देशवासियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था, जिसमें पैंसठ करोड़ लोगों ने मत डाले। वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम की हौसलाफजाई भी नहीं भूलें। उन्होंने जनता से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए हैशटैग ह्मचीयर 4 भारतह्न का प्रयोग करने का आग्रह भी किया। चूंकि कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों तक प्रधानमंत्री की आवाज सीधा पहुंचाना है। दूर-दराज व ग्रामीण इलाकों तक संदेश पहुंचाने के लिए इसे टीवी व यू-ट्यूब के साथ रेडियो पर प्रसारित किया जाता है। 2014 के सर्वेक्षण के अनुसार इसे 66.7 फीसद आबादी द्वारा सुना गया। साथ ही यह आकाशवाणी के लिए राजस्व जुटाने का प्रमुख कार्यक्रम बन चुका है। नि:संदेह ह्ममन की बातह्न कार्यक्रम द्वारा मोदी ने खास वर्ग के दिलों को छूने का काम किया है। ग्लोबल वार्मिंग की मार झेल रहे नागरिकों को मां के नाम पर पौधा रोपने के लिए प्रोत्साहित करना, बेहतरीन नतीजे दे सकता है। पेड़ का आज के समय में कितना महत्त्व है, यह जगजाहिर है। हमारी परंपरा व परिवार के अटूट बंधन की यही तो बुनियाद है। हालांकि देश के मुखिया को जबरदस्त बारिश, बाढ़, पीने के पानी की कमी जैसी बुनियादी दिक्कतों की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। राज्य सरकारों की नकेल कसते हुए उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और बुनियादी जरूरत के प्रति जवाबदेह बनाना होगा। लोग सिर्फ पौधे लगा कर उन्हें छोड़ न दें, बल्कि उनकी उचित देखभाल का जिम्मा भी लें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले वक्त में हमें और आने वाली पीढ़ी को कई तरह की दुारियां झेलनी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।

की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निश्शंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

संसद में दिया गया राहुल गांधी का भाषण चचाओं में

सनत जैन

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के पहले, विपक्ष नीट वाले मामले की चर्चा करना चाहता था। सरकार ने स्थगन प्रस्ताव मंजूर नहीं किया। सरकार और आसंदी का कहना था। राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष अपनी बात कह सकता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान स्थगन या अन्य प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सरकार को भरोसा था, स्थगन प्रस्ताव को लेकर विपक्ष हो-हल्ला और हंगामा करेगा। धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा में भाग नहीं लेगा। सरकार विपक्ष के ऊपर आरोप लगाएगी। विपक्ष चर्चा ही नहीं करना चाहता है। इससे सरकार को नीट का मामला डाइवर्ट करने में मदद मिलती। विपक्ष भी अब सत्ता पक्ष की चाल को समझने लगा है।

राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर विपक्ष चर्चा करने के लिए तैयार हो गया। सत्ता पक्ष की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुरुआत की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियां और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और विकास को अपने भाषण में शामिल किया। अनुराग ठाकुर ने सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की जो उपलब्धियां बताई थी। उसी को आधार बनाकर राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से अपना पक्ष रखा। राहुल गांधी ने अयोध्या मामले में हिंदू और नफरत को राम मंदिर और अयोध्या के विकास से जोड़कर ,जिस तरह अहिंसा और हिंदू की व्याख्या की। वह तारीफ करने योग्य थी। राहुल गांधी ने अपने भाषण में भगवान शिव, गुरु नानक देव, यीशु मसीह, भगवान राम के अहिंसा संदेशों की याद दिलाते हुए कहा, किसी ने भी हिंसा का कभी समर्थन नहीं किया। हिंदुत्व,अग्निवीर,पेपर लीक एवं कोटा का उल्लेख करते हुए,उन्होंने सरकार के ऊपर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को समझ गए हैं। उन्होंने डर और भय की राजनीति से दूर रहने के लिए कहा। उन्होंने सदन के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर निशाना साधते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और भाजपा के अंदर प्रधानमंत्री मोदी के भय का उल्लेख करते हुए, सत्ता पक्ष को निशाने पर लिया। आसंदी को उन्होंने सर्वोच्च बताते हुए किसी के सामने नहीं झुकने की सलाह दे डाली। अडानी और अंबानी का भी उल्लेख उन्होंने नोटबंदी से जोड़कर कर दिया। सांप्रदायिक आधार पर लोगों के बांटने पर उन्होंने सरकार को घेरा। उन्होंने यह भी कह दिया, हिंदू समाज कभी हिंसक नहीं हो सकती है। एक तरह से उन्होंने भाजपा और उनके सभी सहयोगी संगठनों को हिंदू के नाम पर हिंसक बताने का काम किया।

बहरहाल राहुल गांधी के 1 घंटे 40 मिनट के भाषण को लेकर, जिस तरह की प्रतिक्रिया सारे देश में हो रही है। उसमें विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें सराहा गया है। वहीं सदन में सरकार को हर मुद्दे में घेरने में सफल हुए हैं। यह अलग बात है, राहुल गांधी के भाषण के कई अंश लोकसभा की कार्रवाई से हटा दिए गए हैं। डिजिटल मीडिया के जमाने में लोकसभा की कार्रवाई लाइव चल रही थी। राहुल ने जो भी बोला, वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लोगों तक तुरंत पहुंच गया। स्थगन प्रस्ताव सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ने भले स्वीकार नहीं किया। राहुल गांधी ने जिस तरह से परीक्षा मे हो रही गड़बड़ी,अग्निवीर, सत्य- अहिंसा और हिंदू की व्याख्या की है। राहुल गांधी ने कहा हिंदू कभी हिंसक नहीं हो सकता है। जो हिंसक है, वह हिंदू नहीं हो सकता है। हिंदुत्व और हिंदू धर्म को लेकर उन्होंने सत्ता पक्ष के लिए कड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

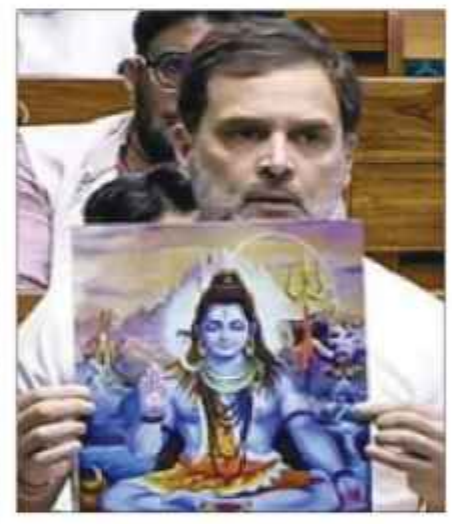

राहुल गांधी ने संसद के अंदर जनता की समस्याओं को मजबूती के साथ रखा है। राहुल गांधी के भाषण की चर्चा सारे देश और दुनिया में हो रही है। राहुल गांधी की जो छवि बनाई गई थी। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी की छवि ठीक उसके विपरीत नजर आई, यही राहुल गांधी और विपक्ष की सफलता है।

मुद्दाः अर्थव्यवस्था को मजबूती देते प्रवासी

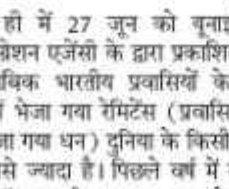

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 27 जून को यूनाइटेड नेशंस माइग्रेशन एजेंसी के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों के द्वारा वर्ष 2023-24 में भेजा गया रेमिटेंस (प्रवासियों के द्वारा अपने घर भेजा गया धन) दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। पिछले वर्ष में यह रेमिटेंस 107 अरब डॉलर यानी 8.95 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर है। खास बात यह है कि पिछले वर्ष में भारतीयों द्वारा भेजी गई वह रकम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से लगभग दो गुना है। यह लगातार दूसरा साल है, जब भारतीयों ने 100 अरब डॉलर से ज्यादा की धनराशि भारत भेजी है। पिछले वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रवासियों ने 111 अरब डॉलर का रेमिटेंस भारत भेजा था। ज्ञातव्य है कि भारत के बाद मेक्सिको, चीन, फिलीपींस और रूस सबसे ज्यादा रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देश है।

यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि पिछले एक दशक में भारत में लगातार अन्य देशों के मुकाबले रेमिटेंस सबसे अधिक रहा है। भारत में वर्ष 2010 में रेमिटेंस के तौर पर 53.48 अरब डॉलर आए थे। वहीं ये वर्ष 2015 में बढ़कर 68.19 अरब डॉलर और वर्ष 2020 में 86.15 अरब डॉलर हो गए हैं। प्रवासी भारतीयों की से भारत भेजा गया धन वर्ष 2021-22 में 86.57 अरब डॉलर था। प्रवासियों का यह धन जहां प्रवासियों के परिजनों को मुस्कुराहट दे रहा है, वहीं अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसद की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार बंद होने के कारण देश में आर्थिक-सामाजिक परेशानियां बढ़ गई थी, उस समय आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों के द्वारा भेजी गई बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। गौरतलब है कि दुनिया में प्रवासी भारतीयों की संख्या करीब 1 करोड़ 80 लाख है। दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रवासी भारत के हैं। सबसे ज्यादा भारतीय प्रवासी संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब में रहते हैं। पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं। निसंदेह प्रवासी भारतीय भारत की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी शक्ति बढ़ाने में भी अहम सहयोग कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाई भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्त्वपूर्ण हो गई है। इतना ही नहीं भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, नोवार्टिस के वसंत नरसिम्हन आदि अपनी प्रतिभा, कौशल से कारोबार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहे हैं और भारत के विकास के सहभागी भी बन रहे हैं। इस समय 18वीं लोक सभा चुनाव के बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की एनडीए गठबंधन सरकार बनने के बाद प्रवासियों का कहना है कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी नई सरकार से प्रवासियों को भारत के विकास में सहयोग और सहभागिता करने के मद्देनजर नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

अमेरिका में कार्यरत भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक फंडराइजर तथा भारत हितैषी प्रवासियों के विभिन्न संगठनों का कहना है कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के आर्थिक और राजनीतिक मंचों पर जिस तरह भारत की सफलताओं का परचम फहराया है, उससे प्रवासियों के द्वारा गर्व अनुभव किया जा रहा है। उनका मानना है कि पिछले 10 वर्षों में भारत की सुरक्षा में सुधार हुआ है। सरकार ने आतंकवादी खतरों या आतंकवादी घटनाओं को नियंत्रित कर दिया है। सरकार की नीतियां भारत को आगे बढ़ा रही हैं। ज्ञातव्य है कि जहां वर्ष 2023 में इजराइल और हमास आतंकियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच इजराइल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। साथ ही वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था। तब 'ऑपरेशन गंगा' के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित भारत वापस लाया गया था। इसमें कोई दो मत नहीं कि अभी भारत द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्द को कम करने में और अधिक सहयोग किया जाना होगा। भारत सरकार को और अधिक सक्रियता जरूरी है। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में एनडीए गठबंधन की नई सरकार के द्वारा प्रवासियों के साथ स्नेह व सहभागिता के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

साउथ में कमाल पर कमाल दोहरा रहीं कल्कि

बॉलीवुड की टैलेंटेड अदाकारा कल्कि केकलां दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। वे आने वाले दिनों में तमिल फिल्म नेसिप्पाया में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री इस फिल्म में एक वकील की भूमिका में नजर आएंगी। कल्कि केकलां हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई फिल्म खो गए हम कहां में नजर आई थीं। इस फिल्म में वे अहम भूमिका में नजर आई थीं। अब वेव तमिल फिल्म नेसिप्पाया में अपने अभिनय का जलवा बिखरने को तैयार हैं। सूत्रों की मानें तो अभिनेत्री इस फिल्म में पुर्तगाल में रहने वाली एक वकील इंदिरा की भूमिका निभाएंगी। कल्कि केकलां इस फिल्म से पहले अजित कुमार की फिल्म नरकोंडा पारवई में भी एक छोटी सी भूमिका में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म से उन्होंने तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू किया था। वहीं अब वे नेसिप्पाया एक अहम किरदार निभाती दिखेंगी। कल्कि केकलां की यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है फिल्म होने जा रही है। इस फिल्म में भी कल्कि का किरदार उनकी पिछली फिल्मों की तरह दिलचस्प होने वाला है। अभिनेत्री अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित दिख रही हैं। कल्कि केकलां की इस का निर्देशन विष्णुवर्धन करने वाले हैं। नेसिप्पाया से वे तमिल सिनेमा में अपनी वापसी कर रहे हैं। दर्शकों को उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस फिल्म में कल्कि कोचलिन के अलावा आकाश मुरली की भी अहम भूमिका होगी।

अक्षय की फिल्म Sarfira ने तोड़े रिकॉर्ड!

फिल्म के ट्रेलर को मिला सबसे ज़्यादा व्यूज़

फिल्म सरफिरा में अक्षय कुमार एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं जो कभी हार न मानते हुए अपने सपने को पूरा करने की ताकत रखते है। अक्षय कुमार हमेशा से ऐसी फिल्में चुनते है जिसका कंटेंट बहुत ही दमदार होता है। फिल्म सरफिरा भी कंटेंट से भरी ऐसी ही एक फिल्म है जिसके ट्रेलर को लोग खूब सराह रहे है, साथ ही और ज्यादा देखने की इच्छा रखते है। नए दौर की सीख वाली फिल्मों के चैंपियन के रूप में, अक्की इस बार एक ऐसी कहानी लेकर आए हैं जो युवाओं की उद्यमशीलता की भावना पर विश्वास करती है। इसने जाहिर तौर पर लोगों के दिलों को छू लिया है, जिससे फिल्म की रिलीज का इंतजार और बेसब्री से किया जाने लगा है। जी हां, अक्की के फैन्स और ऑडियंस को अब बस फिल्म के थिएटर्स में आने का इंतजार है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म खिलाड़ी कुमार की शानदार स्टोरीटेलिंग की विरासत को जारी रखेगी।

करीना कपूर स्टारर

द बकिंघम मर्डर्स

13 सितंबर को होगी रिलीज

एक्ट्रेस करीना कपूर खान अब हंसल मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म की रिलीज डेट से अब पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन जैसे बेहतरीन एक्टर्स हैं। इसका डायरेक्शन हंसल मेहता ने किया है। हंसल अलीगढ़, शाहिद, स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी के लिए जाने जाते हैं। वीरे दी वेडिंग और वरू जैसी हिट फिल्मों के बाद, करीना कपूर खान और एकता कपूर इस फिल्म में फिर साथ आई हैं। अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा करते हुए एक दिलचस्प पोस्टर शेयर किया और लिखा कि हमें यह बताने में खुशी महसूस हो रही है कि द बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। फिल्म में करीना कपूर ब्रिटिश-भारतीय महिला जासूस जस भामरा का किरदार निभा रही हैं, जिसे बकिंघमशायर में मारे गए 10 साल के बच्चे का मामला सौंपा जाता है। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, नए-नए रहस्यों का खुलासा होता है। शहर में लगभग हर कोई इस हत्या का संदिग्ध है। अपने किरदार को लेकर करीना ने इंस्टा पोस्ट में लिखा था, जस एक ऐसा किरदार था जिसे निभाने का मैं पिछले 23 सालों से इंतजार कर रही थी। मुझे हमेशा से जासूसी सीरीज पसंद हैं। मैंने थ्रिलर फिल्मों की फैन होने के चलते करमचंद से लेकर प्राइम सस्पेक्ट में हेलेन मिरेन तक, अगाथा क्रिस्टी में हरक्यूल पोयरोट से लेकर मारे ऑफ ईस्टटाउन में केट विंसलेट तक सब कुछ देखा है। मैं बस जासूस महिला का किरदार करना चाहती थी। हंसल और एकता ने मुझे ये मौका दिया उसके लिए थैंक यू। करीना ने आगे लिखा कि हंसल मेहता और एकता कपूर ने मुझे 25 पन्नों वाली कहानी दी। मैंने इसे रात 1 बजे पढ़ना शुरू किया और मुझे वह महिला जासूस मिल गई, जो मैं बनना चाहती थी। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें दिल है, थोड़ी मुस्कुराहट है और ढेर सारे आंसू हैं। मैं एक एक्टर और पहली बार प्रोड्यूसर के रूप में नर्वस और एक्साइटेड हूं। एक्टिंग करने के अलावा, फिल्म में करीना कपूर बतौर प्रोड्यूसर भी डेब्यू कर रही हैं। वह को-प्रोड्यूसर हैं। इससे पहले, फिल्म का बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में प्रीमियर हुआ था। मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2023 में भी इस फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी। फिल्म को जबरदस्त थ्रिलर बताया जा रहा है, जिसमें छुपे हुए राज और रिश्तों पर रोशनी डाली गई, साथ ही छुपी हुई हत्या की मिस्ट्री के रहस्य को सुलझाते हुए देखा गया। द बकिंघम मर्डर्स असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ द्वारा लिखी गई है। इसे बालाजी टेलीफिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स द्वारा शोभा कपूर, एकता आर कपूर और करीना कपूर खान के साथ मिलकर निर्मित किया गया है। करीना को अब से पहले द क्रू में देखा गया था।

विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म हिसाब की शूटिंग शुरू

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित हिसाब को लेकर फैंस काफी एक्साइटिड है। दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। इसके बारे में फिल्म मेकर्स ने बड़ा अपडेट शेयर किया है। मेकर्स ने सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिशियल हैंडल से इंस्टाग्राम पर शूटिंग शुरू होने की घोषणा की। प्रोडक्शन कंपनी ने सेट पर एक छोटे से मंदिर के बगल में रखे फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, आज, हम अपनी भावनाओं को जीवंत करने और पैशन को स्क्रीन पर उतारने का काम शुरू कर रहे है, हिसाब की शुरुआत, जिसे सनशाइन पिक्चर्स के सहयोग से जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। पोस्ट में मृणि श्रीवास्तव, रोहिताश्व गौर और गोपाल दत्त को टैग किया गया।

दिलजीत ने पंजाबी अभिनेताओं की रूढ़धारणा को तोड़ा व उन्हें अच्छा काम दिलाया:एमी विर्क

एक्टर-सिंगर एमी विर्क ने बॉलीवुड में म्यूजिक और शोबिज के क्षेत्र में धमाल मचाने वाले दिलजीत दोसांझ को अभिनेताओं की रूढ़धारणा तोड़ने का श्रेय दिया है। जल्द ही फिल्म बैड न्यूज में नजर आने वाले एमी ने कहा, धर्मा प्रोडक्शन्स, करण जौहर, आनंद तिवारी, विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी के साथ काम करना एक सपना है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मैं कई और मनोरंजक फिल्मों का हिस्सा बनूंगा। एमी ने कहा कि पंजाब से आकर इन बड़ी मनोरंजक फिल्मों में काम करना मेरे लिए बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि इससे पहले, दिलजीत (दोसांझ) पाजी आए और पंजाबी अभिनेताओं की रूढ़ धारणा को तोड़ा, इससे हमें यहां अच्छा काम मिला। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने काम से पंजाब और आप सभी को गौरवान्वित करूंगा। उन्होंने मजाक में पंजाबी और हिंदी फिल्म उद्योग के बीच एक समानता भी बताई। एमी ने कहा कि टीम के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव था और सेट पर बहुत ही मजेदार माहौल था। पंजाब फिल्म इंडस्ट्री में हम ऐसे ही शूटिंग शुरू कर देते है, कोई अलार्म या शेड्यूल नहीं होता। उन्होंने कहा कि यहां पर वे बेहद पेशेवर हैं और जल्दी काम शुरू करते है और समय पर खत्म कर देते है।

बड़े भैया शब्बीर अहलूवालिया से अनगिनत चीजें सीखी: मनित जौरा

लोकप्रिय टीवी सीरियल प्यार का पहला नाम राधा मोहन दर्शकों का खूब एंटरटेन कर रहा है। इस शो में एक्टर मनित जौरा युग के किरदार में और शब्बीर अहलूवालिया मोहन के रोल में नजर आ रहे हैं। ऑन स्क्रीन दोनों आपस में लड़ते और एक-दूसरे के रास्ते में कांटे बिछाते नजर आते हैं, लेकिन ऑफ-स्क्रीन इनका बॉन्ड बेहद मजबूत है। दोनों अक्सर शॉट्स के बीच खूब बातचीत करते हैं। फिल्मों, खाने और परिवार जैसे टॉपिक पर डिस्कस करते हैं। मनित हमेशा शब्बीर को अपना आदर्श मानते हैं और उनसे सलाह लेते हैं।

इस बारे में मनित ने कहा कि शब्बीर भाई के साथ काम करना कुछ ऐसा है, जिसका मैं हमेशा इंतजार करता हूं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और मैं उन्हें अपना बड़े भैया मानता हूं। मनित ने कहा कि वह वाकई बहुत मजेदार इंसान हैं, एक बार जब आप उन्हें जान लेंगे, तो आपके मन में उनके लिए प्यार और सम्मान की भावना पैदा होगी।

लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि मैं उन्हें भाई क्यों कहता हूं और मेरा जवाब है कि वह उन चंद लोगों में से एक हैं, जिनसे मैंने अनगिनत चीजें सीखी हैं और अब भी सीख रहा हूं, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। शॉट्स के बीच में साथ में हंसने से लेकर साथ में हमारे सीन की रिहर्सल करने तक, मैं अपने रिश्ते को बहुत संजोता हूं।

इस रोमांटिक शो में मोहन (शब्बीर अहलूवालिया) के अलावा, राधा (निहारिका रॉय) और दामिनी (संभवाना मोहंती) जैसे शानदार किरदार हैं।

माइकल जैक्सन की मृत्यु के समय उन पर

500 मिलियन डॉलर का कर्ज था !

पॉप के बादशाह को गुज़रे 15 साल हो चुके हैं और फिर भी गायक फिर से सुर्खियों में हैं, लेकिन गलत कारणों से। लॉस एंजिल्स टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, लॉस एंजिल्स में 50 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से मरने वाले इस दिग्गज गायक पर 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज था। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी संपत्ति के निष्पादकों द्वारा अदालत में दायर की गई फाइलिंग में गायक की मृत्यु के समय उनके द्वारा सामना किए जा रहे वित्तीय संकट के बारे में अब तक की सबसे विस्तृत जानकारी दी गई है। सार्वजनिक लेखक की गवाही के अनुसार, लॉस एंजिल्स टाइम्स ने बताया कि माइकल जैक्सन ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर बहुत खर्च किया, साथ ही यात्रा की और दान के लिए पैसे दान किए।

माइकल जैक्सन महान संगीत कलाकारों में से एक हैं और लोग आज भी उनके गानों पर थिरकते हैं। आखिरकार किंग ऑफ पॉप के नाम से मशहूर माइकल जैक्सन ने कई दशकों तक अपने प्रशंसकों और अन्य कलाकारों को प्रभावित किया है। कलाकार के जीवन में भी उतार-चढ़ाव आए हैं। माइकल जैक्सन पर बच्चों के साथ यौन शोषण का आरोप लगाया गया था। सबूतों की कमी और पुलिस द्वारा कभी भी कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाए जाने के बावजूद, माइकल जैक्सन ने इस मामले को अदालत के बाहर सुलझा लिया और जांच बंद कर दी गई। किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन की बायोपिक पर काम चल रहा है और निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज को हरी झंडी दे दी है। एंटोनी फुक्वा द्वारा निर्देशित और माइकल नामक आगामी बायोपिक 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में दिवंगत स्टार के भतीजे जाफर जैक्सन नजर आएंगे, जो हॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म भी होगी।

प्रोडक्शन हाउस लायंसगेट इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर रिलीज़ करेगा और इसका निर्माण इस साल 22 जनवरी को शुरू हुआ था। यह बायोपिक माइकल जैक्सन के जीवन और उनके संगीत प्रतिभा पर एक नज़र डालेगी। माइकल का निर्माण ग्राहम किंग द्वारा किया जाएगा और इसे जॉन लोगन द्वारा लिखा जाएगा।

डस्की स्किन वालों को जल्दी नहीं मिलता काम: सानविका

पंचायत की रिंकी यानी सानविका। सीजन-3 में इन्होंने अपनी मासूमियत और सादगी से ऑडियंस को काफी प्रभावित किया है। मध्य प्रदेश की जबलपुर की रहने वाली सानविका का मुंबई का सफर आसान नहीं रहा। शुरुआती दौर में उन्होंने कॉस्ट्यूम डिपार्टमेंट में भी काम किया है। सानविका ने कहा कि एक आउटसाइडर के लिए फिल्म इंडस्ट्री में पैर जमाना आसान नहीं है। एक-डेढ़ साल तो सिर्फ कॉन्टैक्ट बनाने में लग जाते हैं। पंचायत रिलीज होने के बाद सानविका को सोशल मीडिया पर क्रश तक कहा जाने लगा है। हालांकि वे अपने आप को इतनी खूबसूरत नहीं मानतीं। सानविका ने कहा कि आज भी इंडस्ट्री में डस्की स्किन वालों को आसानी से काम नहीं मिलता।

विजय देवरकोंडा की वीडी 12 का विजाग शेड्यूल खत्म

द फैमिली स्टार के फ्लॉप होने के बाद अब अभिनेता विजय देवरकोंडा को अपनी आने वाली फिल्मों से सफलता की उम्मीद हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में वीडी 12 और वीडी 14 शामिल हैं।

विजय के साथ-साथ उनके प्रशंसक भी उनकी अगली हिट फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच, अब वीडी 12 की शूटिंग को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इन दिनों वीडी 12 पर बड़ी तेजी से काम किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, विजाग में फिल्म के एक महीने लंबे शेड्यूल का काम खत्म कर लिया गया है और अब अगले शेड्यूल की तैयारी शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीडी 12 के अगले शेड्यूल को श्रीलंका में शूट किया जाएगा। कहा जा रहा है कि श्रीलंका में भी लगभग एक महीने तक वीडी 12 की शूटिंग चलेगी। इस दौरान श्रीलंका के अलग-अलग शहरों में फिल्म को शूट किया जाएगा।

एक जानकारी यह भी सामने आ रही है कि इस शेड्यूल में कुछ एक्शन सीन को भी फिल्माया जाएगा। वीडी 12 का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म में विजय देवरकोंडा का एकदम अलग ही अंदाज देखने को मिलेगा। चर्चा है कि वीडी 12 को इस साल के अंत तक रिलीज कर दिया जाएगा। फिल्म का निर्माण सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज द्वारा किया जा रहा है।

-साभार एजेंसी

संक्षिप्त समाचार

टी20 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मैच को लाइव स्ट्रीमिंग पर रिकॉर्ड 5.3 करोड़ दर्शकों ने देखा

मुंबई, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मैच ने व्यूअरशिप के मामले में रिकॉर्ड बनाया है। कांटे की टक्कर का यह मैच बारबाडोस में खेला गया था। भारत ने मैच को जीतकर 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त कर दिया। इस मैच को रिकॉर्ड 5.3 करोड़ लोगों ने देखा। ओटीटी पर यह इस प्रतियोगिता के दौरान दर्ज की गई सबसे ज्यादा व्यूअरशिप है। यह मैच जबरदस्त रोमांच के चलते किसी भी टीम की ओर जा सकता था। अततः भारत ने इस मैच को 7 रनों से जीतकर रोहित शर्मा की कप्तानी में आईसीसी ट्रॉफी को उठाने में कामयाबी हासिल की।

व्यूअरशिप के मामले में नए कीर्तिमान पर बात करते हुए डिज्नी प्लस हॉटस्टार के हेड साजिद शिवनंदन ने कहा, आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 में शानदार प्रदर्शन के लिए दोनों टीमों को बधाई। भारतीय टीम ने अविश्वसनीय कौशल और लगन से लाखों लोगों को खुशी और गर्व की अनुभूति कराई है। हमें इस बात पर गर्व है कि हमने इन पलों को उन तक पहुंचाया। भारत ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 176 रन बनाए थे। प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इस मैच में मात्र 9 रन बनाकर ही आउट हो गए। दूसरी ओर विराट कोहली ने इस मुकाबले में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 76 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेली। विराट को उनके शानदार योगदान के चलते प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया था।

रोहित शर्मा के WOOOOO सेलिब्रेशन पर आया WWE रैसलर रिक फ्लेयर का कमेंट

नईदिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर और कुश्ती के दिग्गज रिक फ्लेयर ने आखिरकार टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा की उस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें भारतीय कप्तान ने कुश्ती दिग्गज का स्टाइल अपनाया था। रोहित ने भारत को ट्रॉफी दिलाने में खूब मेहनत की और बिना कोई मुकाबला गंवाए ट्रॉफी जीती।

ट्रॉफी प्रस्तुति समारोह के दौरान रोहित ने जश्न मनाने के लिए विशेष वू सेलिब्रेशन का तरीका अपनाया था जोकि कुश्ती दिग्गज रिक फ्लेयर के रिंग के अंदर आने का स्टाइल था। फ्लेयर ने अब इस पर प्रतिक्रिया दी है और कुश्ती के दिग्गज ने कहा कि भारत के कप्तान ने उनकी प्लेबुक से एक पेज निकाल लिया है। बता दें कि टी20 विश्व कप जीत के बाद रोहित ने टी20ई से रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। रोहित ने कहा कि वह मेरा आखिरी गेम भी था। ईमानदारी से कहूं तो, जब से मैंने इस प्रारूप को खेलना शुरू किया है तब से मैंने इसका आनंद लिया है।

इस प्रारूप को अलविदा कहने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। मुझे इसका हर पल पसंद आया है।

विंबलडनः मेदवेदेव भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे

कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ की शुरुआत

लंदन, एजेंसी। स्पेन के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन की शानदार शुरुआत की। अल्काराज ने पहले दौर में क्वालिफायर मार्क लाजल को सीधे सेटों में 7-6 (3), 7-5, 6-2 से हराया और अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहे।

विश्व रैंकिंग में 269 वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी लाजल ने हालांकि शुरुआती दो सेट में स्पेन के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी।

तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्काराज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मैचों में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव ने अलेक्जेंडर कोवासिक को 6-3, 6-4, 6-2 से और आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने एलेक्स बोल्ट को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। गैर वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 19वें नंबर के खिलाड़ी निकोलस जैरी को 6-1, 7-5, 6-4 से हराया।

सक्कारी की आसान जीत

मारिया सक्कारी ने महिला सिंगल्स के अपने शुरुआती मुकाबले में मेकार्टनी केसलर 6-3, 6-1 से आसानी से शिकस्त दी। पिछले महीने फ्रेंच ओपन की उपविजेता रहीं सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी अपने चौथे प्रयास में पहली बार विंबलडन के पहले दौर की बाधा को पार करने में सफल रहीं। इटली की इस खिलाड़ी ने साराा सोरिब्स टोर्मो को 7-5, 6-3 से हराया।

सबालेंका विंबलडन से हटीं

तीसरी वरीयता प्राप्त अरिना सबालेंका कंधे में चोट के कारण सोमवार को विंबलडन से हट गईं।

दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को ग्रास-कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के शुरुआती दिन पहले दौर में अमेरिका की एमिना बेक्टास से खेलना था।

सबालेंका ने एक सप्ताह पहले कंधे में दर्द का हवाला देते हुए बर्लिन लेडीज ओपन के क्वार्टर फाइनल के पहले सेट से हटने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी मांसपेशियों में चोट है और यह उनके लिए बहुत निराशाजनक है।

विराट कोहली ने दिया पीएम मोदी को धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोहली की तारीफ की थी, जिसके बाद विराट ने प्रतिक्रिया के तौर पर उनका शुक्रिया अदा किया है। विराट कोहली ने हाल ही में टी20 विश्व कप फाइनल जीतने के बाद इस प्रारूप से अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा था- प्रिय विराट कोहली, आपसे बात करके अच्छा लगा। आपने फाइनल मैच में अपनी पारी की तरह भारतीय बल्लेबाजी को भी शानदार ढंग से एंकर किया है। ऐसा आपने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में किया है।

टी20 क्रिकेट आपको मिस करेगा, लेकिन मुझे भरोसा है कि आप खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को प्रेरणा देते रहेंगे। इसकी प्रतिक्रिया में विराट कोहली ने पीएम का धन्यवाद करते हुए लिखा कि प्रिय नरेंद्र मोदी सर, आपके शब्दों व सपोर्ट के लिए आपका बहुत धन्यवाद और आपने हमेशा उत्साह बढ़ाया है।

इस टीम का हिस्सा होना गौरव की बात रही है जिसने विश्व कप ट्रॉफी को घर लाने का काम किया है। इस वजह से देश को जो खुशी मिली है, उसके चलते हम बहुत प्रभावित और अभिभूत हैं। टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने ओपनिंग में आकर 59 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली थी। भारत ने इस पारी के दम पर 176 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 169 रन ही बना सकी थी। विराट कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी टी20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा कर चुके हैं।

चेस

भारत में नहीं, इस देश में होगा विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से सामना अपने घर में नहीं हो सकेगा। सिंगापुर ने इसकी मेजबानी के अधिकार जीत लिए हैं जिससे भारत की इसका आयोजन करने की उम्मीदों को झटका लगा है। फिडे ने सोमवार को विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी सिंगापुर को सौंपने की घोषणा की। इसके मायने हैं कि

गुकेश दिल्ली या चेन्नई में यह मुकाबला नहीं खेल सकेंगे चूंकि भारत के ये दोनों शहर सिंगापुर से पिछड़ गए। तमिलनाडु सरकार और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे को मेजबानी के लिए अलग-अलग बोली सौंपी थी।

यह मुकाबला 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच होगा। फिडे ने कहा, सिंगापुर सरकार से समर्थन के साथ सिंगापुर शतरंज महासंघ ने फिडे विश्व चैंपियनशिप मैच 2024 की मेजबानी हासिल की है। सभी दावेदारों की समीक्षा, आयोजन स्थलों, सुविधाओं, कार्यक्रम और मौकों की समीक्षा के बाद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने सिंगापुर को चुना है।

फिडे अध्यक्ष अकार्डी ड्वोरकोविच ने कहा, हमें खुशी है कि फिडे के इतिहास में पहली बार, विश्व चैंपियनशिप का मैच सिंगापुर में होगा। सिंगापुर न केवल सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक पर्यटन और व्यापार केंद्रों में से एक है, बल्कि यह एक संपन्न शतरंज केंद्र भी है जहां कई प्रतिभाएं हैं। मैं दिल्ली और चेन्नई को भी धन्यवाद देना चाहूंगा जो मेजबानी हासिल करने की दौड़ में थे और इन्होंने बोली लगाई थी।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर किया था क्वालिफाई

भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में अप्रैल में खेले गए कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया था। इसके साथ ही वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने थे।

लंका प्रीमियर लीग 2024 के मुकाबलों का भारत में इस चैनल पर होगा लाइव टेलीकॉस्ट

कोलंबो, एजेंसी। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2024 समाप्त होने के एक दिन बाद लंका प्रीमियर लीग के पांचवें संस्करण शुरू हुआ। इसके साथ ही फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग की

शुरुआत हो गई। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में श्रीलंकाई खिलाड़ियों के अलावा पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के भी कई दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज भी एलपीएल 2024 की फ्रेंचाइजी कोलंबो स्ट्राइकर्स का हिस्सा हैं।

कैंडी फाल्कंस उन तीन टीमों में से एक है जिसे रीब्रांड किया गया है। लंका प्रीमियर लीग के पांचवें संस्करण की शुरुआत सोमवार 1 जुलाई 2024 को गत विजेता कैंडी फाल्कंस और दाम्बुला सिक्सर्स के बीच मैच से हुई।

रैसलिंग

पहलवान बजरंग पूनिया ने नाडा पर किया पलटवार लगाया ये बड़ा आरोप

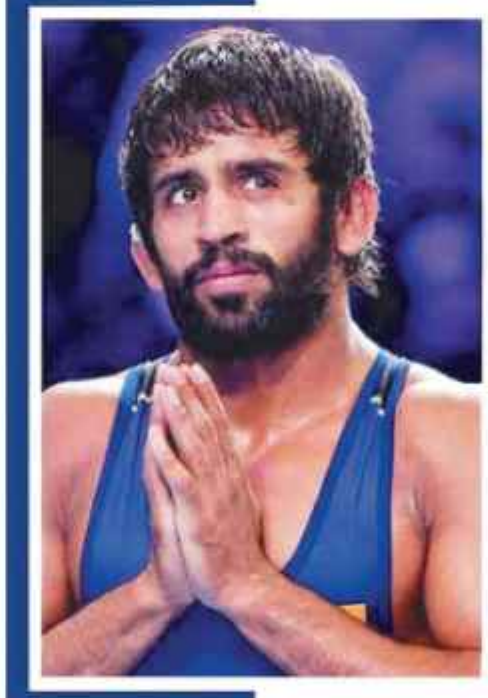

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष पहलवान बजरंग पूनिया ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) पर कड़ा पलटवार करते हुए बड़ा आरोप लगाया है। नाडा ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए नमूने नहीं देने पर 23 अप्रैल को बजरंग को निलंबित कर दिया था। डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) से हालांकि बजरंग को राहत मिल गई थी, लेकिन नाडा ने 24 जून को बजरंग को दूसरी बार निलंबित कर दिया था। अब टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान ने आरोप लगाया कि खामियों को उजागर करने के कारण नाडा उनके करियर को खत्म करना चाहता है। एडीडीपी ने पहला निलंबन इस आधार पर हटा दिया था कि नाडा ने पहलवान को औपचारिक नोटिस देकर आधिकारिक तौर पर उस पर डोपिंग का आरोप नहीं लगाया था। इसके बाद नाडा ने उन्हें नोटिस जारी किया और उन्हें फिर से निलंबित कर दिया। विश्व चैंपियनशिप में कई बार पदक जीतने वाले इस 30 साल के खिलाड़ी ने दावा किया कि उन्होंने कभी नमूना देने से इनकार नहीं किया, बल्कि केवल इस बात का जवाब मांगा था कि नाडा ने दिसंबर 2023 में नमूना संग्रह के लिए एक एक्सपायर हो चुकी किट क्यों भेजी थी।

नाडा मुझे निशाना बना रहा

बजरंग ने एक्स पर लिखा, यह दर्शाता है कि नाडा मुझे कैसे निशाना बना रहा है, वे नहीं चाहते कि मैं किसी भी कीमत पर कुश्ती जारी रखूं। उनके पास कोई जवाब नहीं है और वे अपनी गलतियों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, वे सिर्फ अपने छुटकारे के लिए एथलीट को परेशान करना चाहते हैं। नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाया जाता है ताकि वह अपना खेल जारी न रख सके। नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता? नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच नमूना लेने के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगले मुकाबले की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे।

यह नाडा द्वारा एक ही मामले में पहले निलंबन को निरस्त करने के बाद लगातार 2 महीनों में दूसरे निलंबन से संबंधित है। नाडा ने उन्हें दिए गए सभी तथ्यों को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज कर दिया और मुझे फिर से निलंबित कर दिया।

बजरंग ने कहा कि इस मामले में वह हार नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा, अगर नाडा अपने अहंकार के लिए पहलवानों के धैर्य और अपने अधिकारों के लिए खड़े होने के दृढ़ संकल्प को चुनौती देना चाहता है, तो उसे ऐसा करने दो। पहलवान यही है और अंत तक लड़ेगा। मेरे वकील समय पर अपना जवाब दाखिल करेंगे। बजरंग को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिए 11 जुलाई तक का समय दिया गया है।

जिम्बाब्वे के लिए टीम इंडिया रवाना, अब जूनियर्स के कंधे पर टी-20 की कमान

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 29 जून को फतेह प्राप्त करने के बाद अब एक दम नई टीम इंडिया का टी20 में टेस्ट शुरू होगा. भारतीय टीम 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए रवाना हो गई है. संन्यास लेने के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी इस टीम से नदारद होंगे. इस टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई है.

इसके अलावा टीम के इस दौरे के लिए हेड कोच राहुल द्रविड की जगह वीवीएस लक्ष्मण होंगे. राहुल द्रविड का बतौर हेड कोच भारतीय क्रिकेट टीम के साथ सफर 29 जून को खत्म हो गया. इसी बीच टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे के लिए रवाना हो गई है, इसके फोटो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से शेयर किए गए. जहां टीम के साथ वीवीएस लक्ष्मण भी दिखे, जो भारतीय टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे. इसके अलावा BCCI ने फोटो शेयर किए, उसमें टीम के अन्य सदस्य भी दिख रहे हैं. इसमें पहली बार टीम इंडिया में शामिल हुए अभिषेक शर्मा और रियान पराग जैसे खिलाड़ी भी हैं. देखा जाए तो टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मुख्य स्क्वॉड में शामिल 15 में से 13 खिलाड़ियों को इस दौरे से आराम दिया गया है.

पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले नीरज चोपड़ा ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। हाल में पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और पेरिस खेलों में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद नीरज रविवार को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहजता के कारण इन खेलों से बाहर रहने का निर्णय लिया है।

पावो नूरमी खेल से शुरू की थी तैयारी

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पिछले महीने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी।

नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे थे। नीरज इस टूर्नामेंट में पहले पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की थी और अंत तक अपनी बढ़त को कायम रखने में सफल रहे थे।

पैर को मजबूत बनाने पर देंगे ध्यान

नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है। हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था, लेकिन मुझे लगा कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है। थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रुक जाना ही ठीक है। नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते। उन्होंने कहा, ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था। अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं। फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा।

विम्बलडन में ओसाका का जीत से आगाज

तीन साल बाद वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। विम्बलडन का पहला राउंड सोमवार से शुरू हो गया। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने जीत से शुरुआत की। तीन साल बाद इस ग्रैंड स्लैम में खेलने उतरी ओसाका ने पहले राउंड के मुकाबले में फ्रांस की डाबने पैरी को तीन सेट में 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसका ने एक घंटे 32 मिनट में मुकाबला जीता। उनकी विम्बलडन में यह 2018 के बाद पहली जीत है। वहीं स्पेन के मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम शानदार शुरुआत की।

पाकिस्तान की जेल से भागे 19 खूंखार कैदी... भारत का मोस्ट वांटेड भी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने भारत के एक मोस्ट वांटेड आतंकी को अपने घर में पाला हुआ था। अब पता चला है कि यह जेल तोड़कर भाग गया। पीओके के पुंछ में जिला जेल रावलकोट में मंगलवार को जेल ब्रेक की घटना हुई है। घटना में 19 कैदी फरार हो गए, इसमें से कुछ गंभीर अपराधों की सजा काट रहे थे। पिस्तौल के बल पर कैदियों ने जेल गार्ड को अपने कब्जे में लिया। जिन कैदियों ने भागने का प्लान बनाया था, वह मुख्य द्वार के गार्ड पर हावी हो गए। भागने वालों में मौत की सजा पाए छह कैदी भी शामिल हैं। इनका नाम साकिब मजीद, उस्मान इकरार, शमीर आजम, अमीर अब्दुल्ला, फैसल हमीद और नजीर यासीन है। भागने वाले अन्य कैदी नौमान आसिफ, आसिफ दिलबर और सकलैन सरफराज को 20 साल की सजा और मुकर्रम फैसल, साजिद नजीर और सोहेल रशीद को 10 साल की सजा हुई थी। गाजी शहजाद, फैजान अजीज, ओसामा मुर्तजा, उमाम मुस्तफा और मुहम्मद शब्बीर पर मुकदमा चल रहा था। एक अन्य कैदी हैबतुल्लाह लॉकअप में था। सूत्रों के हवाले से बताया कि गाजी शहजाद एक प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है और भारत की ओर से वांटेड घोषित है। माना जा रहा है कि यही जेल तोड़ने का मास्टरमाइंड है। अधिकारियों ने इसकी जांच शुरू कर दी है कि जेल तोड़ने का कारण क्या था। जेल के कुछ अधिकारियों को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। जबकि कुछ अधिकारियों को पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया गया है। हाई रिस्क के कैदियों को जेल से निकालकर दूसरी जगह ट्रांसफर किया गया है।

पॉप गानों के बादशाह जैक्सन पर था 500 मिलियन डॉलर का कर्ज, माइकल ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर लुटाया पैसा

न्यूयार्क। पॉप गानों के बादशाह माइकल जैक्सन को दुनिया से गए हुए 15 साल बीत चुके हैं और लेकिन आज भी माइकल सुर्खियों में हैं। उसके गलत कारणों से आज भी वह चर्चा का विषय बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लॉस एंजिल्स में 50 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से इस पॉप गायक माइकल की मौत हो गई थी उस समय माइकल पर 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज था।

रिपोर्ट के मुताबिक अदालत में दायर की गई फाइलिंग में माइकल की मृत्यु के समय उनके वित्तीय संकट के बारे में जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि माइकल जैक्सन ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर बहुत ज्यादा खर्च किया, साथ ही यात्रा की और पैसे दान किए। माइकल जैक्सन महान संगीत कलाकारों में से एक हैं और लोग आज भी उनके गानों पर थिरकते नजर आते हैं। किंग ऑफ पॉप के नाम से मशहूर माइकल जैक्सन ने कई दशकों तक अपने चाहने वालों और कलाकारों को प्रभावित किया है। कलाकार के जीवन में भी उतार-चढ़ाव आए हैं। माइकल पर बच्चों के साथ यौन शोषण के आरोप भी लगे थे। सबूतों की कमी और पुलिस द्वारा कभी भी कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाए जाने के बावजूद, माइकल ने इस मामले को कोर्ट के बाहर ही सुलझा लिया और जांच बंद हो गई। किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन की बायोपिक पर काम कर रहे निर्माताओं ने इसकी रिलीज को हरी झंडी दे दी है। एंटोनी फुक्वा द्वारा निर्देशित और माइकल नामक बायोपिक 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म में दिवंगत पॉप स्टार माइकल के भतीजे जाफर जैक्सन नजर आएंगे, जो हॉलीवुड में जाफर की पहली फिल्म भी होगी। प्रोडक्शन हाउस लायंसगेट इस फिल्म को रिलीज करेगा और इसका निर्माण इस साल 22 जनवरी को शुरू हुआ था। यह बायोपिक माइकल जैक्सन के जीवन और उनके संगीत प्रतिभा पर बनाई गई है।

सूडान में हुए हवाई हमले में 9 बच्चों की मौत, 11 घायल

खार्तूम। सूडान में अर्ध सैनिक बलों और सेना के बीच लड़ाई और तेज हो गई है। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हवाई हमले में कम से कम नौ बच्चे मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। एल फशर में एक गैर-सरकारी समूह, प्रतिरोध समिति ने एक बयान में कहा कि आरएसएफ के एक ड्रोन ने अल-फशर के अल-तिजानिया में अल-हिजरा मस्जिद पर प्रोजेक्टाइल से हमला किया, जिसमें नौ बच्चों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक जिस जगह को टारगेट किया गया था वो विस्थापितों को भोजन उपलब्ध कराने वाली एक रसोई थी। आरएसएफ ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। 15 अप्रैल, 2023 से पूरे सूडान में आरएसएफ और सूडानी सशस्त्र बलों के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है। इधर 10 मई से एल फशर में भीषण झड़पें हो रही हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने पिछले महीने एक अपडेट में कहा कि घातक झड़पों में अब तक 16,650 लोगों की मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने जून की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि मौजूदा संघर्ष में सूडान में कम से कम 7.3 मिलियन लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं।

टैटू बनवाना हेल्थ के लिए काफी खतरनाक

-टैटू से बढ़ सकता है ब्लड कैंसर का खतरा

लंदन। ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि टैटू बनवाना हेल्थ के लिए काफी खतरनाक है। स्वीडन में किए गए एक स्टडी में पाया गया कि टैटू से ब्लड कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इससे लिंफोमा बढ़ने का 21 प्रतिशत रिस्क हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्वीडन में लिंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि टैटू से भी कैंसर का रिस्क हो सकता है। शोधकर्ताओं ने 10 साल यानी 2007 से 2017 तक स्वीडिश नेशनल कैंसर रजिस्टर का विश्लेषण किया। इसमें 20 से 60 वर्ष के लोग शामिल थे। स्टडी में मिला कि टैटू बनवाने वाले लोगों में बिना टैटू वाले लोगों की तुलना में लिंफोमा का खतरा 21 प्रतिशत अधिक था। वहीं जिन लोगों ने पिछले 2 सालों में टैटू बनवाया था उनमें लिंफोमा का खतरा 81 प्रतिशत अधिक था। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह समझना जरूरी है कि टैटू के लिए कौन सी स्याही यूज हो रही है यानी इसमें कौनसा केमिकल है, जो लिंफोमा के खतरे को बढ़ा सकते हैं। हालांकि, यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है बस दोनों के बीच कनेक्शन होने का दावा किया जा रहा है। अगर आप टैटू बनवाने के काफी शौकीन हैं तो इतनी चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप बस कुछ बातों का ख्याल रखकर भी टैटू बनवा सकते हैं। टैटू बनवाने के लिए किसी आप किसी प्रोफेशनल टैटू आर्टिस्ट को ही चुनें। इसके अलावा उस जगह पर जाएं जहां हाइजीन का काफी ख्याल रखा जाता हो। टैटू मशीन पूरी तरह से क्लीन हो। इसके अलावा हमेशा अच्छे ब्रांड का इंक यूज करवाएं। लोकल क्वालिटी वाले इंक से टैटू न बनवाएं। अगर आपको कोई गंभीर बीमारी है तो स्किन स्पेशलिस्ट से सलाह जरूर लें। बता दें कि कई लोगों को टैटू बनवाने का शौक होता है। लोग अधिक फैशनेबल दिखने के लिए टैटू बनवाते हैं।

ट्रंप को लेकर कमला हैरिस से भिड़ गए एलन मस्क, कहा- झूठ बोलना अब काम नहीं करता है

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने कमला हैरिस पर ट्रंप को लेकर किए गए सोशल पोस्ट को लेकर निशाना साधा है। हैरिस ने एक पोस्ट में लिखा था कि ट्रम्प देश भर में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे और उसे रोकने और महिलाओं की प्रजनन प्रणाली को बहाल करने के लिए सब कुछ करने का वादा किया। ट्रम्प ने पिछले सप्ताह महीनों के संदेशों और अटकलों के बाद संघीय गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि गर्भपात की सीमा राज्यों पर छोड़ दी जानी चाहिए। उन्होंने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि मेरा विचार अब यह है कि हमारे पास गर्भपात है जहां हर कोई इसे कानूनी दृष्टिकोण से चाहता है, राज्य वोट या कानून या शायद दोनों द्वारा निर्धारित करेंगे। और वे जो भी निर्णय लेते हैं वह देश का कानून होना चाहिए। ट्रम्प ने रो वी वेड मिसाल को समाप्त करने के अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का श्रेय लिया है, जिसने गर्भपात का संवैधानिक अधिकार दिया था।

पेरिस में आरएन पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस के गोल दागे गये, इस दौरान वहां से निकलता हुआ एक साइकिल सवार।

गाजा में हमास को खत्म करने के करीब : नेतन्याहू

यरूशलेम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वो गाजा पट्टी में हमास को खत्म करने के अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा कॉलेज के कैडेटों के साथ एक बैठक सोमवार को हुई जिसमें उन्होंने कहा कि हम हमास को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे एक दिन पहले नेतन्याहू ने गाजा डिवीजन का दौरा किया था और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और सेना के वरिष्ठ कमांड के साथ एक सुरक्षा बैठक की। जिसमें उन्होंने अनुमान लगाया कि लड़ाई अब अंतिम दौर में पहुंच गई है। बैठक में रफा में हमास पर सैन्य दबाव जारी रखने पर जोर दिया गया। सोमवार को इजरायली रक्षा बलों ने पूर्वी खान यूनिस से नागरिकों को बड़े पैमाने पर निकालने का आदेश दिया। इससे यह संकेत मिलता है कि सेना जल्द ही दक्षिणी गाजा शहर में अपने हमले फिर से शुरू कर सकती है। इस इलाके में हमास के सशस्त्र बल संगठित होकर इजरायल से लड़ रहे हैं। इजरायल ने अप्रैल की शुरुआत में खान यूनिस में बड़े पैमाने पर हमला किया था और उसके बाद अपने अधिकांश बलों को वापस बुला लिया था।

पड़ोस के पलटूराम फिर पलटने को तैयार, आधी रात को हुई सीक्रेट मीटिंग के बाद क्या गिर जाएगी प्रचंड सरकार?

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में एक और अभूतपूर्व मोड़ में दो सबसे बड़े दलों नेपाली कांग्रेस और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (सीपीएन-यूएमएल) ने प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल को हटाने के लिए एक नया गठबंधन बनाने के लिए आधी रात को समझौता किया है। दोनों पार्टियों के नेताओं के हवाले से रिपोर्ट के मुताबिक 'प्रचंड' सत्ता से बाहर हो गए हैं। यह घटनाक्रम प्रचंड द्वारा चौथी बार विश्वास मत जीतने के ठीक एक महीने बाद घटित हुआ है। समझौते पर आधी रात को नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने ओली डेढ़ साल तक सरकार का नेतृत्व करेंगे, जिसके बाद वह अगले चुनाव तक शेष 1.5 साल के लिए देउबा को सत्ता हस्तांतरित करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने खड़ा किया है। ओली को नेपाल की राजनीति में 'पलटूराम' के नाम से जाना जाता है। उनकी छवि ऐसी है कि नेपाल की राजनीति में ओली पर कोई भरोसा नहीं कर सकता।

78 वर्षीय देउबा और 72 वर्षीय ओली ने दोनों पार्टियों के बीच संभावित नए राजनीतिक गठबंधन के लिए जमीन तैयार करने के लिए शनिवार को मुलाकात की, जिसके बाद ओली की सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के बमुश्किल चार महीने बाद उसके साथ अपना संबंध समाप्त कर लिया। दोनों नेता नई सरकार बनाने, संविधान में संशोधन करने और सत्ता-साझाकरण फॉर्मूला तैयार करने पर सहमत हुए। इसके अतिरिक्त, नेपाल सरकार में सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्री सत्तारूढ़ गठबंधन में आधी रात के बदलाव के बाद अपने पदों से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। सीपीएन-यूएमएल के मुख्य सचेतक महेश बारटौला ने बताया।

हमारे मंत्री आज ही प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री भी जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। शाम तक नई सरकार बनने की उम्मीद है। राजनीतिक रूप से नाजुक हिमालयी राष्ट्र में एक नई 'राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार' बनाने के लिए आधी रात को हुए समझौते का उद्देश्य प्रचंड को सत्ता से बाहर करना था। समझौते के तहत ओली डेढ़ साल के लिए नई 'राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार' का नेतृत्व करेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट में नेपाली कांग्रेस के एक नेता के हवाले से कहा गया है कि देउबा शेष कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री होंगे।

अमरीका में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ने जा रहें डॉ. प्रशांत रेड्डी

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल के डॉ. प्रशांत रेड्डी अमरीका में होने वाले चुनाव में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए लड़ने जा रहे हैं। अमेरिकी इतिहास में प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ने हेतु रिपब्लिकन पार्टी द्वारा नामित होने वाले बॉबी जिंदल के बाद वे दूसरे इकलौते भारतीय हैं। यदि वे चुनाव जीत जाते हैं, तब रेड्डी अमेरिका के इतिहास में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए चुने जाने वाले दूसरे भारतीय अमेरिकी रिपब्लिकन कांग्रेसमैन बन जाएंगे तथा अमेरिकन सत्ता के निकट रहने वाले ताकतवर नेता के रूप में उभर सकते हैं। अमरीकी सेना और चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएँ देने वाले डॉ. प्रशांत रेड्डी का जन्म दक्षिण भारत के चेन्नई शहर में हुआ। वे पाँच वर्ष की उम्र में अपने परिवार के साथ मैनहट्टन, कैनसस में जाकर बस गए थे।

डॉ. रेड्डी आंतरिक चिकित्सा, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी और हेमाटोलॉजी में ट्रिपल-बोर्ड प्रमाणित चिकित्सक हैं। उन्होंने कैंसर की दवा पर भी काम किया। जब अमरीका में 9/11 का अकल्पनीय हादसा हुआ था, तब डॉ. रेड्डी ने अपने देश की सेवा करने का अहम फैसला किया और एक सैन्य चिकित्सक के रूप में यूनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स रिजर्व में शामिल हो गए। लगभग 20 वर्षों की सैन्य सेवा के बाद, उन्होंने लेफ्टिनेंट कर्नल का पद अर्जित किया और चिकित्सा सेवा करना जारी रखा।

छात्र जीवन से ही प्रतिभाशाली प्रशांत को हाई स्कूल के वरिष्ठ छात्र के रूप में, बर्कले, सीए में लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लेबोरेटरी में जैविक विज्ञान के क्षेत्र में कैनसस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ क्लिनिकल रिसर्च करिकुलम अवार्ड प्रोग्राम के माध्यम से कैनसस विश्वविद्यालय से एम.पी.एच. प्राप्त किया। दिसंबर 2016 से जुलाई 2019 तक, प्रशांत ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में लीडरशिप डेवलपमेंट का कार्यक्रम भी पूरा किया, जिससे उन्हें हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में पूर्व छात्र का दर्जा भी प्राप्त हुआ। अपने पूरे वयस्क जीवन के दौरान, प्रशांत रेड्डी चिकित्सा और सैन्य सेवा के माध्यम से अपने समुदाय और देश को सेवाएँ दे रहे हैं। अब उन्हें एक बार फिर से कैनसस जिले में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में आगे आने और सेवा करने के लिए कहा गया है।

भारत के साथ अपने संबंधों को और गहरा कर रहा अमेरिका, विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने किया दावा

अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को गहरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में आर्थिक और सुरक्षा सहयोग शामिल है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वाशिंगटन इस रिश्ते को विकसित करना जारी रखेगा। पटेल की प्रतिक्रिया अमेरिका-भारत संबंधों और इटली में जी7 शिखर सम्मेलन के इतर राष्ट्रपति जो बिडेन और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हालिया बातचीत के बारे में एक सवाल के जवाब में आई। पटेल ने संवाददाताओं से कहा कि भारत एक ऐसा देश है जिसमें हम कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं, खासकर जब यह हमारे आर्थिक संबंधों को गहरा करने, हमारे सुरक्षा सहयोग को गहरा करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रपति बिडेन को कुछ हफ्ते पहले जी7 के हाशिये पर प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी को संक्षेप में देखने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम इस रिश्ते को विकसित करना जारी रखेंगे। यह देखते हुए कि अमेरिका ने पिछले साल राजकीय यात्रा के लिए प्रधान मंत्री मोदी की मेजबानी की थी, उन्होंने कहा, ऋमुझे लगता है कि कई अतिरिक्त क्षेत्र होंगे जहां हम सहयोग को गहरा करना जारी रखेंगे। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों के बारे में भी बात की और कहा कि अमेरिका उम्मीद करेगा कि दुनिया का कोई भी देश कहीं भी आतंकवाद की निंदा करेगा।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को राहत, मुकदमा नहीं चलेगा

- कैपिटल हिल दंगे में सुप्रीम कोर्ट ने लिया बड़ा फैसला, एक जज ने लिखा-अब तो राष्ट्रपति राजा हो गए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए लिए गए कई फैसलों पर कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। कैपिटल हिल दंगा मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को कुछ हद तक छूट होने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने 6-3 से यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया। ट्रंप पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिका का राष्ट्रपति रहते हुए नवंबर 2020 के चुनाव में नतीजों को पलटने की साजिश रची थी। उनके कहने पर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद पर चढ़ाई कर दी थी। इसे लेकर मुकदमा दाखिल किया गया और केस चलाया गया लेकिन ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राष्ट्रपति होने के नाते उन्हें कई तरह की छूट हासिल थी। इसलिए उन पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। अब अमेरिकी कोर्ट ने भी उनकी दलील को सही ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ट्रंप को उनके आधिकारिक कृत्यों के लिए अभियोजन से छूट प्राप्त है और उनके अनाधिकारिक कामों के लिए कोई भी छूट नहीं है। आधिकारिक काम क्या है और अनाधिकारिक काम क्या है, इसे तय करने के लिए मामले को निचली अदालत में भेज दिया गया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि ट्रंप के निजी दस्तावेजों को सबूत के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। फैसले से असहमति रखने वाले एक जज ने जजमेंट में लिखा, इस फैसले से तो राष्ट्रपति कानून से ऊपर राजा हो गए हैं।

संकट में सुनीता विलियम्स की वापसी...?

-नासा के स्टारलाइनर' स्पेसक्राफ्ट में आग की संभावना

प्योंग्यांग (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 5 जून को 'स्टारलाइनर' स्पेसक्राफ्ट के द्वारा स्पेस मिशन के लिए रवाना हुई थीं। उनके साथ एक और अंतरिक्ष यात्री बुश विलमोर भी थे, जो मिशन कमांडर हैं। दोनों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर करीब 8 दिन का वक्त बिताकर वापस लौटना था लेकिन दुखद यह है कि अब तक दोनों की वापसी नहीं हो सकी है। इसका एक मात्र कारण हैं बोइंग स्पेसक्राफ्ट का धोखा देना है। इस कारण सुनीता की सुरक्षित वापसी को लेकर दुआएं मांगी जा रही हैं। सुनीता जिस स्पेसक्राफ्ट के द्वारा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचीं, उस अमेरिकी एयरक्राफ्ट कंपनी बोइंग ने डेवलप किया है।

कंपनी इस स्पेस कैप्सूल' भी कहती है। बोइंग ने अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा (नासा) के कॉमर्शियल स्पेस प्रोग्राम के लिए स्पेसक्राफ्ट को डेवलप किया। हालांकि जब स्टारलाइनर को लांच किया जा रहा था, तभी इसमें से हिलियम गैस लीक हो रही थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बोइंग के इंजीनियर्स को लॉन्चिंग के दौरान गैस लीक के बारे में पता था, पर तब उन्हें नहीं लगा कि यह कोई बड़ी समस्या है पर यात्रा के दौरान स्पेसक्राफ्ट में 4 और जगह से हिलियम गैस का रिसाव होने लगा।

वहीं नासा के मुताबिक ऐसा बिलकुल नहीं है कि 'स्टारलाइनर' का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इमरजेंसी में विलियम्स और उनके साथी एस्ट्रोनॉट स्पेसक्राफ्ट से धरती तक लौट सकते हैं। पर फिलहाल एजेंसी पूरी समस्या की तह तक पता लगा रही है कि आखिर इन फ्लाइट में गैस क्यों और कैसे लीक हुई और थ्रस्टर क्यों फेल हुए। इसकारण एस्ट्रोनॉट्स की वापसी टाल दी गई है।

हालांकि जानकारों की राय नासा के बिल्कुल विपरीत है। उनके मुताबिक स्टारलाइनर में हिलियम गैस का रिसाव गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है। अगर गैस रिसाव का पता नहीं लगाया गया और इस ठीक नहीं किया गया तब रिटर्न फ्लाइट में आग लगने की संभावना है। इस केस में सुनीता विलियम्स और विल्मोर की जान भी जा सकती है।

इमरान को रिहा करो, जबरन जेल में कर रखा कैद: यूएन

- पाकिस्तान ने इंटरनेशनल कानून का उल्लंघन किया है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पिछले एक साल से जेल में बंद हैं। इमरान खान को पाकिस्तानी हुकूमत ने जबरन और मनमाने ढंग से जेल में कैद कर रखा है। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट वर्किंग ग्रुप ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट्स वर्किंग ग्रुप ने कहा कि इमरान खान को मनमाने ढंग से पाकिस्तान में हिरासत में रखा गया है। पाकिस्तान का यह कदम इंटरनेशनल कानून का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र की इस बॉडी ने इमरान खान की तुरंत रिहाई की वकालत की है। जेनेवा स्थित यूनाइटेड नेशन वर्किंग ग्रुप ने कहा कि उचित तो यह होगा कि इमरान खान को तुरंत रिहा किया जाए। उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार मुआवजा दिया जाए और उन्हें अन्य क्षतिपूर्ति को लागू करने योग्य अधिकार दिया जाए। संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह ने अपनी राय में ये बातें कही हैं। उसने कहा कि वर्किंग ग्रुप इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि उनकी हिरासत का कोई कानूनी आधार नहीं था। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें राजनीतिक पद के लिए अयोग्य घोषित करने का इरादा था। इस प्रकार शुरू से ही अभियोजन पक्ष कानून पर आधारित नहीं था और कथित तौर पर एक राजनीतिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया गया था। दरअसल, यूनाइटेड नेशन वर्किंग ग्रुप की यह राय 25 मार्च को लिखी गई थी मगर यह हाल ही में सार्वजनिक की गई। इस ग्रुप में पांच एक्सपर्ट हैं। इनकी राय भले ही बाध्यकारी नहीं है, मगर प्रतिष्ठा के लिहाज से काफी अहम है। पांच सदस्यों वाली इस टीम ने कहा कि इमरान खान की कानूनी परेशानियां उनके और उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के खिलाफ दमन के बहुत बड़े अभियान का हिस्सा थीं। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट वर्किंग ग्रुप ने कहा कि 2024 के आम चुनावों से पहले इमरान खान की पार्टी के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें प्रताड़ित किया गया और उनकी रैलियों को बाधित किया गया। संयुक्त राष्ट्र के इस समूह ने पाकिस्तान के आम चुनाव वाले दिन व्यापक तौर पर धोखाधड़ी और दर्जनों संसदीय सीटों पर धांधली का भी आरोप लगाया। हालांकि, पाकिस्तानी सरकार ने अभी तक इस राय पर कोई टिप्पणी नहीं की है मगर पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने फरवरी के आम चुनावों में धांधली से इनकार किया है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। पाकिस्तान की एक अदालत ने उन्हें सरकारी उपहार बेचने के बाद संपत्ति छिपाने का दोषी पाते हुए तीन साल की जेल की सजा सुनाई थी। इसकी वजह से इमरान खान के चुनाव लड़ने पर बैन लगा दिया गया था।

वायुसेना ने 13 मछुआरों को बचाया...बाढ़ के दौरान ब्रह्मपुत्र नदी में फंस गए

डिब्रूगढ़ । असम के डिब्रूगढ़ में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इसके बाद रेत पर फंसे 13 मछुआरों को मंगलवार सुबह भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने बचाया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को मछुआरों तक नावों से पहुंचने के प्रयास विफल होने पर राज्य सरकार के अनुरोध पर भारतीय वायुसेना ने बचाव अभियान चलाया। जानकारी के मुताबिक भारी वर्षा के कारण ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ने से मछुआरे ब्रह्मपुत्र नदी के मध्य स्थित रेतीले तट पर फंसे हुए थे। एएसडीएमए के अनुसार, ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर पिछले पांच दिनों से 105 मीटर से ऊपर बना हुआ है और डिब्रूगढ़ में कई बार खतरे के स्तर 105.70 मीटर को भी पार कर गया है। यह अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों, अर्थात् सियांग और लोहित (नदियों) और अन्य सहायक नदियों में भारी वर्षा के कारण है। एएसडीएमए ने कहा, बुरहिदीहिंग और सेसा जैसी अन्य निकटवर्ती नदियां भी खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं।

अब तक 51 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा अमरनाथ के दर्शन किये

जम्मू । 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के बाद से अब तक 51 हजार श्रद्धालु दर्शन किये है। मंगलवार को 6 हजार तीर्थयात्रियों का एक जत्था 2 सुरक्षा काफिले के साथ कश्मीर के लिए रवाना हुआ। 6 हजार 537 तीर्थयात्री जम्मू के भगवती नगर से घाटी के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से

2106 श्रद्धालु 105 वाहनों के सुरक्षा काफिले के साथ सुबह 3.05 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए जबकि 4 हजार 431 तीर्थयात्री 156 वाहनों में सवार होकर सुबह 3.50 बजे नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुए। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आमतौर पर बादल छाए रहने और सुबह हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है। यात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग या 14 किलोमीटर वाले छोटे बालटाल मार्ग से पैदल यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में 4 दिन लगते हैं जबकि बालटाल मार्ग से जाने और दर्शन करने के बाद उसी दिन बेस कैंप लौट आते हैं। इस वर्ष की यात्रा के दौरान 7 हजार से अधिक स्वयंसेवक यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने कल से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

कर्नाटक में पानी पूरी में कैंसर जैसी बीमारी के केमिकल मिले

बेंगलुरु । कर्नाटक में बिकने वाली पानी पूरी में कैंसर जैसी बीमारी के कैमिकल मिले हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने राज्य से अपनी जांच के लिये 260 जगहों से पानी पूरी के नमूने लिए थे। इनमें से 41 नमूनों में नकली रंग और कैंसर पैदा करने वाले तत्व मिले हैं। 18 नमूने तो इतने खराब थे कि उन्हें खाने लायक भी नही माना जा सकता था। कर्नाटक के अलग-अलग इलाकों से सड़क किनारे बिकने वाली पानी पुरी की क्वालिटी को लेकर कई शिकायतें मिली थी। इसके बाद खाने-पीने की चीजों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले विभाग ने यह जांच शुरू की थी। कमिश्नर श्रीनिवास के ने मीडिया को बताया कि हमने सड़क किनारे लगे ठेलों से लेकर बड़े-बड़े रेस्टोरेंट तक से सैंपल जमा किए थे। इनमें बहुत से सैंपल बासी और खाने के लायक नहीं थे। कर्नाटक में सामने आए सैंपलों में पाया गया कि पानीपुरी के सैंपल में ब्रिलियंड ब्लू, सनसेट येलो और टार्ट्राजिन जैसे केमिकल्स मिले जो कई समस्याओं का कारण बनता है।

दुष्कर्म पीड़िता की डिलिवरी का खर्च दिल्ली सरकार उठाए : हाई कोर्ट

नई दिल्ली । एक नाबालिक से दुष्कर्म हुआ और वो गर्भवती हो गई। पीड़िता ने अपने पिता के माध्यम से दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर 26 सप्ताह के गर्भ को गिराने की अनुमति देने की गुहार लगाई। उच्च न्यायालय ने पीड़िता की मेडिकल जांच कराई तो पाया कि गर्भपात से बच्चे के साथ लड़की की जान को भी खतरा हो सकता है। हाईकोर्ट ने नाबालिग के प्रसव तक उसे एम्स में भर्ती करने और उसका तमाम खर्च दिल्ली सरकार की ओर से उठाए जाने का निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति मिनीषुष्करणा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि पीड़िता के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। पीड़िता का परिवार इस समय दोहरी मार से गुजर रहा है। एक तरफ से उनकी बच्ची अपराध के कारण गर्भवती है, वहीं दूसरी तरफ बच्ची और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए पोषण की आवश्यकता है। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ से एक और अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि नाबालिग का प्रसव कराने वाले डॉक्टर्स को निर्देश दिया जाए कि प्रसव के समय ही बच्चे का डीएनए संरक्षित कर लिया जाए, क्योंकि यह एक आपराधिक मामला है। इसलिए अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान बच्चे का डीएनए साक्ष्य के तौर पर रिकार्ड पर रखा जा सकता है। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील के इस आग्रह का स्वीकार कर लिया। पीठ ने डॉक्टरों को बच्चे के जन्म के समय उसका डीएनए कानून के हिसाब से संरक्षित करने को कहा है। हालात यह हैं कि पीड़िता को गर्भपात की अनुमति दी नहीं दी जा सकती। ऐसे में पीठ ने बीच का रास्ता निकाला है। पीठ ने नाबालिग को तत्काल एम्स में भर्ती करने के आदेश दिया है। प्रसव तक पीड़िता वहीं रहेगी। पौष्टिक आहार, प्रसव पूर्व की देखभाल और सुविधाएं नाबालिग को दी जाएंगी। समय-समय पर मनोचिकित्सक नाबालिग की काउंसलिंग भी करेंगे। नाबालिग पीड़िता के पिता की तरफ से उनके अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष कहा कि वह चाहते हैं कि नाबालिग का प्रसव एम्स में हो और बच्चे के जन्म के बाद वहीं से उसको गोद देने की प्रक्रिया संबंधित सरकारी विभाग की ओर से शुरू की जाए। पीठ ने इस मसले पर बहरहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

उमेश पाल हत्याकांड में चार्जशीट दायर, माफिया अतीक के बेटे उमर व अली हैं साजिश के आरोपी

प्रयागराज । यूपी के प्रयागराज में बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड में पुलिस ने चार्जशीट दायर की है। 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में वकील उमेश पाल की हत्या मामले में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद अहमद की संलिप्तता सामने आई थी। असद को पहले ही पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। अब अतीक के दोनों बड़े बेटे उमर अहमद और अली अहमद को हत्याकांड की साजिश रचने के मामले में आरोपी करार दिया है। उमर अभी लखनऊ जेल में बंद है। वहीं अली अहमद को प्रयागराज के नैनी जेल में रखा गया है। उमेश पाल मर्डर केस में विवेचना कर रहे एसीपी धूमनगंज वरुण कुमार ने जांच पूरी कर दोनों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है। दायर चार्जशीट के अनुसार उमर और अली भी उमेश पाल हत्याकांड में शामिल थे। उन्हें पूरी घटना की जानकारी पहले से थी। दरअसल 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में माफिया अतीक अहमद के शूटरों ने वकील उमेश पाल और 2 सरकारी गनर पर बम और गोलियां बरसा दी थीं। इस घटना में उमेश पाल और उनके दोनों सरकारी गनरों की मौत हो गई थी। मामले की जांच के क्रम में अतीक के 2 बेटों अली और उमर भी हत्याकांड में शामिल होने के आरोपी पाए गए। इस हत्याकांड में पुलिस ने यह चौथी चार्जशीट दायर की है। इसके पहले पुलिस ने नैनी जेल में बंद अली अहमद का बयान दर्ज किया था। जांच के दौरान अली ने पुलिस के समक्ष उमेश केस में कई अहम राज का खुलासा किया था। अली ने पुलिस के समक्ष माना था कि उसे इस हत्याकांड की जानकारी पहले से थी। अली ने अपने बयान में कहा है कि उसने अपने पिता अतीक से भाई असद को हत्याकांड में शामिल न होने की बात कही थी। लेकिन अतीक अहमद इसके लिए तैयार नहीं हुआ। उमर अहमद का भी उमेश हत्याकांड में बयान लिया गया है। लखनऊ जेल में जांच टीम ने उससे बयान लिये हैं। इसमें उमर ने हत्याकांड में संलिप्तता की बात मानी है। वहीं अली पर इस समय सबसे अधिक केस दर्ज हैं। नैनी जेल में रहते हुए भी अली के खिलाफ धमकाने और रंगदारी मांगने के केस दर्ज किए गए हैं। वहीं डीएसपी सिटी दीपक भूकर का कहना है कि उमर और अली के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल हो गया है। दोनों हत्याकांड की साजिश में शामिल थे।

गडकरी पहली बार देश में बना रहे ऐसा हाईटेक हाईवे

गुजरने पर याद आएगा अमेरिका

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश में अब हाइटेक हाईवे और एक्सप्रेसवे बन रहे हैं। इसमें 8 लेन, 4 लेन और एलिवेटेड एक्सप्रेसवे शामिल हैं। खास बात है कि इन एक्सप्रेसवे पर ऑटोमेटिक टोल सिस्टम सहित कई अन्य सुविधाएं दी जाएगी। इसी कड़ी में देश में एक इसतरह के हाईवे प्रोजेक्ट पर काम हो रहा है, इसमें 85 किलोमीटर लंबी सड़क जमीन के अंदर से गुजरेगी। हिमाचल प्रदेश में 85 किलोमीटर फोरलेन जमीन के नीचे बनकर तैयार होगा। इस फोरलेन प्रोजेक्ट के लिए एनएचएआई ने केंद्र और पर्यावरण मंत्रालय से जरूरी मंजूरी हासिल कर ली है। इस 85 किलोमीटर लंबे हाईवे में कई सुरंगें बनेगी। दरअसल हिमाचल में कई हाईवे पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया 68 सुरंगों का निर्माण करने जा रहा है। इसमें से 11 टनल का काम पूरा हो चुका है, जबकि 27 सुरंगों पर काम चल रहा है। इन फोरलेन हाईवे के कंस्ट्रक्शन के लिए 50 प्रतिशत से ज्यादा डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।

दरअसल पिछले साल हिमाचल में बारिश के दौरान आई आपदा के कारण कीरतपुर-मनाली हाईवे पर कुल्लू और मंडी में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था। इसके अलावा, पठानकोट-मंडी और पिंजौर-नालागढ़ भी

आपदा से प्रभावित हुए थे। इन हाईवे को हुए नुकसान के बाद एनएचएआई को हाईवे का सर्वे करने के बाद सुरंग बनाने के सुझाव मिले थे। इन पर अमल करते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने फोरलेन के ज्यादातर हिस्से को टनल के जरिए गुजारने की तैयारी कर ली है।

इन सुरंगों के बनने से प्रदेश के सभी फोरलेन में 126 किलोमीटर की दूरी कम होगी और यात्रियों के 13 घंटे का सफर कम हो जाएगा। इसके अलावा, हिमाचल में होने वाली बर्फबारी और बारिश से भी यातायात प्रभावित नहीं होगा। हिमाचल में पठानकोट-मंडी, कालका-शिमला, शिमला-मटौर, कीरतपुर-मनाली और पिंजौर-नालागढ़ नेशनल हाईवे का निर्माण कार्य जारी है। इन हाईवे पर 68 सुरंगें बन रही हैं। इसमें से कीरतपुर-मनाली में 41 किलोमीटर लंबे हाईवे पर 28 टनल प्रस्तावित है।

पहली बार बदला दिखा नजारा... भाजपा की नहीं एनडीए की हुई बैठक

नई दिल्ली । लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपने दम पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने पर बहुत कुछ बदल गया है। पहले कभी कभार ही एनडीए नेताओं की बैठक होती थी, एनडीए संसदीय दल की बैठक शायद की संसद सत्र के दौरान कभी हुई होगी। लेकिन इस बार सारा दृश्य बदला-बदला-सा है। संसद सत्र के दौरान हर मंगलवार को भाजपा संसदीय दल की बैठक होती है लेकिन इस बार राजग संसदीय दल की बैठक की गई। संसदीय दल की बैठक में भाजपा की नीतियों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर चर्चा होती थी लेकिन अब चूंकि सरकार सिर्फ भाजपा की नहीं बल्कि पूरे एनडीए की है, तब सभी को साथ लेकर चला जा रहा है और विवादित मुद्दों से बचा जा रहा है। मंगलवार को पहली बार संसद भवन परिसर में भाजपा संसदीय दल की जगह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संसदीय दल की बैठक हुई, तब नजारा एकदम परिवर्तित था। आगे की पंक्तियों में भाजपा के वरिष्ठ नेता बैठा करते थे मगर आज सहयोगी दलों के नेताओं को भी वहां जगह मिली थी। बता दें कि घटक दल के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जोरदार स्वागत किया। बैठक में मोदी के पहुंचते ही सभी सांसदों ने तालियां बजाकर उनका अभिवादन और स्वागत किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री और जनता दल (सेक्यूलर) के एचडी कुमारस्वामी ने प्रधानमंत्री को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान जनता दल (यूनाईटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रफुल्ल पटेल और तमिल मनीला कांग्रेस के जीके वासन मौजूद थे।

राहुल गांधी के हिन्दुत्व वाले बयान को लेकर बवाल, गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पथराव

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हिन्दुत्व को लेकर दिए बयान के बाद हिन्दू संगठनों में आक्रोश भड़क उठा है। अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में देर रात राहुल गांधी के पोस्टर पर कालिख पोतने के बाद आज सुबह पथराव की खबर सामने आई है। घटना को लेकर गुजरात कांग्रेस ने कहा कि अगर हिम्मत है तो सामने आकर मुकाबला करे, इस प्रकार का हमला कायरता दर्शाता है। बता दें कि सोमवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा था कि 'जो लोग खुद को हिन्दू कहते हैं वह हिंसा करते हैं और नफरत फैलाते हैं।' राहुल गांधी के इस बयान का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तुरंत विरोध किया था। राहुल गांधी के इस बवाल को लेकर गुजरात समेत देशभर में बवाल मच गया है। सोमवार को वाराणसी में राहुल गांधी का पुतला फूंका गया था। वहीं सोमवार देर रात अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश मुख्यालय में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के पोस्टर पर कालिख पोत कर आक्रोश व्यक्त किया। मंगलवार की सुबह प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पथराव किया गया। पथराव की घटना के बाद प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पथराव की घटना को लेकर कांग्रेस की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता हेमांग रावल ने कहा कि इस प्रकार कायरतापूर्ण हमला कर उन्होंने साबित कर दिया है कि वह हिन्दू नहीं बल्कि गुंडे हैं। राहुल गांधी के बयान को सही ठहराते हुए हेमांग रावल ने कहा कि कांग्रेस को हिन्दुत्व के मामले में ऐसे लोगों से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। भाजपा, विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल में अगर ताकत है तो सामने आएं, हम यहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारे चौकीदार और उसकी गर्भवती पुत्री समेत परिवार पर हमला किया गया है।

असम में तबाही, भारी बारिश और बाढ़ से बह गए कई पुल, संपर्क भी टूटा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के भारत-चीन सीमा पर भी कई इलाकों से सड़क मार्ग का संपर्क कट गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के मुताबिक बाढ़ प्रभावित जिलों की संख्या 12 से बढ़कर 19 हो गई है। ईटानगर में भारी बारिश की वजह से 2 से 6 जुलाई तक स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है। असम में बाढ़ की स्थिति बदतर होती जा रही है और जलस्तर बढ़ने की वजह से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में स्थित 233 वन शिविरों में से 26 प्रतिशत से अधिक जलमग्न हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक काजीरंगा वन्य जीव अभयारण्य का बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है और बड़ी संख्या में जानवर ऊंचे स्थान की तलाश में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-715 पार कर पूर्वी कार्बी आंगलोंग जिले के दक्षिणी हिस्से की ओर जा रहे हैं। हालांकि, बाढ़ या सड़क पार करने के दौरान किसी जानवर की मौत की खबर नहीं है। पूर्वी कामेंग जिले में कुरुंग नदी पर बना पुल बाढ़ में बह गया। इसके अलावा कई घर भी बाढ़ की चपेट में आ गए। असम में लगभग 8 हजार लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। वहीं तिनसुकिया जिले में सबसे ज्यादा 35 लोगों की मौत हो गई है।

बाढ़ को लेकर तैयार रिपोर्ट के मुताबिक काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में स्थापित 61 वन शिविर डूब गए हैं। जलमग्न वन शिविरों में अगोराटोली रेंज के 22, काजीरंगा के 10, बागोरी के आठ, बुढ़ापहाड़ के पांच और बोकाखाट के छह शिविर शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इनके अलावा राष्ट्रीय उद्यान के विश्वनाथ वन्यजीव प्रखंड में स्थापित 10 वन शिविर भी जलमग्न हो गए हैं।इस बीच, गोलाघाट जिला प्रशासन ने रविवार शाम को भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के निषेधाज्ञा लागू कर दिया है ताकि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 715 को पार करने वाले जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह राजमार्ग काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरता है। गोलाघाट के जिलाधिकारी विवेक श्याम पंग्चोक ने बताया कि राजमार्ग पर यातायात का भारी दबाव होता है। उन्होंने कहा, ''बाढ़ के दौरान राजमार्ग पर वाहनों से वन्य जीवों को आवच्छित जोखिम पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जानवर अस्थायी रूप से कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के अंतर्गत आने वाले प्राकृतिक ऊंचे इलाकों (पहाड़ियों) पर आश्रय के लिए प्रवास करने के लिए गलियारों का उपयोग करते हैं। सोमवार से लागू निषेधाज्ञा के मुताबिक किसी भी व्यावसायिक वाहन को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा केवल निजी वाहन ही दिन के समय नियंत्रित गति से चल सकेंगे। केवल स्थानीय निजी वाहन को ही रात को राष्ट्रीय उद्यान से गुजरने की अनुमति होगी।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को असम में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की और संकट से निपटने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिया। शर्मा ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र और उसकी सभी सहायक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो से तीन दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुझे फोन कर स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और सेना पूरी तरह से तैयार रहेगी।

इंडिया गठबंधन में शामिल होने पर चंद्रशेखर... साथ होते तब परिणाम कुछ और होता

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद सुर्खियों में हैं। वे विपक्षी पार्टियों के गठबंधन इंडिया में शामिल होने वाले हैं, या नहीं उनके बयान के बाद से कयास लग रहे हैं। चंद्रशेखर ने अखिलेश के साथ गठबंधन पर कहा कि वह लड़ाई 2022 में कमजोर हुई। उसका परिणाम देख लीजिए बीजेपी सत्ता में है। इस बार भी लड़ाई कमजोर हुई और इसकारण एनडीए सत्ता में है अगर वे साथ होते, तब यूपी के परिणाम कुछ और होते और हो सकता है कि सरकार भी बदली हुई होती।

सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि संविधान धार्मिक आजादी देता है, आप किसी की आजादी को नहीं छीन सकते। सरकार पालक है, अगर आप धर्म के आधार पर भेदभाव करते है। कावड़ यात्रा 15 दिन चलती है, हम उसका सम्मान करते हैं। कई बार परेशानी आती है। कई बार अस्पताल जाना होता है। रोजगार के लिए जाना होता है, लेकिन सम्मान करते हुए यात्रा को स्वीकार किया जाता है। ईद साल में

दो बार होती है, अगर उसका सम्मान कर उसकी अनुमति दी जाए तब उसमें क्या दिकत है? सवाल यह है कि जिनके लोग सत्ता या ताकत में नहीं हैं। उनकी आस्था का सम्मान नहीं होना चाहिए क्या? प्रधानमंत्री संविधान के पालक है, और अगर एक पिता अपने बच्चों में भेदभाव करता है तब यह सही नहीं है। मैं अपनी बात पर अडिग हूं। चाहे सरकार मुझे फांसी चढ़ा दे।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि पार्टी का फैसला है कि उपचुनाव मजबूती से लड़ने को तैयार है। पार्टी उसकी तैयारी कर रही है। कई बार पत्रकारों ने पूछा कि आपका इस पर स्टैंड है या नहीं? हक की बात कहने में मुझे कोई परहेज नहीं है। चाहे मुझे कांटों पर चलना पड़े या कितनी भी मुसीबत आ जाए मैं हक की बात पूरी जिम्मेदारी से कहूंगा। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जो समीकरण हमने बनाए थे, नगीना में वहां इतना मजबूत समीकरण है। किसानों का मजदूरों का दलितों का पिछड़ों का और मुसलमान का हम उत्तर प्रदेश उसमें जीत सकते हैं।

जुलाई में मूसलाधार बारिश का अनुमान, यूपी और बिहार को लेकर संशय

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल जून में पड़ी गर्मी ने 123 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हालांकि अब आईएमडी की भविष्यवाणी किसानों को खुश करने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि जुलाई माह में सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है। इस महीने में देशभर में करीब 106 प्रतिशत बारिश दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग की यह रिपोर्ट किसानों के लिए अच्छी है, क्योंकि वे खरीफ फसलों, खासकर धान जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी में है, धान को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। इसके पहले उत्तर-पश्चिम भारत में जून का महीना असाधारण रूप से सूखा रहा, क्योंकि इस दौरान करीब 32.6 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई। इस दौरान लू के भी खूब थपेड़े चले और 123 सालों में सबसे गर्म जून दर्ज किया गया।

वहीं जुलाई को लेकर आईएमडी के पूर्वानुमान से साफ होता है, कि पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में सामान्य से अधिक

बारिश होगी। हालांकि मौसम विभाग ने इन इलाकों में बेहद तेज बारिश को लेकर भी चेतावनी दी है, जो विनाशकारी हो सकती है। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. एम. महापात्रा के अनुसार, जुलाई में अधिक बारिश से पश्चिमी हिमालयी राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और तलहटी राज्यों में नदी के बाढ़ आ सकती है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बादल फटने, भारी बारिश और भूस्खलन के कारण विनाशकारी प्रभाव देखने को मिल सकता है। साथ ही मध्य भारत के कुछ हिस्सों में गोदावरी, महानदी के आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश की उम्मीद है, इसलिए वहां बाढ़ की आशंका है।

हालांकि, बिहार-यूपी के अलावा पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जुलाई महीने में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि पूर्वोत्तर भारत के अलावा, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों जैसे गोरखपुर, बिहार के पश्चिमी जिले, झारखंड में भी दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीपीय भारत और लद्दाख के कुछ हिस्सों के साथ-साथ सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

पुणे में तेजी से फैल रहा जीका वायरस, दो गर्भवती महिलाओं समेत 6 लोग संक्रमित

पुणे (एजेंसी)। पुणे में तेजी से जीका वायरस फैल रहा है. पुणे शहर में जीका वायरस के छह मामले सामने आए हैं. स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि मरीजों में दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं. एरंडवाने क्षेत्र की एक 28 वर्षीय गर्भवती महिला में जीका वायरस का संक्रमण पाया गया था. अब बीते शुक्रवार को उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई, जबकि एक अन्य गर्भवती महिला को सोमवार को संक्रमण का पता चला. एक अधिकारी ने कहा कि दोनों महिलाओं की हालत ठीक है और उनमें कोई लक्षण नहीं है. गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस भ्रूण में माइक्रोसेफेली (ऐसी स्थिति जिसमें असामान्य मस्तिष्क विकास के कारण सिर काफी छोटा हो जाता है) का कारण बन सकता है. जीका वायरस के संक्रमण का पहला मामला एरंडवाने से सामने आया था, जब एक 46 वर्षीय डॉक्टर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी. इसके बाद उनकी 15 वर्षीय बेटी का सैंपल भी पॉजिटिव आया. अधिकारी ने बताया कि मुंढवा में भी एक 47 वर्षीय महिला और 22 वर्षीय युवक जीका वायरस से संक्रमित है. जीका वायरस बीमारी संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलती है, जिसे डेंगू और चिकनगुनिया जैसे संक्रमण फैलाने के लिए भी जाना जाता है. इस वायरस की पहचान सबसे पहले 1947 में युगांडा में हुई थी. पुणे महानगरपालिका का स्वास्थ्य विभाग निगरानी कर रहा है. उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए फॉगिंग और फ्यूमिगेशन जैसे उपाय किए जा रहे हैं.

कैसे फैलता है जीका वायरस?

जीका वायरस संक्रमित मच्छर एडीज एजिप्टी और एल्बोपिक्टस के काटने से फैलता है. यह वायरस यौन संपर्क, ब्लड इंफेक्शन या प्रसव के दौरान संक्रमित मां से बच्चे में प्लेसेंटा के जरिए बहुत तेजी से फैल सकता है. इसलिए गर्भवती महिला को पहली तिमाही में अल्ट्रासाउंड स्क्रीनिंग कराते वक्त सावधान रहना चाहिए.

जीका वायरस के लक्षण

आमतौर पर जीका वायरस से संक्रमित 80 फीसदी लोगों में कोई संक्रमण नहीं दिखते, लेकिन अगर किसी को बुखार, दाने, जोड़ों

और मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द या कंजेक्टिवाइटिस जैसा लग रहा है, तो इग्नोर नहीं करना चाहिए. यह लक्षण संक्रमित मच्छर के काटने के एक सप्ताह बाद दिखाई देते हैं और बाद में लगभग एक सप्ताह तक बने रह सकते हैं.